

प्राधिकार **सं प्रकाशित** PublishED by AuthORity

सं० 48] नर्ष विस्त्रो, शनिवार, नवस्बर 26, 1983 (अग्रहायण 5, 1905) No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26, 1983 (A GRAHAYANA 5, 1905)

इस भाग में भिष्म पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—**भाग** । [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रह और महालेबापरीक्षक, संघ लोक सेया आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लींक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, विनांक 10 अक्तूबर 1983

सं० ए० 12034/1/83-प्रशा०-II--अध्यक्षं, संघ लोक सेवा आयोग, एतव्दारा संघ लोक सेवा आयोग के स्थाई अनुभान अधिकारी श्री एम० पी० जैन-II, को 3 अक्तूबर, 1983 से तीन माह की अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक या जब तक नियमित नियुक्ति नहीं की जाती है, जो भी पहले हो आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर संवर्ग बाह्य वरिष्ठ विश्लेषक (ग्रुप क' रू० 1100-50-1600) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० पी० जैन-II की तदर्थ नियुक्ति स्थानापम आधार पर है श्रीर यह वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० I(II)-ई० III (ब)/79-विनांक 7-11-75 के द्वारा नियंत्रित होगी।

भवानी त्यागराजन अवर सचिव कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा भ्रायोग नई विल्ली-110011, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1983

सं० ए० 12034/2/83-प्रमा० II (ii) --- प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एतव्द्वारा नियमित कनिष्ठ भ्रनुसंधान अधिकारी श्री बी० आर० मणि को 13-10-83 से 12-1-84 तक तीन मास की अवधि के लिए श्रथवा श्रागामी भादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तबर्थ आधार पर वरिष्ठ श्रनुसंधान श्रिधकारी (ग्रुप क' रु० 1100-1600) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पढ़ पर श्री बी० आर० मणि की निवृक्ति पूर्णत: तदर्थ श्राधार पर है तथा उन्हें वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

जो भी पहले हो अनुसंघान अधिकारी (ग्रुप 'क' व० 700-1300) के पद पर सदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

- 1. कु० के० बन्धोपाध्याय
- 2. श्री एम० एम० बरावपांडे
- 3. श्रीबी० घोष
- 4. श्री एस० बी० कोडड
- 5. श्री ए० एन० शर्मा
- 6. श्रीमति मनजीत सिंह
- 2. उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति पूर्णेत: तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें नियमित नियुक्ति या अनुसंधान अधिकारी के पद पर वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

विनांक 19 अक्तूबर, 1983

सं० ए० 32013/2/83 प्रमा: II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एनक्द्रारा कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ एवं सां०) श्रीमित राजकुमारी आनन्व को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 15-10-83 से 14-1-84 तक तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, अनुसंधान अधिकारी (ग्रुप "क" ६० 700-1300) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. अनुसंधान अधिकारी के पद पर श्रीमित राजकुमारी आनस्य की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थं आधार पर है और इससे इन्हें नियमित नियुक्ति का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

सं० ए० 32013/3/83-प्रणा०-II (i)—अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा श्री जैंड० ई० शेख, विरुठ प्रोग्रामर को 13-10-83 से 12-4-1984 तक छह महीने की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रबंधक पद्धति विकास क्षया मुख्य प्रोग्रामर (मुप "क" रू० 1500-1800) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. प्रबंधक पद्धति विकास तथा मुख्य प्रोग्रामर के पद पर श्री जैंड० ई० शेख की नियुक्ति पूर्णत: सदयं आधार पर है और इससे इन्हें नियमित नियुक्ति का और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 20 अक्तूबर, 1983

सं० ए० 32013/3/83-प्रणा०-II(ii)---अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा उप नियंत्रक (त० सं०) श्री एम० एल० धवन को 13-10-83 से 12-4-84 तक छ: मास की अवधि के लिए अयवा आगामी आदेशों तक, श्रो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय

में प्रबंधक तथ्य रचना (मुप "क"-रु० 1500-1800) के पद पर नदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

2. प्रबन्धक तथ्य रचना के पद पर श्री एम० एल० धवन की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आद्यार पर है और इसमे इन्हें नियमित नियुक्ति का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कीई हक नहीं मिलेगा।

> एम० पी० जैन ग्रवर सचिव (प्रशा०) कृते अध्यक्ष मंघलोकसेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 सिसम्बर, 1983

सं० ए०. 35014/2/80-प्रणा०-II (ii)--इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 35014/2/80-प्रणा० II विनांक 1-6-1983 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतव्हारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में किन्छ लेखा अधिकारी श्री एम० पी० माधुर को 1-9-1983 से 30-11-1983 तक तीन भास की अप्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों सक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

विजय मल्ला अनुभाग अधिकारी कृतेसचिव संघ लोकसेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अक्तूबर, 1983

सं० ए० 32014/2/83-प्रणा०-1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित वैयक्तिक सहायक को राष्ट्रपति हारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में विरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० २०० से० के ग्रेड 'ख') के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है

क्रमसं० नाम	अवधि	अभ्यु क्ति
1. श्रीसुन्दरलाल	71083 से मे 6184 तक	निजी सचिव के पद पद पर पदोन्नत श्री आई०ए न० शर्मा के स्थान पर
2. श्री आर० ती० डंग	15-10-83 से 14-1-84 तक	निजी सचित्र के पद पर पदोश्रत श्री तरसेम सिंह के स्थान पर

2. उपर्युक्त ध्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के॰ स॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें के॰ स॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

3. सर्वेश्री सुन्दर लाख और आर० पी० डंग की नियुक्ति कार्मिक और प्रसानिक सुधार विभाग के अनुमोदन के अध्यधीन है ।

दिनाक 22 अक्तूबर 1983

सं० पो० 208-प्रणा०-III -- दिल्ली विश्वत प्रवाय संस्थान, नई दिल्ली में सहायक प्रशासिनक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति से उनके प्रत्यावर्षन हो जाने के गरिणमस्बरूप श्री कश्मीरी लाल-I ने 1 प्रक्तूबर, 1983 पूर्वीहन से संध लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० से० से० के प्रनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

दिनांक 25 अक्तूबर 1983

सं० ए० 32013/1/83/प्रणा०—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ष में के० म० ने० के स्थाई ग्रेड I अधिकारी श्री बी० एस० जैन को राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर 9-6-1983 से 25-7-1983 तक तदर्थ ग्राधार पर और 26-7-83 से आगामी आदेशों तक नियमित रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

एम० पी० जैन अवर सम्बिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा भायोग

गृहमन्त्रालय

का० एवं प्र० म० विभाग केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1983

सं० एम० 72/66-प्रणा०-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से दिल्ली पुलिस से प्रतिनियुक्ति श्री एम० एस० सचदेव पुलिस सहायक ग्राप् कत (संघ णासित क्षेत्र संवर्ग) को दिनौंक 4 अक्तूबर, 1983 से स्थाई समाहृति पर मूल रूप से पुलिस, अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-190'21/5/79-प्रशा-5 खण्ड-I राष्ट्रपति अपने प्रसाद से सीमा सुरक्षाबल से प्रतिनियुक्त, श्री द्वारका नाथ बता उप-समादेष्टा (सी० सु० बल) को दिनांक 4 अक्तूबर, 1983 से स्थाई समाहृति पर मूल रूप से पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते है।

सं० ए०-19035/2/83-प्रशाहन-5-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो और पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, श्री मोहन लाल, अपराध सहायक को दिनांक 17 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्न से, श्री एस० राममूर्ति कार्यालय अधीक्षक, जो अवकाश पर हैं, के स्थान पर तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय के जोन III में कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

विमांक 5 नवम्बर 1983

सं० ए०-31016/2/83-प्र०-I (वि० प्रो० स०)केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं अपील),
नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री जगत सिष्ट स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक को 6 सितम्बर, 1981 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से कार्यालय, अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> आर० एस० नागपाल, प्रणासनिक अधिकारी० (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण स्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई विल्ली-110003, विनांक 31 अक्तूबर, 1983

सं०-पी० मात-1/82-स्थापना-भाग-4--राष्ट्रपति, के० रि० पु० बल के निम्नलिखित निरीक्षकों की पुलिस उप-अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थाई रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. इन कर्मचारियों ने उनके नाम के आगे लिखे यूनिट में दर्शायी गई तारीख से अपना कार्यभार संभाल लिया है :--

 ऋ म सं	০ अधि	कारी का नाम		 	जिस यूनिट में पवस्थ किए ग	ए कार्यभार संभालने की तारीख
1		2		·	3	4
	सर्वेश्री			 		<u> </u>
1 अव	ातार सिंघ			•	62 बट्टा० (वाहिनी)	17-7-83
2 ਼ ਰਾ	कुरदास		•		जी० सी० (नीमच)	02-8-83 (वपराह्य)

1	2					3	4	
सर्वश्री—								
3 सतपाल सिंघ				•		19 वाहिनी	14-8-83	.
4 रेशम सिंध .						9 बाहिनी	26-7-83	(अपराह्न
5 ई० राजारत्नम						42 वाहिनी	16-7-83	(अपरा ह्न
6 हरी चन्द .		•				3 सीगनल वाहिनी	03-8-83	(61
7. राम बहादुर सिह		•			,	2 4वाहि मी	14-8-83	
8. वी० के० शुक्ला						7/3 बेतार वाहिनी	22-7-83	(अपराह्न
9. जगरूप सिंह			•	•		1 बेतार वाहिनी	02-8-83	(
10. प्यारासिंह.						2 वाहिनी	05-8-83	
11. करम सिंह					_	3 बेतार वाहिनी	29-7-83	
12. राम सहाय सिंह	·	•				6 वाहिनी	24-7-83	
13. रोनाल्ड बोब		•		•	•	34 वाहिनी	6-8-83	
14. उग्रसेन यादव	•	•		•	•	5 1q	0 0 05	
15 परस नाथ सिंह						on ≥rb-0		
15. परस नाथ सिंह 16. श्री कर्ण सिंह	•	•	•	•	•	63 वाहिनी	22-7-83	ļ
•	•	•	•	•	•	5 वाहिनी	1-8-83	
17. महीपाल सिंह	•	•	•	•	•	38 वाहिनी	30-7-83	(अपराह्म)
18. बी० एस० रायत					١			
19. चन्दर सिंह .	•	•	•	•	•	40 बाहिनी	20-7-83	
20. बेरन सिंह .	,	•	•	•	•	24 वाहिनी	20-7-83	
21. वी० बी० सिंह	•	•	•	•	•	76 वाहिनी	11-7-83	
22. पदम सिंह .	•	•	•	•	٠	31 वाहिनी	05-8-83	
23. सुरेन्द्र सिंह	•	•	•		•	41 वाहिनी	4-8-83	
24. वेद राज शर्मा	•	•		•	-	74 वाहिनी	23-7-83	
25. डी० आर० चौधरी	•	•	٠,	•	•	(जी० सी० (गोहाटी)		
						(एम०डब्ल्यू०एस०सिल्चर)	24-8-83	
26. ध्यान सिंह	•	•	•		,	72 वाहि नी	19-7-83	
27. ए० के० कलसे		•		,		64 वाहिनी	26-7-83	
28. बिसन सिंह .	•		•			30 वाहिनी	17-7-83	
29. गोविन्द प्रसाद कुकरेते	1	٠				12 वाहिनी	31-7-83	
30. श्री गुरदास राम						2 वाहिनी	18-7-83	
31. प्रभुदयाल						54 वाहिनी	23-7-83	(अपराह्न)
32. श्री एम० डी० मुसतप	17					4 वाहिनी	8-8-83	, (1)
33. गुलाब सिंह	4		•			37 वाहिनी	29-7-83	
34. जी० रवी प्रसाद						58 वाहिनी	8-8-83	
35. रूप सिंह सेखावत		,				76 वाहिनी	24-9-83	
36. बी०एम०अजीज						जी० सी० (दीमापूर)	25-7-83	
37. शेर सिंह						50 वाहिनी	13-7-83	(अपराह्न)
38. हर <i>च</i> ील	•	•	•	•	•	21 वाहिनी	1-8-83	(214719)
39. भूपीन्दर सिंह यादव	•	•	•	•	•	54 वाहिनी	21-7-83	
40. बीना नाथ सिंह	•	'	•	•	ž.	62 वाहिनी		
40. याना गायासह 41. जी० के० साले	•	•	•	•	•	४४ पाहरा 25 वाहिनी	19-7-83	
41. जार्क्षरसाल 42. फौजा सिंह	•	•,	•	•	•	४३ वाहिनी ४३ वाहिनी	25-7-83	
12. फाजा सिह 13. ए ० बी० धोबल	•	•	•	•	•	•	30-7-83	
•	•	• .	•	٠,	•	65 वाहिनी	27-7-83	
44. नरेन्द्र सिंह ठाकुर	•	•	•	•	•	11 बाहिनी	31-7-83	
45. करनेल सिंह चीमा	•	•		•		29 बाहिनी	30-7-83	

1 2						3	4	
सर्वश्री								
46. रमेश चन्द्र				•		50 वाहिमी	20-7-83	
47. रामचन्द्र राय	•	1				72 वाहिनी	23-7-83	
48. रयोताज सिंह	*		•	•		27 वाहिनी	25-7-83	
49. पोजी राम .		•		•		54 वाहिनी	6-8-83	(अपराह्न)
50. विजय कुमार याद	व		•	•		74 वाहिनी	20-7-83	(अपराह्म)
51. राम पाल सिंह या	दवं.		•	•	i	40 बाहिनी	23-7-83	, ,,,
्ठ?, श्रोम प्रकाश यो <mark>द</mark> व	г.	4	•	•		42 बाहिनी	30-7-83	
<i>\$</i> 3. जोगीन्दर सिंह		4		•		67 वाहिमी	18-7-83	
54. गुरदीप सिंह	•	•				4 बाहिनी	25-7-83	
55. ललीत मोहन ख न्न	Τ.	•	• .		•	54 वाहिनी	26-7-83	
56. एस० एस० बल			•	•	•	28 गहिनी	30-7-83	
57. निर्मल सिंह		•	•	•		3 8 वाहि नी	30-7-83	
58. रघुबीर सिंह		•	•	•		38 वाहिनी	26-7-83	
59. ईस्वर सिंह .	•	•	•	•		14 वाहिनी	25-7-83	
60 सोरीपाल सिंह						3 बेतार वाहिनी	25-7-83	

दिनांक 1 नवम्बर, 1983

सं०--ओ० दो० 1303/76--स्थापना--राष्ट्रपति, श्री मह्ल सिंह राणा की के० रि० पु० बल में पुलिस 34-अधीक्षक के पद पर सहर्ष पुनर्तियुक्त करते हैं। 2. श्री राणा ने उनके पुनित्युक्ति पर पुलिस उप-अधीक्षक पद का कार्यभार 62 वाहिनी में दिनांक 06-10-1983 (अपराह्स) को संभाल लिया है ।

दिनांक 2 तबम्बर, 1983

मं० पी० सात-2/83-स्था०—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित सहायक कमान्डेंटों को कमांडेन्ट के पव पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. इन अधिकारियों ने उनके नाम के आगे लिखे यूनिट में वर्णायी गई तारीख से अपना कार्यभार संभाला :---

ऋ० सं०	अधिकारी का न	ग्म					जिस यूनिट मे पदस्थ किये गये	कार्यभार संभाल	ने की तारी ख
1	2						3	4	
सर्वर्श्व	 t- 								
1 जे०	एस० धिल्लन	•					ए०डी० सै० 2	19-8-83	(अपराह्म)
2. जे०	एन० माथुर	•					ए ० इति० आई ० ए स ० ए०	16-8-83	
	्रएस० यादव		•				34 वाहिनी	17-8-83	
4. एन	० के० अवस्थी		•		•		ए० डी० महानिदेशालय	10-10-83	
5. एम	० एम० शर्मा		•	•			ए० डॉ०िसै० ३	9-8-83	
	पी० दुवे			•			ए० डी० महामिदेशालय	8-8-83	
7. पी) के० भट्टा पा र्या		•				ए० डी० महानिदेशालय	22-8-83	
	र० एस० डी० डोग	रा					48 बाहिनी	24-8-83	
9. डी	० ए० धन्तजैयहा		•		•		ए० डी० सै०-1	22-8-83	
10. बी	० बी० डी० रावल			•	•	•	20 वाहिनी	30-8-83	(अपरा ह् ह)
11. जी	० एस० यादन			•	•	•	7 वाहिनी	8-8-83	, ,,,,
12. आ	र० के० यादव			•	•		4.4 वाहिनी	11-8-83	
13. एम	० पी० जखमोला		•	•	•	•	ए ० डी० महानिदे शालय	17-8-83	
14. पी	० वी० जगन्नाथन						ए० डी० सै०- 4	9-8-83	
15. जी	० एल० शर्मा				•		2 वाहिनी	5-10-83	(अपराह्न)

ए० के० सूरी सहायक निवेशक (स्थापना)

भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय नई दिस्सी, दिनांक 1 नवस्थर 1983

सं० 10/31/81—प्रणा०—I—इस कार्यालय की तारीख 10 फरवरी, 1982 की समसख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, राजस्थान, अयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय के विरुठ भूगोलवेला श्री एम० एल० कुमावत की नई दिल्ली में भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (ब्राइग) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अविध को तारीख 1 फरवरी, 83 से 31 जनवरी, 84 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, सहर्य बढ़ाते हैं।

2 उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/11/82-प्रमा०-I—राष्ट्रपति, जम्मू और कम्मीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशालय के अन्वेषक, श्री बी० एल० टीक्कू को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 29 सितम्बर, 1983 के अपराह्म से एक वर्ष से अनिधक अविधि के लिए या जब तक पद नियमति आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्थ नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय जयपुर मे होगा ।

दिनांक 5 नवम्बर 1983

सं 11/77/79-प्रणा०--[--राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासनिक सेवा के मध्य प्रदेश काडर के अधिकरी तथा मध्य प्रदेश भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री के बी दुबे की मेवाएं तारीख 30 जुलाई, 1983 के अपराह्म से मध्य प्रदेश सरकार को प्रत्यावतित करते हैं।

31 जुनाई, 1983 (रिवबार) के छुट्टी के पहले और 31 अगस्त, 1983 (राजपित्रत छुट्टी) को छुट्टी के बाद जोड़ने की अनुमित के साथ नारीख 1 अगस्त, 1983 से 30 अगस्त, 1983 तक की 30 दिन की अर्जित छुट्टी की समाप्ति के उपरान्त उनकी सेवाएं मध्य प्रदेश सरकार की सुपुद की जाती है।

विजय पाल पाण्डे भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर, 1983

सं० 8 वि० आ० 2(35)/ए०/82—वित्त मन्द्रालय, व्यय विभाग में केम्द्रीय सिवनालय आधृलिपिक सेवा के ग्रेड "ग" आधु-लिपिक (प्रवरण ग्रेड) श्री आर० डी० बजाज को, जो हाल में आठवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति पर है, विस आयोग में 31 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्म से 29 फरवरी, 1984 तक 6501040 रुपए के वेतनमान में आशुलिपिक ग्रेड "ख" नियुक्त किया जाता है।

> तरलोक चन्द नन्दा प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

वेवाम, दिनांक 29 अक्तूबर 1983

फा० ऋ० बी० एन० पी०/सी०/5/83—इस कार्यालय की अधिसूचना ऋ० बी० एन० पी०/सी०/5/82 दिनांक 20-10-82 के अनुक्रम में श्री एस० सी० गुप्ता, लेखा अधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति की अविधि दिनांक 13-10-1984 तक उन्हीं ग्रीती पर बढ़ाई जाती है।

मु० वै० चार महाप्रबन्धक

कागज प्रतिभृति कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 28 अन्तूबर 1983

स० पो० डी॰ 3/7716 -- इस कार्यालय की अधिसूचना कमांक पी० डी॰ 3/11854, दिनांक 12-2-1983 के तारतम्य में श्री एस० के॰ आनन्द रु० 840-40-1000 -- द० अ०-40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबन्धक के रूप में तक्ष्यें नियुक्ति को 20-2-1983 तक बढ़ाया जाता है।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 नवम्बर 1983

मं प्रणा 1/का आ । संख्या 347—श्रीमान निदेशक लेखा परोक्षा, केन्द्रीय राजस्य इस कार्यालय के श्री सत्यपाल अस्थिर स्थाई अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्म लेखापरीक्षा अधिकारी के वेतनकाम 840-1200 हुं में 29-10-83 (अपराह्म) से अगले आदेश जाने तक नियुक्त करते हैं।

अ० सि० मोहिन्द्रा संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश हैक्सबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1983

सं० प्रकार 8-6-132/83-84/637--श्री के० एस० चंदर राव, लेखाअधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश दिनांक 31-10-83 अपराञ्च से सरकारी सेवाओ में निवृत्त हुए।

> रमा मुरिल वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1983

स० प्रणा० I/8-132/83-84/636 - महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के तिम्त-लिखित सदस्यों की महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा-वेतनमान र० 840-40-1000 ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे बताई गई तारीख से जब तक आगे आदेश न विए जाए नियुक्त किये जाते हैं:—

नाम	भारग्रहण तारीख
 श्री टी० सुन्दरराजन श्री एस० जयरामन 	31-10-83 प्० 31-10-83 प्०
3. श्री एम० श्रीरामुलु-II	31-10-83 qo
4. श्रीसी० गणि गेखर	31-10-83 Ao

यह पदोन्नित उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय में अनिर्णीत याचिकाओं के अधीन है ।

> (ह०) श्रपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा छेखा महानियंत्रक

नई विल्ली-110066, विनाक 31 अक्तूबर 1983

सं० प्रणा० 1/1173/1/11—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के निम्नलिखित अधिकारियों को उन्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (वेतनमान ६० 2000-125/2-2250) में, स्थानाधन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई नारीखों सं, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं .--

क्र० सं० नाम	
710 H 0 H 1 H	ાલના લ
1. श्री सुरेन्द्र सिह	06-08-82
2. श्री एस० एन० चट्टोपाध्याय	11-01-82
3. श्री अमिय कुमार घोषे	28-03-83
4. श्री हंस राज	25-07-83
5. श्री बी० एस० भालेराव	26-07-83

सं० प्रशा० 1/1954/1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा की एक परिवीक्षाधीन अधिकारी श्रीमती सबीना (वेल्सन) पिल्लै का दिनांक 1 जून, 1983 को दिया त्याग-पत्न सहर्ष स्वीकार करते हैं।

सं. प्रशा. 1/1173/1/11—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के किनष्ठ प्रशासनिक ग्रेष्ठ के निम्निलिस्ति अधिकारी (जो अपने नाम के समक्ष लिखी गर्इ प्रतिनियुक्ति पर हैं) को उक्त सेवा के किनष्ठ प्रशासनिक ग्रेष्ठ के प्रवरण ग्रेष्ठ (वेतनमान रु. 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शाई गर्इ तारीख सी, आगाभी आवेश पर्यन्त, अनुक्रम नियम के अधीन सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

श्री वी. राधाकृष्णन्, 25-07-83—मृख्य प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी, मन्नास परमाणु शक्ति परियोजना, काल्पाक्कम (परमाण् उर्जाविभाग)

> वी. एस. जफा रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय आडंनेंस फैक्टरी बोर्ड

्डी० जी० भ्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्तूबर, 1983

सं० 16/83/ए/ई०-1 (एन० जी०)---महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां, निम्नलिखित व्यक्तियों की वर्तमान रिक्तियों में, वरिठता पर बिना प्रभावी, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई पद तथा तारीख से प्रोन्नत करते हैं:---

ऋ० सं०	नाम	पद	दिनांक
1	2	3	4
सर्वश्री 1. श्री एन	सी० सेन , ए० एस० म्रो० (तवर्थ)	स्थानापन्न सहायक—–स्टाफ अफसर	दिनांक 12-10-83 से आगामी आदेश होने तक
2. श्री जे०	एल० भटनागर , ए० एस० स्रो० (तदर्थ)	— य ही-—	व ही
3. बी० पी०	साहा , ए० एस० ग्रो० (तदर्थ)	वहो	—वही—

1	2	3	4
	मर्वश्री		
4.	बी० कुजुर ए० एस० मो० (तदर्थ)	स्थानापन्म सहायक स्टाफ अफसर	दिनांक 12-10-83 से
			आगामी आदेश होने तक
5.	आर० एल० चौधुरी, ए० एस० म्रो० (तदर्थ)	— वहाँ —	—- य ही
6.	एम० जी० कुण्डु, ए० एस० भ्रो० (तदर्थ)	— वही	वही
7.	ए० के० दास, ए० एस० ग्रो० (तदर्थ)	वही	वही -
	पी० एल० घोष, ए० एस० ग्री० (तदर्थ)	 वही- -	
9.	पी० सी० सेनगुप्ता; ए० एस० घ्री० (तदर्थ)	व ही	बही
10	डी डी०भट्टाचार्या, ए०एस० ग्रो० (तदर्थ)	~ ~वही ~ ~	वही
11.	ए० के० सिह्ना, ए० एस० ग्रो० (तदर्य)	व ही	 -वही
12.	ए० के० भट्टाचार्या, स्थानापन्त सहायक	सहायक स्टाफ अफसर (तदर्थ)	वही -
13.	सी० आर० भट्टाचार्या, स्थानापन्न सहायक	—वही— <u> </u>	व ही
14.	रेनुंका मिश्र, स्थानापन्न संहायक	 -वही	वही
15.	जें॰ चौधुरी, स्थानापन्न सहायक	व ही	वही

- 2. उपरोक्त प्रोन्नित माननीय कलकत्ता उच्चअदालत में वाखिल की गयी अपील के परिणाम का पालन किया जायेगा।
- 3. उपरोक्त सब एक के कमांक 1 से 11 तक के अधिकारी प्रोन्नित की तारीख से दो वर्षों तक परखावधि पर रहेंगे।
- 4. उपरोक्त सम्न एक के कंमांक 12 से 15 तक के अधिकारी, सहायक स्टाफ अफसर के पव पर विनांक 12-10-83 से उच्च कार्यभार ग्रहण किये।

डी० आर० अथ्यर, डी० टी० जी० घो० एफ०/व्यैक्तिक इन्ते महानिदेशक, आईनेंस फैक्टरियां

भारतीय श्रार्डनैन्स फैक्टरियों सेवा कलकत्ता, दिनांक 25 अक्तूबर 1983

सं० 44/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को स्थानापन्न एडीशनल डी० जी० मो० एफ० के पद पर, उनके सामने वर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—

 श्री जें० सी० मारवाहा, जी० एम० (एस० ए० जी० स्तर 1 में) --- 8 अगस्त, 1983

सं० 45/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को स्थानापन्न संयुक्त महाप्रवन्धक/निदेशक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

- श्री ई० एस० कृष्णामूर्ति, डी० जी० एम० 08-सितम्बर, 1983
- 2. श्री जी ॰ गोपकुमार, संयुक्त निवेशक वही-
- श्री घी० एम० नागराजन डी० जी० एम० यही—

सं 046/जी 0/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

 सं० 47/जी०/83---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों की स्थानापन्न डब्ल्यू० एम०/उप-निदेशक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:---

- श्री यू० के० मिश्रा, ए० डब्स्यू० एम० (पी०)
 यू० के० मिश्रा, ए० डब्स्यू० एम० (पी०)
- 2. श्री एस० के० रथ, ए० डब्ल्यू० एम० (पी०) ---30 जुलाई, 1983
- 3. श्री आर॰ बी॰ माथुर, ए० डब्ल्यू॰ एम॰ 10 जून, 1983

सं० 48/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को स्थानापन्न ए० डब्ल्यू० एम०/सहायक निदेशक के पद पर, जनके सामने दर्शायी गई तारीख मे नियुक्त करते हैं :---

- श्री ए० एल० डोराईराज, स्थायी फोरमैन
- 10 जून 83
- श्री भ्रो० आर० लान्डर्स,
 ए० डब्स्यू० एम० (तवर्ष)
- 23 मई, 1983

3. श्री प्यारा सिग पाव न, ए० डब्स्यू ० एम० (त वर्श)	23 मई, 1983
4. श्री बी० एन० सिंहा, — वही	23 मई, 1983
 श्री सी०्के० बनर्जी, —वही—- 	23 मई, 1983
 श्री एच० सी० मिश्रा, —वही— 	23 मई, 1983
7. श्री ए० के० म जु मवार — वही—	23 मई, 1983
 श्री वयाल सिंह फट्टर, स्थायी फोरमैन 	23 मई, 1983
 श्री गान्ति स्वरूप, 	
ए० डब्ल्य० एम० (तवर्ष)	23 मई, 1983
10. श्री एच० एम० पाल, फौरमेन	24 अगस्त, 1983
11. श्री ए० कृष्ण।मर्ति, फौरमेन 0	5 सिसम्बर, 1983
12. श्री वी० राभवन, फौरमेन — 0	5 सितम्बर, 1983

बी० के० मेहता, निदेशक

बाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 अश्लूबर 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1431/83-प्रमा० (राज०)/7725-राष्ट्रपति, श्री भो० पी० महरोत्रा, भारतीय प्रमासनिक सेवा (एम० एच०: 69) को 15 सितम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से आगे आदेश होने तक संगुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात बम्बई के रूप नियुक्त करते हैं।

> प्रकाश चन्द जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(बस्त्र विभाग)

हयकरथा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्तूबर 1983

सं० ए०-33023/3/78-प्रशासन II(क)--राष्ट्रपति, ह्मकरणा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र में सहायक निवेशक ग्रेड I (डिजायन) के पव पर कार्यरत भी प्रकीर दास गुप्त का त्यागपत 31 जुलाई, 1982 के अपराह्म से स्वीकार करते हैं।

एम० पी० पिन्टो, अपर विकास आयुक्त (हवकरका)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्तूबर 1983

सं॰ प्र॰-1/1(1209)—राष्ट्रपति, इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1981 के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित उम्मीदवारों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-3 में दो वर्ष के लिए परिवीकाधीन नियुक्त करते हैं:—

- श्री स्वप्न मोयक्रा --- 1-8-83 (पूर्वास्त्र)
- (2) श्री सी० पी० निमेजे 27-8-83 (पूर्वाह्न)
- (3) श्री हरीश कुमार शर्मा 1-9-83 (पूर्वाह्न)
- (4) श्री राजेन्द्र कुमार -- 3-10-83 (पूर्वाह्म)
- 2. उपर्युक्त अधिकारियों ने पूर्ति तथा निपटान महानिवेशा-लय, नई विल्ली में उनके नामों के सामने दी गई तारीख से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (प्रशिक्षणार्थी) के पद का कार्य सम्भाल लिया है ।

दिनांक 29 अक्तूबर 1983

सं० ए० 1/1(526)—राष्ट्रपति, स्थायी कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी (प्रगति) तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) श्री सी० बी० एल० भटनागर द्वारा ऐन्छिक सेवा-निवृत्ति के लिए 4-10-83 को दिए गए नोटिस को सी० सी० एस० (पैन्शन) नियमाबली 1972 के नियम 48 के अधीन स्वीकार करते हैं तथा दिनांक 31-10-1983 के अपराह्म से उन्हें सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

दिनांक 31 अक्तूबर 1983

सं० प्र०-1/1(671)—राष्ट्रपति, स्थायी भंडार परीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री पी० एस० सिन्धु द्वारा स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति के लिए दिये गये दिनांक 5-10-83 के नोटिस को मूल नियम 56 (के) के अधीन स्वीकार करते हैं और उन्हें दिनांक 31-10-83 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

एस० बालासुकामणियन, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात भीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 अक्तूबर 1983

सं० 8862 बी०/ए०-19012(मो० एस०)/81-19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक श्री डी० राय चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सर्वेक्षण), भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण को अधिकारी सर्वेक्षक के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40

1200 रु० के वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमला में, आगामी आदेश होने तक, 19-9-83 के पूर्वाह्न से पद्योन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

> अमित कुशारी . निदेशकं (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरी

नागपूर, विनोक 31 अक्तूबर 1983

सं० ए०-19012(179)/83-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर श्री कें डी० आहूजा, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को विनांक 16 अगस्स, 1983 के पूर्वीह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर पदोन्नित प्रदान की गई है।

व० च० मिश्र, कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो कृते महानियंत्रक

नागपुर, दिनांक 31 अक्तूबर 1983

सं० ए०-19011 (336)/83-स्था० ए०--राष्ट्रपति, मंघ लोह सेवा आयोग की सिफारिण पर श्री एस० एम० दांडेकर, सहायक खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो को कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से दिनाक 10 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> आभाराम कश्यव, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी भारतीय खान अवूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरीदूर्ने, दिनांक 8 नवस्वर 1983

सं० स्था० 1-6012/698-मैप क्युरेटर-श्री पी० के० भट्टाचार्जी, कार्यालय अधिकक (वरिष्ट वेतनमान), स० प्र० एवं० मा० उ० के दिनीक 13 अक्सूबर, 1983 पूर्वाह्म से अगले आवेशों तक श्री ए० बो० नाग, जिनकी पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कंलकत्ता में स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पव पर पदोन्नति की गई है, के स्थान पर 550-25-750-व० रो०-30-900 ४० के वेतनमान में पूर्वी सर्वेक्षल भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति पर स्थानास्तरण होने पर मैप क्युरिटर (सा० सी० से० ग्रुप "बी") के पव पर स्थानात्रमण रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

सं० स्था० 1-6013/698-मैपक्युरेटर-श्री ए० बी० नाग, अधीक्षत्र, महासर्वेक्षक कार्यालय, विनाक 23 सितम्बर, 1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक श्री ए० बी० सरकार, जिनकी पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय मर्वेक्षण विभाग कार्यालय में स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्ति की गई है, के स्थान पर 550-25-750-द० रो०-30-900 ६० के वेतनमान में पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरण होने पर मैप क्युरेटर (सा० सि० से० ''ग्रुप बो०") के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

गिरीश चन्द्र अग्रवाल, मिंगर जनरल भारत के महासर्वधन नियुक्ति अधिकारी

पन्न सूचना कार्यालय

नई दिल्लो, दिनांक 1 नवम्बर 1983

सं० ए०-12034/20/83—स्थापना—प्रधान सूचना अधिकारी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक, श्री सी० आर० लेखड़ा को राष्ट्रमंडलीय देशों के प्रधान सम्मेलन—1983 के प्रचार से सम्बन्धित कार्य के लिए ६० 650—30—740—35—810—दं रो०—35—880—40—1000-दं रो०—1200 ६० के वेतनमान में पत्र सूचना कार्यालय, नई विस्ली में प्रभासनिक अधिकारी के पद पर दिनांक 1 अक्तूबर, 1983 से 31 विसम्बर 1983 तक के लिए तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-12034/20/83-स्थापना---प्रधान सूचना अधिकारी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग में तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री एचं० सी० गुलाम की राष्ट्र मंडलीय देशों के प्रधान सम्मेलन-1983 के प्रचार से संबंधित कार्य के लिए पत्न सूचना कार्यालय, नई दिल्लो में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 6 अक्तूबर, 1983 से 31 दिसम्बर, 1983 सक के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ति० सु० सुन्दरेश्वरन, सहायक प्रधान सूचना अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशांलय न**र्दे वि**ल्ली; दिमांक 31 **अंक्तू**बर 1983

सं० ए०-12023/5/79-कि० स० स्वां० यो०-1-हंकीम-मोहम्मद इत्यास खां, यूनानी चिकित्सक का केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदरा-बाद की तबावला हो जाने पर उन्होंने 30 सितम्बर, 1983 (अपराह्म) को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन यूनानी चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 10 अक्तूबर, 1983 (अपराह्म) से केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना, हैवराबाद के अधीम यूनानी विकास्सक के पव का कार्यभार संभाल लिया है।

> टी० एस० राव, उप निदेशक प्रशासन

उत्तरी क्षेत्र कृषि यान्त्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार (हरिकामा), विनांक 15 अन्तुकर, 1983

सं० 2-2/83 व्या० मि०--केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड, फरीदाबाद के नियमिष्ठ अधीक्षक श्री बी०पी० वर्मा को उसरी क्षेत्र कृषि यान्त्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार (हरियाणा) मे 15 अक्तूबर, 1983 (पूर्वाह्म) से अवले अधिश तक प्रतिनियुक्त रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

वि० **अ० पास्टिल**, निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग भारो पासी परियोजनाएं

बम्ब ξ -400 008, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

सं० 05012/आर० 4/284—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, श्री एस० रामन, सहायक लेखा, अधिकारी भारी पानी संयत्न (तूतीकोरिन) को उसी कार्यालय में श्री के० के० गोपालकृष्णन, वेतन तथा लेखा अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं के स्थान पर पूर्वाह्म 9 मई, 1983 से जून, 18, 1983 (अपराह्न) सक के लिए तदर्थ आधार पर अस्थानी रूप में स्थानापन वेसन तथा लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० मृतुस्यामी, प्रणासन अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय भारत भौसम विज्ञान विभाग नई दिस्सी, दिनाक 1 नवम्बर, 1983

सं० ए०-38019/11/83-स्था०-I--श्री ए० थिरुबेन-गदथन, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई, भारत मौसम विज्ञान विभाग, सेवानिवृत्ति की आयु को प्राप्त कर विनांक 31-7-1983 से सरकारी क्षेत्रा से निवृत्त हुए।

दिनांक 2 नवम्बर, 1983

सं० ए०-38019/11/83—स्था० (1)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्निलिखित अधिकारी, अपने नामों के सामने

दी गई तारी**ख को वार्ध**क्य आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

*कं० नाम	पदनाम	दिनांक जि	सको
सं०		अधिकारो	से
		निवर्तन आयु	भाष्त
		की	
			
1. श्री एच० आर०			
गनेशन	सह।यक मौसम	31-5-19	83
	विकाती		
2. श्री एस० वेंकटारमन	खही ⁻	31-5-19	83
3. श्री मिजी नवाव	वही	31-5-19	83
4. श्री के० एन० मजुमदार	वही	31-5-19	83
5. श्री आर० एस० शर्मा	वह <u>ी</u>	31-7-18	9 3
6. श्रीएम०पी० सिंह	वही	31-7-19	83
 श्री पी० ई० चेरियन 	वही	31-8-19	83
8. श्रीसी० के० मनी	वही	31-8-19	83
9. श्री आर० डी० लाम्बा	वही	31-8-19	83

सं० ए०~38019/11/83~स्था०~ा—श्री एस० डी० विलियमस, मौसम विज्ञानी श्रेणी—1, प्रादेणिक मौसम केन्द्र, मद्रास, भारत मौसम विज्ञान विभाग, सेवानिवृक्षि की आयु प्राप्त कर दिमांक 31~7~1983 को सरकारी सेवा में निवृत्त हुए।

> के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानी (स्थापना) इते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं सहाविद्यालय वेहराबून, विनांक 3 नवम्बर, 1983

कः 16/176/69-स्थापना-I-अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० आर० एम० बेरी, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, को दिनांक 31 अक्तूबर, 1983 की अपराह्न से सेवा निवृत्ति की की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत होने की सहर्ष अनुमति देते हैं।

जी० एस० ग्रोवर, उप कुल सम्बन वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुरुक समाहतीलय पटना, दिनांक 30 अक्टूबर 1983

सं० II (7) 2-स्था०/82/10272-इस समाहर्तालय के निम्नलिखित स्थायी अधीक्षकों, समूह 'ख' अपने नाम के सामने दिखाए गए तिथि और समय को सेवा की आयु पूरी कर सेवा निवृत्त हुए:—

क्रमांक पदाधिकारी का नाम पदनाम सेवा निवृत्ति की तिबि सर्वेश्री

- 1. सी० डी० एन० गुप्तेश अधीक्षक, 30~6-83 (अपराह्म) समूह 'ख'
- 2. महेश्बर प्रसाद, नं o 2 -- वही- 30-6-83 (अपराह्म)
- अनवार अहमद बही 30-6-83 (अपराह्म)
- राम अधार सिंह —वही— 31-7-83 (अपराह्म)
- 5. सी॰ पी॰ मिश्रा --वही-- 30-9-83 (जपराह्म)

विश्वास,
उप समाहर्त्ता (काश एवंश स्थार)
वास्ते समाहर्त्ता, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क, पटना

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक अक्तूबर 1983

सं० ए०-19012/947/81-स्था०-पांच-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री ध्रुप नाथ सिंह, पर्यवेशक को अतिरिक्त बें सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-य० रो०-35-880-40-1000-य० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्य आधार पर एक वर्ष की अवधि अथवा पद को नियमित आधार पर भरने तक, जो भी पहले हो, 10-9-1981 की पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

एस० महादेव अस्पर, अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिवेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई विस्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1983

 विभाग मण्डल 27, (विल्ली प्रशासन), नई विल्ली वार्धेक्य आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके दिनांक 31-8-83 (धोपहर बाद) से इस विभाग में सरकारी सेवा से निवृत हुए।

नीना गर्ग, प्रशासन उपनिवेशक इते निर्माण महानिदेशक

विजि, त्याव और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भिषिला उस्नेन मिल्स लिमिटेड के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 2 नवस्वर 1983

सं० /1206/4738—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अमुसार एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के जबसान पर मिथिला ऊलेन मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से नाम काट विया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिहार इलेक्ट्रीकल्स एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड के विषय में

पटना~800001, विनांक 3 नवम्बर 1983

सं० (1011)/560/4772—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसार में एसद्द्वारा सूचना। वी जाती है कि विहार इलैक्ट्रीकल्स एण्ड इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिहार चित्रलीक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में पटना-800001, दिनांक 3 नवम्बर 1983

सं० (990)/560/4773—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतव्हारा सूचना वी जाती है कि बिहार चिन्नलोक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विचटित हो गई है।

> ए० वहाम अन्सारी कम्पनी रिजस्ट्रार, बिहार, पटना

एनिकुलम, दिनांक 24 अक्तूबर 1983

सं ० लिक्ब / 560 (4) / 1608 / 2587 1/83 — यतः पटाभि सौ मिस्स लिमिटेड (लिक्बिडेशन में) जिसका रिजस्ट्री-कृत कार्यालय पटाभि है का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्साक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रहता है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है और यह कि स्टेट-मेंट्स आफ एकांउन्टस समापक द्वारा विया जाने के लिए अपेक्षित है छः कमवसी तीन मास के लिए नहीं दी गई है। अतः जब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) उपधारा के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इसी धारीख में तीन मास के अवसान पर पटाभि सॉ मिल्स लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतु के दिशात नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार् केरल प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ब्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1983

निदेश सं० लुधि०/18/83-84—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो 1/2 हिस्सा मकान नं० 150-आर. माडल टाउन, लिधयाना में स्थित है (और

मकान नं ∘ 150 - आर, माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्रेजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे क्रितिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः——

(1) श्री गुरबचन लाल सुपुत श्री प्यारा लाल, निवासी 150-आर, माडल टाउन, लुधियाना। अब 5/448, हीरान मरान मोहल्ला, मात्ता वाली गली, सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार, संजीव कुमार सुपुत श्री राजेन्द्र पाल, निवासी 46-बी, शास्त्री नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) श्री हरभजन सिंह संधू, निवासी 150-आर, माडल टाउन, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 150-आर, माडल टाउन, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकंती अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 1908, मई, 83में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15→10-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

वांयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के विधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश सं० चण्डी ०/226/82-83-अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं की अधीन संक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो मकान नं ० 3213, सैंक्टर 19—डी, चण्डीगढ में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983

को प्रशंकत सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की नह है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विंध के लिए;

नतः नच, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन,, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थीत्:— (1) श्री कृष्ण लाल पुरी सुपुत श्री भूजा राम मार्फत श्रीमती बिमला रानी पत्नी श्री कृष्ण लाल पुरी, निवासी एन०ई०-213, अड्डा होशियारपुर, जालन्धर शहर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पलविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कबुल सिंह, निवासी मकान न० 3213, सैक्टर 19—डी, चण्डीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाकी ए--

- (क) इस सूचना को राज्यका में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की जनींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अनींध, जो भी अनींध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिलबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवों का, जो उन्हों अधिनियम के अध्याय 20-क में परिक्रावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में विका गणा है।

अनुसूची

मकान नं० 3213, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़ में स्थितहै (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1530, फरवरी, 83 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख . 14-10-1983

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1983

निदेश सं० चण्डी०/234/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी संख्या . है तथा जो मकान नं 587/18-की, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम, के रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित कों वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक से हुई जिल्ही जाय की वायत्, उक्त भिक्षित्रयम के भिक्षीत कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के जिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) कर्नल भरन सिंह सुपुत्र स्वर्गीय सुरेन सिंह, निवासी 77, इंदिरा नगर कालोनी, बेहरादून, उत्तर प्रदेश। (अन्सरक)
- (2) लेफ्टनेंट कर्नल बी० आर० सिंह, सुपुत स्वर्गीय हरबचन सिंह, श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी लेफ्टि० कर्नल बी० आर० सिंह, श्री तेजबीर सिंह, श्री हरबीर सिंह सुपुत्र लेफ्टिनेन्ट कर्नल बी० आर० सिंह श्री तेजस्वर सिंह, निवासी 270, सैंकटर 35-ए, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यथ किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगराची

> सुखदेव जन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

ŦΉ

तारोख: 15-10-19<u>8</u>3

मोहुरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अभिनिथम, 1961 (1961 का 43) की। धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आग्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1983

निदेण नं लुधि ०/7/83-84—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो एस०सी॰ एक नं० 21, भदौड हाउस, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3-346GI/83

(1) श्रीमती तेजिन्द्र कौर पत्नी श्री देवेन्द्र सिंह निवासी 71-डी, सराभा नगर, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय बग्गा और राजीय बग्गा सुपुत्र श्री सोहन सिह निवासी 1422, गली नं ० दीपक सिनेमा रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम०सीं ०एफ० 21, जो भादीं इंडिस, लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी, चन्डीगढ़ के धिलेख संख्या 1125 अप्रैल, 1983 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 15-10-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्गन रेंज, लुधियाना

नृधियानाः दिनांक 15 अक्तूबर 1983

निदेश सं० लुधि०/318/82-83—अतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सापत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी संख्या है तथा जो एस०सी० एफ० त० 21. भादौड़ हाऊस, लुधियाना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्म्झिक्सी अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजिस्झिकरण अधिनियम, 1908 1908 हा 16) के अक्षीन दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितिया) के यीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उदत अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; कीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-इर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रीमती तेजिन्द्र कौर पत्नी श्री देवेन्द्र मिह निवासी 71-न्दी, सराभा नगर, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री सोहत सिंह मुपुत्र श्री बोसन सिंह निवासी 1422, गली नं ० 5, दीपक सिनेमा रोड़, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस०सी०एफ० नं० 21, भादोड़ हाऊस, लुधियाना में स्थित है। (ज.यदाद जैता कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या नं० 17025, मार्च, 83 में दर्ज है)।

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-10-1983

महिर:

प्ररूप आई टी. एन एस -----

प्रायकर बिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई०ए०मी०/एनयू०/3/एम०आर०-2/2-83/8532--अन. मुझे, बी० के० गुप्ता,

. बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राचिकारों को यह चिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-राजापुर खुर्द दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक अनुमूची में और पूर्ण क्य म विणित है), राजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यात्रय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल, निम्नलिधित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; अदु/या
- (च) एसी किसी काय या किसी धन या कन्य कास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए,

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ामें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ईष्वर मिह, अनर मिह सुपुत्रगण
 श्री मुणी राम और बलजीत मिह सुपुत्र श्री सुखदेव सभी निवासी-हम्तमाल, दिल्ली।

(अन्तरकं)

2 श्री नरेण कुमार मिलल, श्री दिविन्दर कुमार मिलल, सुपुत्रगण श्री कुलदीप राय भिलल, निवासी—बी—10/16, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अरो करा पृथायत क्यार वर अजन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियां के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर जन्म स्थापन साहित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्स में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 12 बीघे 11 विश्वे, टोटल भूमि 113 बीघे, एरिया ग्राम-राजापुर खुर्द, दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नर्द्व दिल्ली

तारीख : 13--10--1983

प्रकप बाद . ही. ब्रु. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निर्देश स० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-2/2-83/8533--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता.

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् मिनियम' कहा गया हैं), को भार 269-स में नभीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृतित् जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी गंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजापुर खुर्द, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया मुखा है। --

- (क) बल्ल्सण चे हुई कियी बाद की बाबत उनल विध-नियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के शायित्व मा कभी करने या उन्नचे बुचने में सुविधा के निये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :---

 गोरधर सुपुत्र श्री हजारी, निवासी-हस्तसाल, विल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश कुमःर मित्तल, श्री दिवन्दर कुमार मित्तल सुपुत्रगण, श्री कुलदीप राय, मित्तल, निवासी-वी-10/16, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथंक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित पे किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 12 बीघे और 11 बिख्वे, भाग भूमि 113 बीघे, ग्राम-राजापुर खुदं, दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सभम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्लो

तिरी**ख** : 13-10-19**8**3

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०= 2/2-83/8535--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की सं० जी/143 है तथा जो हरी नगर, ग्राम तिहाड़ नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणन हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अवीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का भाषत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री उजागर सिंह हन्ड सुपुत्र श्री गुलाब सिंह, जी-ए-श्री एस० भगत सिंह सुपुत्र श्री गोकल सिंह, निवासी-डब्ल्यू०-जेश-217, शिव नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- श्री चिमन लाल चौधरी सुपुत्र श्री हरिकिशन दास, निवासी डब्स्यू-जेड/88, मायापुरी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

जम्सूसी

प्लाट मं० जी-143, तावादी 200 वर्गगज, 'बी' ब्लाक, हरी नगर, नई दिल्ली ग्राम तिहाड़।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

सारी**ख**: 13-10-1983

प्रकृप आहें. टी. एन. एस.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०~2/2~82/ 8539—अत. मुझे, बी० के० गुप्ता

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०-93 है तथा जो ग्राम मादीपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में रिथत है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बीणन है), र्राजप्ट्री कर्ता आंधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिन्द्री करण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके रहियमान प्रतिफल सं, एसे रहियमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, चक्ता वीभीनयम् के वभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए दूरिशा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्—ः।

- श्री गुरबचन लाल और श्री दलीप कुमार सुपुत्रगण श्री राम किशन, निवासी सी-20, 2 ए, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्ता कुमारीपत्नी श्री वेद प्रकाश, निवासी 11 मिरन्दर की पेन्डनीयोम वीकर्स, यू०के०। वर्तमान 222 माडल टाउन,लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जनव सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि यो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या किसा में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या किसा में संभिक्ती क्या किसी व्यक्ति व्यक्ति स्
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित् में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भग्सूची

ण्लाट नं ० सी-93, तावादी 562. 4 वर्गगज, स्थापित-भिवाजी पार्क, एरिया ग्राम मादीपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्ज रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 13-10-83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आई० ए०मी०/एक्यू०ई-3/एस०आर०-3/2-83/

8546--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 8/3 है तथा जो तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित कें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सरदूल सिंह सुपुत्र श्री सुजान सिंह निवासी बी-26, ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री विशोरी लाल गुप्ता सुपुत्र श्री अनन्त राम गुप्ता निवासी ए~180, गनेश नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारद्वारा निर्मित क्वार्टर नं ० 8/3, तिलक नगर, नई दिल्ली एरिया 200 वर्गगण ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13--10--83

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० 3/ एस आर-2/ 2-83/8548-- अत: मुझे बी० के० गुप्ता कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रतः से अधिक हैं और जिसकी सं० डी- 21, है तथा जो भगवान वास नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अरेर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्त्रहं प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिय, अर्थात् :- -

(1) श्री बिशन चन्द्र सुपुत्न श्री झुटर मल, निवासी 764 सुईवालन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार मिल्तल सुपुत्र श्री शिव नरायण मिल्नल निवासी — बी०-2 /149, पश्चिम विहार नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 21 ब्लाक डी० तादादी 200 वर्गगण भगवान दास नगर, नई दिल्ली,

> वी० कें० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली - 110002

तारी**ख** : 10--10--83

प्ररूप आर्द्दा. एन एस. -------बायकर ब्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विस्ली

नई विल्ली, दिनांक 10 अक्तूबर 1983

निर्वेश सं० आई०ए०नी०/एक्यू०/3/एस०आर०-2/2-83/8549—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एम०-11, है तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेदय से उकत अन्तरण निम्निष्म में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रीविषय के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिक में कमी करने या चसके बचने में सुविधा के किए। धीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य' धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

पत : प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---4-346GI/83

 श्रीमती गीला बन्ती पत्नी एस० हकीम सिंह, निवासी एच/11, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

.∤(अन्तरक)

2 श्री अरिबन्द कुमार सुपुत्र श्री राजिन्दर नाथ निवासी 32/2049 नाई वाला करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोए:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रची

प्रो० नं० एच/11, शिवाजी पार्क नई दिल्ली । एरिया—279 वर्ग गज ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

तारीख: 10-10-1983

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

अग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्तूबर 1983

निर्वेग सं॰ आई॰ए॰सी॰/एनयू०/3/एस॰आर॰-2/2-83/ 8586—अतः मुझे, बी॰ आर॰ गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट आर० सी०-4 है तथा जो इन्दरपुरी, नई दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 83

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिफंस के सिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफंस, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उत्तरी बचने में सुविधा के सिए; औट्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की किए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) जे बधीन मिन्नसिवित व्यक्तियों, अवित स— (1) श्री महिन्दर सिंह जेहल और श्री कुलदीप सिंह जेहल, सुपुत्रगण श्री अजीत सिंह जेहल, निवासी बारी पत्ती जन्डीयाला, जिला जलन्धर,

(अन्तरक)

(2) श्री जगवीण लाल सीरपाल सुपुत श्री राम राखा सीरपाल और श्रीमती भाजनी सीरपाल पत्नी श्री जगवीण लाल सीरपाल निवासी ग्राम एण्ड पो० पासला फीलावर, जिला जलन्धर पंजाब, द्वारा श्री घरम पाल सुपुत श्री हुकम चन्द, निवासी मकान नं० 20 डब्ल्यू, 256 के, इन्दर पुरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाश्चम की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० आर/सोप नं० 4, तावादी 200 वर्गगज, खसरा नं० 1608, ग्राम नरायणा, भनादी इन्दरपुरी, नई दिल्ली

> बी'० के गुण्ता सक्तम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई विल्ली 110002

तारीख :-- 10--10--83

मोहर 🛮

प्रकार बार थी. एन एक. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० 3 एच-आर-2/2-83/8615,--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कुषि भूमि है तथा जो ग्राम मोहम्मदपुरा माजरा, दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी-83

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अध्य है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाय की वाबत, उनत् जिम्मित्य के जभीन कर दोने के जन्तरक की वायरण में कजी करने या जबके वचने में स्विभा के तिय; जरि/वा
- (क) प्रेसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियां कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीभीनयज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयज्ञ, या भनकर ज्ञिभीनयज्ञ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जाया किया जाना वाहिए था जियाने में स्विभा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्री हरपाल सिंह, तकवीर सिंह सुपुत्रगण श्री नफी सिंह, श्रीमती प्रेम बाला, सुशीला सुपुत्री श्री नफी सिंह और श्रीमती सुभद्रा सुपुत्री श्री नफीसिंह फुल वती पत्नी नफी सिंह, ग्राम मोहम्मदपुर माजरा, विस्ली।

(अन्तरक)

(1) श्री अमृतसर कन्सट्रकमन कं० डब्ल्यू-110 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

उक्त सम्मित्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप् 🛵--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्व पान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि तावावी 8 बिश्वे , खसरा नं० 35/15(5-16), 35/6(4-16), ग्राम मोहम्मवपुर माजरा, दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली∎110002

तारीच :- 13-10-1983

प्रकृष वाह². टी. एन. एस. -----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अन्टूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० |न्यू|3 एस आर-2| 2-84|8635,-अत मुझे, बी० के० गुप्ता

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में हिथत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप पा किसी भन या अन्य ज्ञास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अंत: अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्थीम् :---

 श्री किश्न लाल सुपुत श्री जौहरी, निवासी ग्राम-अलीपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री सुधीर भाटिया सुपुत्र श्री जे० सी० भाटिया, श्रीमती रेनु भाटिया पत्नी श्री राजीव भाटिया निवासी के-20, माङ्ग टाउन, दिल्ली-9।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पर्वकारण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**त्**ची

कृषि भूमि तावादी 21 बीघे और 9 बिखे, खसरा नं० 1173 मिन (2-10), 1192 मिन (2-8), 1196 (4-16), 1197 (4-16), 1198 (4-16), 1161 मिन (0-8) 1162 मिन (0-3), 1163 (0-17), और 1164/2/1 मिन (0-15), ग्राम अलीपूर, दिल्ली।

बी' के गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10-10-1983

प्रकल बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-व(1) के मधीन मुचना

भारत बरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1983 निर्देश सं० आई०ए०सी०/क्यू०/3/एम०आर०-2/2-83/ 8646--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अभीन कर बोने के अन्तरकं के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आडि/बा
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया में सृष्धि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री किशन लाल सुपुत्र श्री जौहरी, निवासी ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल भाटिया सुपुत्र श्री हरी चन्द भाटिया, रिवन्दर भाटिया सुपुत्र श्री सतपाल भाटिया, निवासी श्री-6/12, माङल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 घिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति खुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगुसुची

खसरा सं० 1173 मिन (3-4), 1192 मिन (1-10), 1193/1 मिन (4-11), 1184 (0-5), 1195/1 मिन (3-8) 1261 मिन (1-1), 1262 मिन (0-8), 1263 मिन (2-8), 1264/2/1 मिन (2-8), 1265/1(2-7); टोटल एरिया—21 बीधे 10 बिध्वे, ग्राम अलीपुर, विल्ली।

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10-10-1983

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. -----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1983

निर्वेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-2/2-83/ 8660---अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए 1/, 136, है तथा जो इन्दरपुरी नारायणा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री वासदेव सुपुत्र श्री खेम चन्द, निवासी 52/5 राजिन्दर नगर, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमती माया पत्नी श्री वौलत राम, निवासी ए-80, इन्दरपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाचा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्काकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूचीं

1/2, अविभाजित भाग प्लाट न० ए-1/136, तादादी 250 वगगज, इन्दरपुरी, नारायणा, दिल्ली ।

बीं० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विस्ली

नारीख: 13-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अस्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आए०-3/2-83/5—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— श्री विजय शंकर बजोरिया सुपुत्त श्री बदरी प्रसाद मजोरिया, निवासी एम-117, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली द्वारा अटार्नी श्री गोपाल खेमका, सुपुत्र श्री श्याम मुन्दर लाल खेमका, निवासी एन-256, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री फतेह सिंह सुपुत्र श्री नरेन्द्र सिंह, निवासी कैसलीनी इस्टेंट, आनन्दपुर, सोधी, शिमला हिल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकैंगे

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस खध्याय में दिया गया है।

वनसंची

कृषि भूमि तादादी 5 बीघे, एम० नं० 55, किला न० 9, ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10-10-1983

मोह्यर 🗓

प्रकथ बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्तूबर 1983

निर्वोग स० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०/3/2-83/ 8-अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

वायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धिके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरकरी, 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से झूद किसी शाय की वाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी कहने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री विजय शंकर बंजोरिया सुपृत्त श्री बदरी प्रसाद बजोरिया, निवासी एम-117, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली द्वारा अटार्ग्नी श्री गोपाल खेमका सुपृत श्री श्याम सुन्दरलाल खेमका, निवासी एन-256, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- श्री फतेह सिंह सुपुत श्री नरेन्द्र सिंह, निवासी कैसलीनी इस्टेट, आनन्दपुर सोधी, शिमला हिल्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगृत्यी

कृषि भूमि तादावी 4 बीधे, एम० नं० 54, किला नं० 103 ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

> बी० के० गुप्सा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) "अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 10-10-83

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

माथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कों भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **भायकर भायक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज-8, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 अक्तूबर, 1983

निर्देश म० आई०ए०मी०/एक्यू०/3/एम०आए०-3/2-83/ 7---अत मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भन्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसको सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली तहनील महरौली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक फरवरी, 1983

को पूर्वाक्त सर्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तिन्त की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्बेष्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिवाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, उर्वात् :--- 5 –346GI/83

- शीमती शशी प्रमा बजोरिया पत्नी श्री विजय णकर बिजोरिया निवासी एम-117 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, इत्या अटार्नी श्री गोपाल खेमका सुपुत स्थाम मुन्दर लाल खेमका, निवासी एन-256, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री बीर सिंह सुपूत्र श्री नरेन्दर सिंह निवासी कैमालीनी इस्टेट, आनन्दपुर मोधी, णिमला हिल्स।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे- प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नावाबो 5 बीघे और 16 बिश्वे, मुस्तातील न 6 45, किला नं 6 25 (4-16), ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

सारीख: 11-10-1983

मोहर 🖟

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 अक्तूबर, 1983

निर्वेश स० आई०ए०सी० न०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/2-83/8—अत मुझे, बी० के० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूषी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983

पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्रीमती सावित्री देवो पत्नी स्व० श्री बदरी प्रसाद बाजोरिया, निवासी एम-117, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली द्वारा अटार्नी श्री गोपाल खेमका सुपूत श्री श्याम सुन्दर लाल खेमका, निवासी एन-256 ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।
 - 2 श्री नरेन्द्र सिंह सुपुत्र स्व० एस० गुरबचन सिंह निवासी कैंसालनी इस्टेट, आनन्दपुर सोधी, णिमला हिल्स ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्वा

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे 5 बिश्वे, कुस्तातील न० 55 किला न० 4/1 (4-0), 3/3 (0-5), ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

बी० के० गुता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, नई दिल्ली

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:——

सारीख: 12-10-1983

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (नि,रीक्षण) अर्जन रंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए क्यू०/3/एस० आउ०-3/2-83/9-अतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नेई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख फरवरी, 1983

का' पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्च स्यों से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शशी प्रभा बजोरिया,
पत्नी श्री विजय शंकर बजोरिया,
मुपुत्त श्री बदरी प्रमाद बजोरिया,
निवासी एम-117,
ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली
द्वारा अटार्नी श्री गोपाल खेमका
मुपुत श्री श्याम मुन्दर लाल खेमका,
निवासी एन-256, ग्रेटर कैलाण-1,
नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री बीर सिह मुपुत्र श्री नरेन्द्र सिह, निवासी-कैसर्वानी ईस्टेट, आनन्दपुर सोधी, शिमला हिल्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वम्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 116 बिग्ने, मुस्नातील नं 55, किला नं 5/1 (2-13), 5/2 (2-3), स्थापित—ग्राम-महरौली, तहमील—महरौली, नई दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-10-1983

प्ररूप आई.्टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/2-83/ 10—अतः मुक्ते, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिद्यात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण बिस्ता में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं।——

- (क) अन्तरण से हुर्फ़ किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; औरु/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की; जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री विजाय शकर बजोरिया
सुपुवश्री बदरीप्रसाद बजोरिया,
निवासी-ए-117,
ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली
द्वारा अटानीं श्री गोपा खेमका
सुपुत्र सुन्दर लाल खमका,
निवासी सी० एन०-256 ग्रेटर कैलाण-1,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री बीर मिह सुपुत्र श्री नरेन्दर सिह, निवासी जैमलीना ३स्टेट, आनन्दपुर सोधी, शिमला हिल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 4 विघे और 16 विश्वे, मुस्तातीत नं० 54, किला नं० 1, ग्राम-महरौली, तहसील-महरोली, नई दिल्ली

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 11-10-83

प्रकप् आई. टी. एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्नूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/3/एम० आर०-3/2-83/11--अतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जा ग्रामं महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी कड्ने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँड/बा
- (क) . ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रोमती णणी प्रभा बजोरिया पत्नी श्री विजय शंकर बजोरिया, निवासी--एम-117, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली इत्रा अटार्नी श्री गोराल खेमका

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्दर सिंह सुपुत स्व० एस० गरबचन सिंह, निवासी केसलीनी इस्टेट जानन्दपुर भोबी, शिमला हिल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हों।

उनत् सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (मं)। इस मूचना के राजपत्र मंं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे

स्पस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि मुस्तातील नं० 45, किला नं० 24/2 (1-0), एम० नं० 55, किला नं० 4/2 (0-16), ग्राम-महरौली, तहमील-महरौली, नई दिल्ली ।

बी० के० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 12-10-83

मोहरः ।

त्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्थ्ना

माउँच सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 अक्तूबर, 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर० 3/2--82/ 12--अतः मुझे,बी०के० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 25,00०/-रु. से अधिक है

और जिसकी मख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख, फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति, रती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निमन्ति खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय शकर वजोरिया
सुपुत्र बदरीप्रमाद बजोरिया,
निवामी एम-117, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली डारा अटार्नी
श्री गोगल खेमका सुपुत्र श्री ग्याम सुन्दर लाल खेमका, निवासी एन-256, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक्र)

(2) श्री बीर सिह सुपुत्र श्री नरेन्दर सिह, निवासी-मैसलीनी इस्टेट, आनन्दपुर सोधी, शिमल। हिस्स

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप.--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

कृषि-भूमि तादादी 2 बिध भौर 17 विधवे, मुस्तातील नं ० 54, किला नं ०, 10 मिन नार्थं (0-16), किला नं ० 9 मिन नार्थं (0-16), किला नं ० 2/1 (1-05), ग्राम-महरौलो, तहसील-महरौलो, नई दिल्लो ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख** . 11-10-83

प्ररूप वार्षः डी. एत्. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर, 1983

निर्देश में ० आई० ए० मी०/एक्यू/ 2/एम० आए०+3/2-83/ 13---अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

जायकर मिंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से **अधिक है**

और जिसकी संख्या कृषि भृमि है तथा जो ग्राम-महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख़ फरवरी, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पह्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधा के शिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन दा बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः तव, उक्त वर्षिनियम, की भारा 269-गुक्ते वनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् 🖫

(1) कुमारी रेनु बजोरिया सुपुत्री बदरी प्रसाद बजोरिया, निवासी एम-117, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्दर सिंह सूपुत्र स्थ० एस० ग्रबचन सिंह निवामी कैमलीनी इस्टेट, आनन्दपूर-सोबी, शिमला, हिल्स

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वानाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के ब्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फूपि भूमि तादादी 4 बिघे और 4 बिग्वे, मुस्तातील नं० 55, किलानं ० 3/2, ग्राम-महरौली; तहसील-महरौली, नई दिल्ली

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

सारीख: 12-10-83

मोहर 🛭

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर, 1983

निर्देशसं० आई० ए० सी०/एक्य्०/3/एस० आर०-2-83/ 14-यम: मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भ्मि है तथा जो ग्राम महरौली, तहमील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्म्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजर्म्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, इस दरयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जुन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) कुमारी रेनु बजोरिया भुपुत्री श्री बदरी प्रमाद बजोरिया, निवासी-एम-117, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र सिंह सृपुत्र स्व० एस० गुरबचन सिंह, निवासी कैंसलीनी इस्टेट, आनन्दपुर सीधी, शिसला.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----- इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्घी

कृषि भूमि तादादी 4 विघे, 1 विश्वा, मुस्तातील नं० 45, किता नं० 23/2, ग्राम-महरौती, नई दिल्ली, तहपील महरौती

बी० के० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 12-10-1983

प्रकृप माइ. टी. एत. एस.- - - =---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं अाई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०--3/2--83/15---यतः मुझो,बी०के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो प्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा कें लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री रामा णंकर खेमका सुपुत्र सुन्दर लाल खेमका, निवासी एन-256, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परिमन्दर कौर पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह, निवासी-कैसलीनी इस्टेट आनन्दपुर सोंधी, शिमला हिस्स।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी बस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिन्ने और 19 बिन्ने, मुस्तातीत नं 55, किला नं 7/1 (0-16) 6/1 (2-3), ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता सक्षम यअधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, भिम्निल्बित व्यक्तियों, अधित्:—— 6—346GI/83

वारी**ख**: 12--10--19**8**3

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०—3/2—83/ 16——यसः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसंकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, सारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक कम से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गृह्या था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नितिष्ठित व्यक्तियों, अधित् :---

(1) श्री रामा शंकर खेमका मुपुत्र श्री श्याम लाल खेमका, निवासो-एन-256, ग्रेटर कैलाश-1. नई दिल्ली

(अस्तरक)

(2) श्री प्रमिन्दर कौर पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह निवासी-कैसलीनी इस्टेट, आनन्दपुर सौंधी शिमला हिल्म।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ल सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बच्त सम्पत्ति के क्वांन के सम्बन्ध में कोई वासोप:~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिख्ये-एम० नं० 55, किल। नं० 6/2 (2-13), 15/2 (2-3), ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 13-10-83

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर० 3/2-83/17—यतः मुझे बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित मा बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रामा शंकर खेमका सुपुत्र श्याम सुन्दर लाल खेमका, निवासी एन-256, ग्रेटर कैलाश-1. नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमिन्दर कौर पत्नी श्री नरेन्द्र सिह निवासी कैसलीनी इस्टेट, आनन्दपुर सौंधी, शिमला हिल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्ज्न के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अप्रुक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्बोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्भष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

वन्सूची

कृषि भूमि तादादी 3 बिघे 9 विश्वे, एम० नं० 55, किला नं० 14/2 (0–16), 15/1 (2–13), ग्राम—महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी॰/एक्यू०/3/एस० आर०-3/2-83/18—यतः मुझे बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिहिन्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कि भेत नहीं कि बा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) श्री अशोक कुमार खेमका सुपुत श्री श्याम सुन्दर लाल खेमका, निवासी—एन-256, ग्नेटर कैलाण-1, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री प्रिमन्दर कौर पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह निवासी कैंसलीनी इस्टेट, आनन्दपुर, सोधी, शिमला हिल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता $\dot{\mathbf{r}}_1$ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि एम० नं० 55, किला नं० 13/2(4-2), ग्राम-महरौली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

> बी॰ के॰ गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 13-10-83

मोहर 🛭

प्ररूप. आर्ष. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धार् 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई विल्ली नई दिल्ली विनांक 13 अक्तूबर, 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/2-83/19—यतः, मुझे बी० के० गुप्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अशोक कुमार खेमका सुपुत श्री श्याम सुन्वर लाल खेमका, निवासी-एन-256, ग्रेटर कैसाश-1, नई दिल्ली

(अन्सरक)

(2) श्रीमित प्रमन्दिर कौर पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह निवासी-कैंसलीनी इस्टेट, आनन्दपुर सौधो, शिमला हिल्स।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

कृषि नूमि तादादी एम० नं० 55, किला नं० 8/2 (4-4), ग्राम-महरौली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13--10--83

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1983

विर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/2-83/ 20--यत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भास्तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्वं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुद्रिधा केंदिनए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों कर्थात्—ः

- (1) श्री विजय कुमार खेमका सुपुत्र श्याम सुन्दर लाल खेमका निवासी एन-256. ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली एन-256, ग्रेटर कैलाश-1, ाई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रमिन्दर कौर
 पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह
 निवासी कैसलीनी इस्टेट,
 आनन्दपुर सोंधी,
 शिमला हिल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्माति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्यष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा सक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एम० नं० 55 किला नं० 7/2 (4-0) 8/1 (0-5) ग्राम महरोली तहसील—महरोली नई दिल्ली

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज 3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-83

मोहरः

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------मिषिनिथम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-**प**(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज [II, कमरा नं० 412, सी० भ्रार० बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/2-83/29/एस० आर० [[]---यसः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से **अधिक ह**ै

और जिसकी संख्या ऋषि भूमि है तथा जो खसरा नं० 1132/ 1(1-6), 1132/2 (4-0), 1134 #10 (1-3), (ग्राम छन्नपूर, तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को प्राक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्निवित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविवा के लिए: बीर/या
- (का) होसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिम्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयां था या किया वाना भाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गंगा शरण, हरि शरण,राजहंस, मुभाष चन्द्र, पुत्र रणजीत सिंह (1/2) (तेजपाल, राधास्वामी संघ और सूरजीत सिह (1/2) निवासी छस्नपूर, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशि निगम पत्नी डा० सूरज प्रकाण निगम, निवासी 25/56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (1/2) भीर गिरीश औदराय पुत्र श्री सोम नाय ओबराय निवासी एन-204ए, ग्रेटर कैलाश-I, नई विल्ली (2/3) वर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ठाडीब वी 45 विन की व्यविधातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दवारा;
- (क) इस सुचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीकासे 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बवुध किसी अभ्य व्यक्ति इवारा अभोहस्वाक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्रिकरणः---इसमें प्रयुक्त गुरूवों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मवा है।

अनुस्वी

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बोधा और 9 बिस्वा, खसरा नं० 1132/1 (1-6), 1132/2 (4-0), 1134 मीन (1-3), ग्राम छन्नपूर, सहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> बी०के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-11-83

प्रकथ बाइं.टी.एन्.एस.,-------

बायकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कमरा नं 412, सी० घार० बिल्डिंग, इन्ब्रप्रस्थ स्टट, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यूं० III/2-83/30/एस० आर० III--यसः मुक्ते, बी० के० गुप्ता,

बायकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो खसरा नं 0 1131/2/ (3-7), 1133 मीन (2-7), (ग्राम छन्नपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुबी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नईदिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भाधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्यू से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कट देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्रो गंगा घरण, हरी घरण, राज हंस, सुभाष चन्द्र, सन्स और रणजीत सिंह (1/2) तेज गल राधे क्याम सन्स और सूरजीत सिंह, (1/2) निवासी छत्रपुर, नई दिल्लो।
- (2) श्रीमती शिक्षा निगम
 पत्नी डाक्टर सूरज प्रकाश निगम
 निवासी 25/56,
 पंजाबी बाग, नई दिल्ली (1/3) और
 गिरीश ओवराय,
 पुत्र सोम नाथ ओबराय
 निवासी एन-204ए,
 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली (2/3)।

(अन्सरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई! भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनं की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगें।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया नया है।

भनुस्ची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीचा और 4 बिस्वा है खसरा नं॰ 1131/2 (3-7), 1133 (2-7), ग्राम छत्नपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-11-19

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-III, कमरा न० 412, सी श्रार बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनाक 11अक्तूबर 1983

निर्देश म० आई० ए० सी०/एक्यू०-111/2-83/31-एस० आर० 3---यतः मुझो, बी० के०गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो खसरा न० 1135 मीन (4-0), 1138 मीन (3-12), ग्राम छत्रपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए,

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) र्था गगा घरण, हरि शरण, राज हा, सुसाप्रचन्द्र पुत्र श्रा रगजाती हिं (1/2) तेजपाल राध्रास्वामी पुत्र श्री सूरजीत सिंह और श्रीमती खजाती देवी, धर्म पत्नी श्री सूरजीत सिंह, निवासी ग्राम छत्नपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक्र)

(2) मि० फूल विन्दरा धर्म पत्नी श्री नाथ गोरी विन्द्रा निवासी एल-34, कीर्नि नगर, नई दिल्ली (2/3) और गणि निगम पत्नी डाक्टर सूरज प्रकास निगम निवासी 26/56, पजाबी बाग, नई दिल्ली (1/3)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया नया

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीघा और 12 विस्या, खसरा नं । 1135 मीन (4-0) 1138 मीन (3-12), ग्राम छत्रपुर, नहसील महरौली, नई दिल्लो।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारो सहायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-10-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-अ (१) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/1/11/2-83/32-एस० आर०III--अत: मुझे बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूभि है तथा जो खसरा नं 1134मीन 2/1/1133 मीन/2-9/ग्राम छत्नपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख, फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित अयिक्तयों अधितः :—

(1) सर्व श्री गंगा सरन, हर सरन, राज हंस, सुभाष चन्द्र सुपुत्र श्री रंजीत सिंह (1/2 शेयर) तेज पाल, राधे थ्याम सुपुत्र सरजीत सिंह (1/2 शेयर,) गांव छत्र पुर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फूल बिन्द्रा पत्नी नन्द किशोर बिन्द्रा निवासी-एल-34 कीर्ती नगर, नई दिल्ली (2/3 शेयर) शशि निगम पत्नी डा० सूरजप्रकाश निगम निवासी-26/56 जाबी बाग, नई दिल्ली (1/3 शेयर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्राध्यत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीघा श्रीर 10 बिस्वा है खसरानं 1134 मीन (2-1), 1133 मीन (2-9) जो कि गांव छत्र पुर नई दिल्ली में स्थित है।

> बी० के० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 11 अक्तूबर, 1983

भोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ /2-83/33/एस० आर० III--अतः मुझे बी०के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो खसरा नं० 1165 मीन/1-0/1164/4-16/1135/1-12/1138मीन/1-4/ग्राम छन्नपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन तारीख, फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिनी (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ह्या गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सायधा के लिए;

(1) सर्वश्री गंगासरण,
हर सरण, राज हंस,
सुभाष चन्द्र पुत्रश्री रणजीतिराह,
(1/2) तेज पाल,
राधे क्याम पुत्र सरजीत सिह
व श्रीमती खजान देई,
पत्नीश्री सरजीत सिह निवासी—
गांव छत्न पुर, नई दिल्ली।

(अर (रक)

(2) मैसस सूर्य इन्टरप्रार्श्वीज प्रा० लि० 1, कौशल्या पार्क, नर्श्व दिल्ली — 16 सामने प्रबन्धक निवेशक श्री नन्द किशोर बिन्द्रा

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 8 बीघा और 12 बिस्वा है खसरानं 1163 मीन (1-10), 1164 (4-15), 1135 मीन (1-12), 1138 मीन (1-) ट्यूबर्वेल के साथ गाव छत्रपुर, नई दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

तारीख: 11 अवतूबर; 1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- श (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 अक्तूबर 1983

निर्देण स० आई० ए० मी० /एक्यू०/ 3-2-83/34/एल० आर० III---अन मुझे बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सख्या कृषि भूमि खसरान० 1160 (4-16)
1163 मीन (3-16) गाव क्षेत्र पुर नह० महरीली, नई दिल्ली
मे स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत
है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1983
की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार
मूल्य उसके द्ध्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्ध्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में

वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सर्वश्री गगासरन, हरसरन, राजहस, मुभाष चन्द्रपुत्र रजीत सिह् (1/2) तेजपाल राधे श्याम (1/2) पुत्र सरजीत सिह्वश्रीमती खोजान देई पत्नी सरजीत सिह् (1/2) निवासी गाव छन्न पुर नईदिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सूर्य इन्टरप्राइजिज प्रा० लि० 1, कौणत्या पार्क, नई दिल्ली – 16, सामने मैनेजिग डायरेक्टर, श्रीनन्द किशोर बिन्द्रा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्या करायों में संकिसी व्यक्ति बुबारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सधिमिश्रम के अध्याय 20 क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिनहाक्षेत्रफल 8 बीघा व 2 बिस्वा है खमरा न०-1160 (4-16), 1163 मीन (3-16), गाव छत्नपुर नहुमील महरौली, नई दिल्ली।

> (बी० के० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली—110002।

तारीख: 11 अक्तूबर, 1983

मोहर .

श्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 🎹 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ /2--83/40/ एस०आर० 3—-अत. मुझे, बी०के०गुप्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या म० टी०-316 व टी०-317 वार्ड न० 16 प्नाट न० 137 वा 138 खसरा नं० 625/451 ब्लाक ए सी खेरत न० 1 खतौनी न० 50 है जो करोल बाग नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिरव में कभी करने या उससे यचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्ध अन्तिरती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की छपभारा (1) के अभीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कृष्णावती पत्नी स्वर्गीय कृपाराम

2. हरद्वारी लाल

(3) सत्यपाल भारद्वाज (4) परसोतम भारद्वाज पुत्न कृपाराम व (5) ओम शर्मी पुत्नी कृपाराम सदस्य हिन्दू अविभाजित सपरिवार की सदस्या तथा इसका कर्ता परसोत्तम भारद्वाज, द्वारा अटरनी डा० ज्ञान चन्द जैन पुत्न डा० हंसराज जैन निवासी म०नं० 847 जोसी रोड

(अन्तरक)

(2) श्री अभिनन्दन कुमार जैन पुत्र श्री कालाराम जैन. तथाश्रीमती रमेण कान्ता जैन, पत्नीश्री अभितन्दन जैन दोनों निवासी 3690 – 92 सदर बाजार दिल्ली।

करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

सम्पत्ति नं०-टी० 316 तथा टी०-317 वार्ड नं०-16, व्लाटनं० 137 तथा 138 खसरा नं० 625/451 ब्लाक एसी खोबट नं० 1 खतोनी नं० 50 क्षेत्रफल-171 वर्ग गज खजूर रोड़ करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित ।

वी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-गा, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख · 11-10-83

प्रकार कार्षः टी. एन् एस्य ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/2-83/41/ एस० आर०-3--अतः मुझे,बी० के० गुप्ता

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

और जिनकी सख्या बेसमेट ग्राउन्ड फ्लोर कार्यालय 1, 2, 3सरी मंजिन है देश बन्धु गुप्ता रोड नजदीक पहाड़गंज डिसपें-सरी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है देन-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः मन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) अतिरिक्त उप आयुक्त (आर० पी० सी०) टाउन हाल, चौदनी घौक, दिल्ली

(अन्तरक)

 (2) मैं ॰ मोहिन्दर सिंह चन्द्र मोहन ई-11, कीर्ति नगर, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मण्डीकरण :-- १ समें प्रयुक्त शक्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

देशबन्धु गुप्ता रोड पर बहुमंजिली इमारत नजदीक पहाड्गंज डिस्पेंसरी, मैजिनाइन फ्लोर ग्राउन्ड फलोकर कार्यालय 1, 2 3सरी मंजिल एकक।

> बी० के० गुन्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-10-83

प्रस्य बार्ड. टी. एन. एस.; ---:----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत बुडकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/2-83/एस० आर० -3-यत: मुझे बी० के० गुप्ता

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- फ से अधिक हैं

और जिसकी सं० बी— 95 गुलमोहर पार्क नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चल्द्रह प्रतिशत से विभिक्त है बोर बंतरक (बंतरकों) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रति-फल निम्नतियित उद्देश्य से उच्त बंतरण मिचित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया ग्या है :—

- (क) जन्तरण से इर्इ किसी जाव की बावत अक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए जोड्/का
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन या अध्य आस्तिबाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

के जिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नवीन चन्द्र बी० साह पुत्र श्री भाई चन्द टी० साह, निवासी-98 रिवन्द्र नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल दत्त गर्मा पुत्र श्री हरनारायण निवासी बी०-95 गुलमोहर पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति नं० बी-95 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज गुलमोहर पार्क, नई विस्ली में स्थित ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-10-1983

मोहरः

अरूप **भाइं.टी.ए**न.एस.-----

श्रीय कर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-म (1) के मधीन सूचनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आबुक्त (निश्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एमयू०/3/एस० आर०-3/2-83/44---पतः मुझे, बी० के० मुप्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/34 है तथा जो डब्स्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीक्सी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908.

(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे सह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्ड है प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय माया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से तुई किसी ग्राय की बाबत उक्तर अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करवे या उससे बन्बने में सुनिधा के अप्; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राप या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन कर श्रिधनियम, या धन कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः धव, उनत प्रविनियम की धारा 269-न के प्रमुखरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-न की सप्रधारा (1) के को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जे० एन० कपूर, 12/19, डबल्यू० ई० ए०, करोलबाग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोज खन्ना, श्री मुकेश खन्ना, श्री मुनीश खन्ना, श्री संदीय खन्ना और श्री बनीत खन्ना निवासी सी 2 2-सी/5, न्यू रोहनक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जन्म सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः --- इ.स.में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उपक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी न० 13/34, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

सारीख: 30-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निषेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/ एस० आर०-3 2-8 $\frac{1}{2}$ / $\frac{1}{2}$ 0 पुले, बी० के० गुप्त

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

का पूर्विक्त संपित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एस्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्ट:

अतः अब, उनंत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :——
8—346GI/83

(1) श्री बाबू राम नियासी 44, रेटन्डन रोड, नई दिल्ली, द्वारा श्री पी० पी० शर्मा, राजस्ट्रार आफ हाई कोर्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) विल्ली आटो एण्ड जनरल फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड, 3/15 ए, आसफ अली रोड, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीय से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्तहार ही हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

कृषि भूमि तादादी 51 बीघे और 11 बिग्वे, खसरा नं० 264, 265, 266, 267 और 335 ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

> मी० के० गुप्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 12-10-1983

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 2-83/505--अतः मूझे, बी० के० गुप्ता

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी 108 है तथा जो विवेक विहार, शाहदरा-दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को वृवींक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखत में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अन्त जिमित्यन के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृषिधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार बाभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्व में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविचित व्यक्तियों, अर्थात् :—> (1) श्री अमृतलाल सुपुत श्री विश्वन लाल निवासी 5/57 प्यारे लाल रोड करौल बाग नई दिल्लो।

(अन्सरक)

(2) श्री अशोक खन्ना सुपुत स्व० श्री चन्द्रभान खन्ना निवासी 49 डूप्लेक्स पर्लट्स, गुड़ मण्डी, दिल्ली – 7 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त संपरित के अर्</u>जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्जी

प्लाट नं० बी 180, तादादी 125 वर्ग गज, स्थापित भीलिमल तहीरपुर, निवासीय योजना, विवेक विहार, शाहदरा दिल्ली।

> बी०के० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 12-10-1983

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निदेश स० आई० ए० सी०/एसयू०/3/एस० आर०--4/ 2--83/524---यत. मुझे, बी० के० गुप्ता प्रायक्तर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) **(जिसे इस**में

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 171 ई है तथा जो कृष्णा नगर, गाह्दरा-दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूषी में और पूर्णक्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्वूब्देय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप से किथित महीं किया वया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :-- (1) श्रीमती साबिद्री देवी पत्नी श्री बछराज सनालिया निवासी 79 ए॰, दिलशाद गार्डेन शाहदरा--दिल्ली--32 ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपी स्वरूप, निवासी बी 395 निर्माण विहार प्रकुरपुर विल्ली, श्री बृज मोहन, निवासी के 68 कृष्णा नगर विल्ली—51। श्री सन्तोष गुब्बर, 3 जयपुरिया बिल्डिंग कमला नगर कोल्हापुर रोड दिल्ली—7। श्रीमती रक्षा देवी निवासी सी 7/11 कृष्णा नगर, दिल्ली—51।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त क्षन्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियमं, के अभ्याय 20-कः में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थहोगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग प्रापर्टी 171-ई० तादावी 133 वर्ग गज खसरा नं० 1133/370, ग्राम झिलमिल ताहिरपुर, आबादी कृष्ण नगर कालोनी फ्रेंड्स कालोनी, गली नं० 8 इलाका शाहदरा-दिल्ली ।

> बी० के० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीव : 13-10-1983

मोदुर :

प्रारूप बाई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/एस० आर०-4/2-83/526--अतः मुझे बी० के० गुप्ता जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पात. जिसका उचित अधार मुल्य 25,000/रु. से बिधक है

और जिसकी सं० सी० 7/3 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित जाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकतें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंधीनयम के ज्ञीन कर दाने के अन्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री सुरिन्दर पाल शर्मा श्री नारायण दास शर्मा निवासी सी-7/3 कृष्ण नगर दिल्ली-51 ।
 - श्री विजय कुमार शर्मा सुपुत स्व० रतन चन्द शर्मा निवासी एच 4/1 कृष्ण नगर, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सोम नाथ सचदेवा सुपुत्र स्व० लाल चन्द निवासी 17/132 गीता कालोनी दिल्ली-31 ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० सी०/3, एरिया 80.8/9 वर्ग गज स्थापित कृष्ण नगर, दिल्ली ।

बी० के० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीच : 12-10-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-मृ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आ॰०-4/ 2-83/528—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिसे वसके परवात जिसे कि अधि का यह निर्वास करने का 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारने हैं कि स्थावर सूम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी 7/3 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक क्षा से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) कुमारी मकुन्तला देवी सुपुती श्री नारायण दास मर्मा निवासी सी 7/3 कृष्ण नगर दिल्ली-31 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पत्नी श्री सोमनाथ सचवेवा निवासी 17/132 गीता कालोनी दिल्ली--31 ।

(अन्तरिती)

को बहु स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुर्वारा;
- (स) इस स्मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही ।

अनुसूची

प्रापर्टी नं सी० 7/3 एरिया 40,4/9 वर्ग गज: कृष्ण नगर दिल्ली-51 ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख : 12-10-1983

मोहर 🖫

प्रकप भाई. टी. एन. एस. -----

थायकर पंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-4/2-83/532---अतः मुझे, बी० के० गुप्ता, भायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अवंत्न सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है हिस्यावर नम्मानि, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-६० से मधिक है

और जिसकी सं० 171-ई है तथा जो फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे अश्यभान प्रतिफल कर पंद्रह प्रतिशत् से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा या किया जाना चाहिए या, उपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री बछराज सोनालिया, निवासी सी-79-ए, दिलशाद गार्डेन, णाहदरा-दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री गोपी स्वरूप निवासी बी-395 निर्माण विहार, शकुरपुर दिल्ली।
 - श्री बृज मोहन निवासी 68
 कृष्ण नगर दिल्ली। 51।
 - श्री सन्तोष गुब्बर, निवासी 3 जयपुरिया बिल्डिंग, कमला नगर कोल्हापुर रोड, दिल्ली-7 ।
 - 4 श्रीमती रक्षा देवी निवासी सी-7/11 फुष्ण नगर विरूली-51।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारियां करन हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इएदा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ाडीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रमें होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्राप्तर्टी नं० 171-ई० तादादी 130 वर्ग गज, खसरा नं० 1133/370 ग्राम झिलमिला ताहिरपुर, आधादी क्र गनगर हालोनी फेंड्प कालोनी, गली नं०-8 इलाका साहदरा दिस्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3 नई दिल्ली

तारीख: 13-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

सायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायिलय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण, रोहतक

रोहसक, दिनांक 19 अक्तूबर 1983

निदेश सं० पानीपट/285/82-83—अतः मुझे, आर० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 2 कनाल 12 मरले है तथा जो उग्रा खेड़ी, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनिय्म के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती वर्णन देवी पत्नी श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री विशान स्वरूप निवासी 216/2, पानीपता

(अन्सरक)

(2) मैं० सुपर फिनिसर्स, सानोली रोड, पानीपत द्वारा : श्री अनिल भण्डारी पुत्र श्री राज कुमार, निवासी पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 2 कनाल 12 मण्ले उम्रा खेड्री, पानी ५ त में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजीस्ट्री सं० 6444 दिनांक 21 फरवरी, 1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

सारीख : 19-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जं न रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अक्तूबर 1983 निदेश सं० पानीपत/286/82-83-अतः मुझे, आर० के॰ भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 4 कनाल 1 मरला है तथा जो उग्रा खेड़ी, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधन, तारीख फरवरी, 1983

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुब्धा के निए: और/वा
- (ब) एसी किसी बार पाति हो धन दे। अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात :---

(1) श्रीओम प्रकाश पुत्र श्री गंगा सागर पूत श्री हरजी लाल, मकान नं० 92 एल, माडल टाऊन, पानीपता।

(अन्तरक)

(2) मै० सुपर फिनिसर्स, सानोली रोड, पानीपत द्वारा श्री अनिल कुमार भण्डारी, पुत्र श्री राज कुमार, श्री विजय कुमार पुत्र श्रीवेद प्रकाश पूत्र श्री बिशन स्वरूप. निवासी पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

.उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकिंस व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर इक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्यच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो इक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल 1 मरला उग्रा खेडी, पानीपत में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्दीकर्ता के कार्यालय, पानीपत मे रजिस्ट्री सं० 6537 दिनांक 25 फरवरी, 1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रौहतक

तारीख : 19-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप भ्राई • टी • एन • एस ०

श्रायकर ग्रधिनिथम, 1961 (1961 का 43) धारा 26% घ (1) के ग्रधीन सुचृता

भागः सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्तूबर 1983

निदेश स० पानी ^एसं/ 290/82-83--अत मृझे,

आर० के० भयाना

स्नायकर कथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसम् इसके पश्चात उक्त अधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-स् के अधीन मक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वाम करते का कारण. है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रुपए में अधिक है

और जिसको स० भूमि 4 कनाल 1 मरला है तथा जो उग्रा खेड़ा, पानोपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्क्ती अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्मति ह उचित्र बाजार मूल्य से कम वे दृश्य-मान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुख्ये यह तिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीडिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) है बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखा उद्देश्य में अन्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक म्हण ने कथित नहां किया में है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्य भे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् :——9—346GI/83

(1) श्रीमतो रशेना देवा पत्नी श्रो राम कुमार पुत श्री लक्ष्मो चन्द, निवामी 92 एल० माडल टाऊन, पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) मैं० फिनिशर्स, सोनोली रोड, पानापत द्वारा : श्रो अनिल कुमार भण्डारी पुत्र श्री राज कुमार, पानीपत श्री विजय कुमार पुत श्री वेद प्रकास पुत श्री विशन स्वरूप, निवासी पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां . करना हं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्तन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति भूमि 4 कनाल 1 मरता, उग्रा खेड़ी, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री सं० 6669 दिनांक 7 मार्च, 1983 पर दिया है।

आर० के० भयाना ःसक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्प (निरीक्ष्ण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 19-10-1983

. प्ररूप बाहें. टी. एत. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहनक, दिनाक 19 अक्तूबर 1983

निदेश स० पानीपत/318/82-83-अत. मुझे, आर० के० भयाना

नायकार भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीम सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000/- रा. से निधक हैं

और जिसकी स० भूमि 2 बीघा 10 विष्वे विश्वानी है सथा जो तरफ राजपूताना, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध नुसूची में और पूग्र रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1983

को प्योंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्यक्यमाम प्रतिकल का पन्प्रह प्रविचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्ति में वास्तिवक क्य से किंदित महाँ किया चवा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिल्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधीनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) नै अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री तुलसीदास पुत्र श्री जैसा राम, निशासी माडल टाऊन, पानीपस ।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री विषय कुमार पुत श्री राम निवास पुत श्री मातू राम , निवासी जी० टी० रोड, पानीपत । 3/4 भाग । 2 श्री अनिल कुमार पुत

श्री अनिल कुमार पुत्र श्री खुशहाल चन्द पुत श्री सीता राम, नि० गीता मन्दिर क्षेड, पानीपत ।

(अन्सरिती)

का ग्रह स्थाना चारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनते सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पाककोक स्पः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिर्गनसम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 2 बीघा 18 बिश्वे 10 बिश्वानी तरक राजपूताना पानीपत में स्थित है जिसका क्षिवरण रिजस्ट्राकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्री स० 6468 दिनाक 22 फरवरी, 1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजन रेज, रोहसक

तारीख: 19-10-198

मोहर .

प्रकृष : माइ . टी . एम् . एस् . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोष्ट्रतक

रोहतक, दिनांक 19 अक्तूबर 1983

निदेश सं० पार्न।पत/319/82-82--अतः मुझ, आर० के० भयाना

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स्रे॰ भूमि 2 बीर्घ 15 विष्ये 10 विश्वानी है तथा जो तरफ राजपूताना, पानीपत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पानीपत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हुं भारतीय भायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए जा, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अयः, उत्तर अधिनियमः. की धारा 269-ग के दमुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीकर्मनारायण पुत्र श्री जुलमीदास पुत्र श्री जैसा राम, निवासी माडल टाऊन, पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्न
श्री राम निवास पुत
श्री मातू राम,
निवासी जी० टी० रोड,
पानीपत माफत
में सर्वो टैनस,
जी० टी० रोड,

(अन्तरिती)

को यष्ट्र सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता धुने।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्थित्सयों पर सूचना की तासीश से 30 विन की सर्वीध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थासत्यों में से किसी स्थित व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त व्यक्तिमम् के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 2 बोघे 15 विस्वे 10 विश्वानी तरफ राजपूताना, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 6469 विनांक 22 फरवरी, 1983 पर दिया है।

आर० कें,० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

ारीख: 19--10--1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अक्तूबर 1983

नदेण न० पानीपत/320/82-83--अतः, मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 2 कनाल 12 मरले हैं तथा जो उग्रा खेड़ो, पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पानीपत में रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् है— (1) श्रो यशपाल मित्तत्र पुत्न श्री बाबू राम मित्तल, पुत्र श्री बिशन स्वरूप, निवासी भित्तल भवन, जी० टी० रोड, पानीपत है

(अन्तरक)

(2) मैं० सुपर फिनिशर्ज, सानोली रोड, पानीपत द्वारा : श्री राजीय तुली पुन्न श्रीओ० पीं० तुली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयानस शब्दो और पदो का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 हनाल 12 मरले 12 उग्रा खेड़ी, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक निवरण रस्स्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत मे रजिस्ट्री सं० 6257 दिनांक 10 फरवरी, 1983 पर दिया है ।

> आर के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा : 19-10-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च. टी. एन्. एस. -- -----

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 अक्तूबर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4821----अतः मुझो, जो० एल० गि^{..} ६२

प्रायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्वानर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृश्य 25,000/-क्षण से प्रधिक है

और जिसकी सं/० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव शेख में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, मलौट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है कोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंगपूर्विक्त मंगिति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रश्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के शीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उपत प्रस्तरण लिखित में वास्त-धिक का से कथिन नहीं किया गया है:-

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी पाप की बाबत उपत प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रम्तरक के बायित्व में कश्री करने या उससे बचने में सुविधा के किए। सीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अथ, उक्त अधितियम की धारा 269-ए के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित अधिकत्यों, अधीत् ध—

(1) श्री तेजा मिह श्री कुलवन्त सिह पुत श्री धन्ना सिह गांव शेखू, तहसील मलोट।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह सुन्न श्री विशन सिंह और श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी श्री दर्शन सिंह, श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी निरंजन सिंह, श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी निरंजन सिंह और मुख्तयार सिंह श्री विशन सिंह और श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी श्री मुख्तयार सिंह वासी ग्राम कर्म पट्टी, तहसील मुन्तसर, जिला फरीदकोट ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति, के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या उतसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय देवारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त इ.च्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2298 दिनांक फरवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तलौट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 11-10-1983

प्ररूप आह. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अक्तूबर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4744/---यतः, मुझे, जै० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-- इपये से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जाल-धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संग्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी अपने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, ज्निह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम प्रकाण पुत्त
श्री सोहन लाल,
वासी प्रकाण इण्डस्ट्रीज, टांडा रोड,
जानन्धर ।
मुख्तार-ए-खाम श्रीमती ईक्ष्यर कौर पत्नी
श्री करम सिह,
वासी बकर कोटेज,
रेलवे रोड,
जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैससे मदन इण्डस्ट्रीज, टाडा रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति मकान एरिया 2 कनाल जो नजदीक नागरा, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 7356 चिनांक फरवरी, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-10-83

माहुरु 🛭

प्रकप बाइ . टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर वायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/253/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 बिल्डिंग ए,-शे खंडा पूना-6 (क्षित्र 790 स्केयर फीट) हैं तथा जो पूना-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 849 तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से सुधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से बचने में सुविधा के लिए, आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० के० प्रोमोटर्स, 58/ए, कस्तुरबा हाऊसिंग मोलाइटी, पूना-15 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीओम प्रकाश एस० गुप्ता, क्लस आबडी रोड, पूना-15 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शुट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, बिल्डिंग नं० ,'ए', येंखड़ा, पूना – 6। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 849/फरवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

तारीखा : 6--10-1983

प्ररूपः बार्षः टी. एत्. एस., -----

नायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एणाक्ष्यम

कोचीन-16, दिनाक 19 अक्तूबर 1983

निदेश स० एल० सी० 662/83-84--अतः, मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फोर्ट कोचीन है तथा जो कोचीन में स्थित है (और इसमें उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोचीन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के नारीख 1 मार्च, 1983 और 2 मार्च, 1983

को पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथिश नहीं किया गया है ।——

- (क) अतरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1⁾ के अधीन,, निस्तिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीपी० जे० तोमसा

(अन्तरक)

(2) कुमारी महिलका पाषा और महापाषा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्स्ची

उप-रिजस्ट्री कार्यालय, कोचीन, तारीख 1 मार्च, 1983 और 2 मार्च, 1983 के दस्तावेज स० 665 और 672/83 के अनुसार फोर्ट कोचीन विलेख में नं० 19 भें 60 सेंट्स भूमि के साथ एक मकान सं० 1/271।

पी० जे० तोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एर्नाकुलम

तारीख : 19-10-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2128——अतः मुझे, मोहन सिंह

वायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 64 ए है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाश्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख 21 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्ते अन्तरण सिम्बत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--10—346GI/83 (1) श्रोलादूराम धोलका पुत्र श्रीकेशवलाल जी, घी वालो, का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) कुमारी नम्नता सक्सेना पुत्री श्री अशोक कुमारससेना, एडवोकेट द्वारा संरक्षक श्रीमती कीर्ति सक्सेना, पानों का दरीबा, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या मत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया :या है।

भनुसूची

प्लाट नं० 64 ए स्थित प्रियदर्शी मार्ग, तिलक नगर, मोती इंगरी, रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 332 दिनांक 21 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकथ पक्ष में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख : 13-10-1983

प्रकर्म आई. टी. एन एस. ----

आयकर जीधनियज, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-घ (1) के अधीन स्चना

पाइत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश मं० राज०/सहा० आ० आर्जन/2129—अतः मुक्ते, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट न०-बी-22 है तथा जो जयपुर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, जयपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मं, मंं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण उपधारा (1` के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री भवानीप्रसाद पुत श्री रतन जाल पवार, जे⊶51, कृष्णा मार्ग, मीस्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाण चन्द्र पुत श्री मदन लाल अग्नवाल, निवासी बी-22 ए, सुभाष नगर, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना, की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित - १० बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के । पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 29-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० बी-22ए, सुभाष भार्ग, जयपुर का 40 प्रतिशत भाग जो 'उप पजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 373 दिनांक 21 फरवरीं, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न मे और विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रें**ज, **जयपुर**

तारीख . 14--10--1983 मोहर प्ररूप आई .टी.एन.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनाक 13 अक्तूबर 1983 निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2130--यसः

मुझ, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० बी-29 है तथा जो जयदुर में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण हर से विणित है), रिजस्ट्रोक्ती अधि गरी के दार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 8 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाबार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीहिक्त किया निम्नितिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दन्ने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विभा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रतन लाल पुरोहित पुत श्री मोतो लाल पुरोहित, मुख्तयार आम श्री सुमेर सिह पुत श्री जानी सिंह, ग्राम चावड़हैंडा, तहसील दौसा जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री लंगूरिया राम पुत श्री घनश्याम दास जी अग्रवाल, डी-27, नाहरी नाका, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी कर के पूर्वाक्त सपित्त के अर्थन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया करता है।

उन्त प्रमासि के पर्जन के सबंब में डाई भी आहाँ ।---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं कि सी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अससची

मकान नं० बो--29 स्थित नाहरी का नाका, जयपुर जो उपपंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 245 दिनाक 8 फरवरी, 1983 परपंजीबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 13-10-83

प्ररूप **जाइ** . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांश 13 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2131—स्यतः,मृझे मोहन, भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रत. से अधिक हैं और जिसकी मं० प्लाट नं० ई०-188 है सथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपूर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 फरवरी 1983 का प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ज़्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर सिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया सबा था या किया काना चाहिए था, जियाने में सुनिधा के सिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक मों., मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री बृज मोहन साबू पुत्र श्री राम स्वरूप महेश्वरी, प्लाटनं० ई-188, अम्बा बाड़ी, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा अग्रवाल पत्नी श्री रमेश चन्द्र, ई-188, अम्बा बाड़ी,एक्सटेंशन स्कीम, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवाँक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ... तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षब्यों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसुची

प्लाट नं० ई-188, स्थित अम्बा बाड़ी एक्सटेंशन, स्कीम जयपुर जो उपपंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 273 दिनांक 8 फरवरीं, 1983 पर पंजीबद्ध, विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख : 13-10-83

प्रकथ आई. टी. एन. एस.-----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 14 अक्तूबर 1983

् निदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/2132—अतः

मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित कावार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो भीलवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, भीलवाड़ा में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

को पूर्वाक्त सपित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित नाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धररा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) भ गिरधारी लाल पुहर-श्री फूलबन्द, निवासी भीलवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रह्लाद कुमार पुत श्री मोहन लाल स्वर्णकार, निवासी चिल्लीकुगढ़।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्लोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्भ किसी बन्य म्यक्ति व्वारा अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्स्यी

भीलवाड़ा वें वार्ड नं० 5 तालाब रोड पर स्थित मकान में हिस्सा जो उप पजीयक, भीलवाड़ा द्वारा फरवरी, 1983 में पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृप्त रूप से विवर-णिक्ष हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निसीक्षण) अर्जन रैंज, जयपुर

तारी**ख** . 14-10-1983 मोह्र : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निषेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2133---अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख-के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है सथा जो भीलवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, भीलवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल सं, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रो गिरधारी लाल पुत्र श्री फूलबन्द, निवासी भीलवाड़ा ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती लीला देवी पन्नी श्री लक्ष्मण कुमार जी आर्य, स्वर्णकार, निवासी सावर, जिला अजमेर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

वार्ड नं० 5, तालाब रोड, भीलवाड़ा में स्थित सम्पत्ति का तीसरा हिस्सा जो उप पंजीयक, भीलवाड़ा द्वारा क्रय माह फरवरी, 1983 में पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-10-1983

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस. ------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के बधीन स्मना

भारत सरकार

कॉर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०अर्जन/2134---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट का भाग है तथा जो भीलवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीलवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित पे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण् में. में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतु:-- (1) श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री फूलचन्द निवासी भीलवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामेरी बाई पत्नी श्री सोहन लाल स्वर्णकार निवासी चित्तौड़गढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

वार्ड नं० 5; तालाब रोड मुनारों का मोहल्ला में स्थित मकान सम्पत्ति में भाग जो उप पंजीयक, भीलवाड़ा द्वारा माह फरवरी 1983 में पंजीबद्ध विकय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपर

सारीख: 13-10-1983

प्ररूप बाई • ही • एन • एस • ---

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यासय , सहायक मायकर कायूक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2135—यतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं ई-188 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 फरवरी 1983

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपेल्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे एरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियंम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियंम, या धन-कर अधिनियंम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे किए:

बतः वस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बुजमोहन साब् पुत्र श्री राम स्वरूप महेण्वरी प्लाट नं० ई-168 अम्बा वाड़ी जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊपा अग्रवाल पन्नी श्री रमेश चन्द्र-ई-188 अम्बा बाड़ी एक्सटेंशन स्लीम जक्परंर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के गीतर उका स्थावर सम्बत्ति में हिल्लवाड़ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधांहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकीं।

स्पच्छित्तरणः — इसमें प्रयुक्त सच्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्र्ची

ण्लाट नं० ई-188 स्थित अम्बा बाड़ी एक्सटेंशन स्कीम जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम सं० 206 दिनांक 8 फरवरी 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

शारीख: 13-10-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर-विनांक 13 अक्तूबर 1983

निर्देण सं० राज०/सहा० आ० अर्जन /2136--यतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है:

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी-22 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जयपुर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है...-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिदिध्य के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:——
11—346GI/83

(1) श्री भवानी प्रसाद पुत्न श्री रतन लाल पवार, जै-51, इंटणा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत
 श्री राम प्रसाद,
 बी 22/ए, मुभाष नगर,
 जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित म विग् जा सकैगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुव्ध शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मैं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

60 प्रतिशत भाग, प्लाट नं० बी-22 स्थित सुभाष नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम स० 372 दिनांक 21 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र मे ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 13-10-1983

प्रकृप आहा, दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2137--अतः, मुझे, मोहन सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विस्वास करने का करण है पि स्थावर सम्पितन, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० एक तिहाई सम्पत्ति है तथा जो भीलवाडा में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीलवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की तालन उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:----

(1) श्रो जमन लाल पुत्र श्री फूलचन्द स्वर्णकार, निवासी भीलवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार श्री छिनर मल, गुदीपाड़ा, चित्तौडगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मुनारों के मन्दिर के पास, जूनावास, भीलवाडा में स्थित सम्पत्ति का तोसरा भाग जो उप पंजीयक, भीलवाड़ा द्वारा फरवरी, 1983 में पंजीबद्ध विक्रय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणर) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-10-1983

मोहर 🤃

प्ररूप आइ'.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यानय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2138--अतः, मुझो, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-पा के भ्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो भीलवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूर्व। में और पूर्ण, रूप से वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीलवाड़ा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अप्रतिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है ...-

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में स्विधा के जिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री जमना लाल पुत्र श्री फूलचन्द स्वर्णकार, निवासी भीलवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री छीतर मल पुत्र श्री बक्षी राम, गुदीपाझा, चित्तौडुगढ ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृश्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जूनावास, सृतःरों के मिन्दर के पास स्थित मकान सम्पत्ति का तीसरा भाग जो उप पंजीपक, भीलवाडा द्वारा माह फरवरी, 1983 में पंजीबद्ध विकथ पत्न में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जबपुर

तारीख: 13-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक १३ अक्तूबर १६८३

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/२१३६——अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो भीलवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूपसे विज्ञात है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीलवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १६०८ (१६०८ का १६) के अधीन, तारीख फरवरी, १६८३

को पूर्वोक्षत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) ग्रन्तरण ने तुई किसी भ्राय की क्षावत सकत अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या या किया शांश वाहिए था छिमाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (१) श्री जमन लाल पुत्र श्री फूलचन्दं स्वर्णकार, निवासी भीलवाडा ।

(अन्तरक)

(२) श्री गोवर्धन लाल पुत्र श्री छीतर मल, गुन्दीपाड़ा, चित्तौड़गढ़ ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करवें पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पर्व्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्योग 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जूनाबास, सुनारों का मन्दिर के पास, भीलवाड़ा में स्थित मकान सम्पत्ति का एक तिहाई भाग जो उप पंजीयक, भील-वाड़ा में द्वारा माह फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकथ पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : १३-१०-१६५३

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - - - ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनाक 14 अक्तूबर, 1983

निदेश स० राज०/सहा० आ० अर्जन/2142——अतः मुझे, मोहन सिह्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वत व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---

(1) श्री ललित मोहन बिजलानी पुत्र श्री मोहन लाल बिजलानी, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री विनेश पुत्र श्री रामचन्द्र एवं श्रीमती जानकी पत्नी श्री दिनेश अग्रवाल, राखी हाऊस, जोधपुर।

(अन्ति रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक़्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जरे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए, रेजीडेसी रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 456 दिनांक 14 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न मे और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख : 14-10-1983

प्ररूप बार्ड .टी .एंग . एस : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश मं० राज०/महा० आ० अर्जन/2141—अतः मुझे, मोहन सिंह

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क.र्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण प्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 फरवरी, 1983

को प्वांवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बस्स कास्सियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर किसीनयम, 1922 (1922 का · 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् ६(1) श्री शम्भू, श्री प्रेमचन्द, श्री जयसिंहानी, पुतानी श्री प्रेमचन्द जी० पी० ए० श्री लिलत मोहन बिजलानी, 1/3ए, विक्रम विहार, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जानकी एवं बसन्ती गुप्ता द्वारा श्री कृष्ण स्टोर्स, स्टेशन रोड, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या

वमृसुची

प्लाट नं० सी स्थित रेजीडेंसी रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 486, दिनांक 15 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत् रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-10-1983

मोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 अन्तूबर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2142--अत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री लिलित मोहन बिजलानी
पुत्र श्री मोहन लाल जी
जी० पी० ए० श्री शम्भू श्री प्रेमचन्द जी.
निवासी 1/3ए, विक्रम विहार-4
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमली बसन्ती पत्नी
श्री जे० गुप्ता
निवासी सिधी कालोनी
जोधपुर एवं श्री दिनेश अग्रवाल
पुत्र श्री राम चन्द्र जी,
राखी हाऊस,
जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यब्दिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

वनसूची

प्लाट नं० बी स्थित रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम सं० 485, दिनांक 15 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-10-1983

प्रकाप आई, टी एन. एस. ------

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व् (1) के नुधीन सुवृता

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1983 निदेश मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2143—अतः मुझे, मोहन सिंह,

नार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 276 ए है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंग की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रीमती आनन्द कंवर पत्नी श्री प्रभुदयाल माथुर संग्राम कालोनी. जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र दयाल पुत्र श्री देवी लाल माथुर निवासी सरदारपुरा 4-वी रोड जोधपुर।

(अन्त(रती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

अनुसूची

प्लाट नं० 276 ए, स्थित 4, बी रोड. सरदारपुरा जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 334, दिनांक 1 फरवरी 1983 परपंजीवक विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

तारीख : 14-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2144—अत: मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13 ए है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26 फरवरी 1983

को पृत्रोंक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल स्वितियों, अर्थात् :— 12—346GI/83 (1) श्री मोहन सिंह पुत श्री चान्द सिंह, श्री सावत सिंह एवं श्री भोपाल सिंह मुख्तायारे औम श्री महेशचन्द्र पुत श्री आनन्द चन्द भी मेहता. जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द चन्द मेहता पुत्र श्री परबत चन्द मेहता, मेहरों का चौक, नया बांस, जोधपुर ।

(अन्तरिति)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 13 ए स्थित शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं 663, दिनांक 26 फरवरी 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

तारीख: 14-10-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्सूबर 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2145—अतः, मुझे मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट वं० 13 बी है तथा को जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूधी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों), के यीच एसे बन्तरिय कहे बिए तय पास्त गया प्रतिकान, निक्ति किस्ति उद्दर्श के उसके कन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथिक नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त सीधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/क
- (का). एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया कान चाहिए था, स्थिपन में स्थिभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मोहन सिंह एवं
श्री सावत सिंह मुख्तयार :
श्री महेशचन्द पुत श्री आनन्द चन्द मेहता निवासी जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेणचन्द मेहता पुत्र श्री आनन्द सिंह मेहता महरों का भौक नया बांस. जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूबना बारी करके प्रकीश्त प्रशाल के श्रवीन के लिए कार्यशाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्मति हे प्रवेंत के सम्बन्ध में कोई भो ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इप त्कता के राजपत में प्रशासन की तारी कसे 4.8 विन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दितकद किसी अभ्य व्यक्ति बारा, भवोद्दलावारी के पास सिखित में किए जा प्रकेंग

क्ष्यब्दी हरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वही अर्थ होना जो उस धन्याय में विया गया है।

मनुस्थी

ण्लाट नं० 13 बी पर स्थित मकान भास्त्री नगर जोधपुर जो उपपंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम सं० 664 दिनांक 26 फरवरी 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपूर

-तारीख : 14—10~1983

माहर:

प्ररूप: आई. टी. एन: एस: -----

जाबकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर विनांक 15 अक्तूबर 1983

आदेश संख्या राज०/महा० आ० अर्जन/2146--अतः, मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीम सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इसमें उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याः य जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्वह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अशोक काक पुड़ श्री प्रताप नारायणजी काक द्वारा मुख्तार श्री तेजनारायण पुत्र श्यामनारायण जी काक नि० जोधपुर ओवरसीज प्रोजेक्ट आफिसर एसोसियटेड सीमेन्ट कम्पनीं बम्बई।

(अन्तरक 🌶

(2) श्रीबाल किशन पुत्र श्रीकुन्दनमल जी बोरानापुलिस लाईन्स के सामने रतनाड़ा जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, कें भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

चान्द्रपोल चौक, जोधपुर में स्थित सम्पत्ति जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा कम संख्या 685 दिनांक 28 फॅरवरी 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15 अक्तूबर 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्सूबर 1983

आदेश संख्या राज०/सहा०आ०अर्जन---2147---अतः मुझे, मोहन सिंह

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 फरवरी 1983

को पूर्वे क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अशोक काक पुत्र श्रीप्रताप नारायणजी काक द्वारा श्री तेजनारायण पुत्र श्री क्याम नारायणजी नि० जोघपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रमलजी पुत्र श्री कुन्दनलाल, बोराना, पुलिस लाईन के सामने, रातानाड़ा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

चान्दपोल चौक में स्थित सस्पत्ति जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 688 दिनांक 26 फरवरी, 1983 पर पंजीबद विऋय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीखाः 14 अक्तूबर 1983

प्ररूप बाई.टी एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्तूबर 1983

आदेश संख्या राज०/सहा०आ०आर्जन/2148--अतः, मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है

और जिसकी संख्या मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्प स विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण में नियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनाक 26 फरवरी 1983

को पूर्वो क्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य उसके छ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतिरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन किनिन किन्न व्यक्तियों, अर्थात् हरूरू

(1) श्रीअशोक क्राकपुत्र प्रतापनारायण जी क्राक द्वारा मुख्तार श्रीतेज नारायण पुत्र श्यामनाथ जी जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कुन्दनलाल पुत्र मुथालाल बोराना पुलिस लाईनि के पास रातानाड़ा, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

चान्द पोल चौक, जोधपुर में स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 687 दिनांक 26 फरवरी 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज जयपुर

नारीख: 15 भक्तूबर 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर जामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 अक्तूबर, 1983

आदेण संख्या राज०/सहा०आ०अजन/2149-- अस , मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च.न उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए। से अधिक है

और जिपकी सख्या मकान सम्पत्ति है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इन उनाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारों के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 26 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके इरममान प्रतिफल से, एसे इरम्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :----

- (1) श्री अशोक काक पुत्र प्रताप नारायण काक वारातेज नारायण पुत्र श्यामनाथ जोधपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री जोहरीलाल पुत्र श्री कुन्दनमल. जी, बोराना, पुलिस लाईन्स के सामने, रातानाझा, जोधपुर।

(मन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्शिक्त संपरित के अर्थन के निष्कित कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोइ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साम में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया शया है।

जन्स्ची

सम्पत्ति स्थित चान्दपोल चौक, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 686 दिनांक 26 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 15 अक्तूबर, 1983

मोहरः

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 19 अक्तूबर, 1983

आदेश संख्या/राज०/सहा० म्रा० अर्जन/2150—अतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी संख्या ई-7 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की धावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्ज प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्री जुगल यक शोर पारीक पुन्न श्री नारायण लाल पारीक नाहरगढ़ रोड, नीम ड़ी की पुलिस चौकी, पुरार्ना बस्ती, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अयोध्या प्रसाद खण्डेलवाल, ई-7, शास्त्री नगर, जयपुर।

(ग्रअन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ताट नं७ ई-7, गास्त्री नगर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 328 विनांक 21 फरयरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 19-10-1983

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्तूबर 1983

आदेश संख्या राज०/महा०आ० अर्जन/2151—अतः मुझे, मोहन सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार गृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 फरवरी, 1983

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का .11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के नधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती अमरजीत कौर विधवास्व० श्री प्यारेसिंह बाबरा बहसियत संरक्षिका उनके पुत्न श्री पृथ्वीपाल सिंह पुतियां अभिताभ कौर, अमृत कौर बाबरा, पमनदीप कौर निवासी उदयपुर।

(2) श्रीमती ऊषा सरूपरिया पत्नी तेजसिंह सरूपरिया द्वारा उदयपुर गैरेज, जनरल होर्सपटल के सामने, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

6658 वर्गफुट जमीन का बारवां हिस्सा, पंचवटी, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 418 दिनांक 26 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15 अक्तूबर, 1983

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

जाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्तूबर 1983

आदेश संख्या राज०/महा०आ० अर्जन/2152--अतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 फरवरी, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
13—346 GI/83

(1) श्रीमती अमरजीत कौर विधवा स्थ० सरदार प्यारे सिंह बाबरा बहसियत संरक्षिका उनके पुत्र पृथ्वीपाल सिंह पुल्लियां अभिताष कौर, अमृत कौर एवं पमनदीष कौर निवासी उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा सक्ष्परिया पुत्री श्री किणन सिंह सक्ष्परिया द्वारा उदयपुर गैरेज, जनरल होस्पिटल के मामने, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

6658 वर्गफुट भूमि का बरहवां हिस्सा, पंचवटी, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम संखरा 422 दिनांक 8 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीखाः 15 अक्तूबर, 1983

मोहर 😗

प्ररूप आइ. टी. एत. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्सूबर 1983

आदेण संख्या राज०/महा०आ० अर्जन/2153—अतः **मुझे** मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है नथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे, उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 फरवरी, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उम्मित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उम्बत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनिसस, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित : --- (1) श्रीमती अभरजीत कौर विधवा स्व० सरक्षार प्यारे सिंह बाबरा बहैसियत संरक्षक उनके पुत्र श्री पृथ्वीपाल सिंह, पुत्रियां अभिताष कौर, अमृत कौर एवं पमनदीप कौर निवासी उदयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री किणन सिंह सम्परिया पुत्र श्रो खुबीलाल जी निवासी जदयपुर गैरेज, जनरल होस्पिटल के सामने, जदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप, यदि हो तो :---

- (क्र) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति युवारा अथोहस्ताक्षरी वे पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्मक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुसुची

भूमि 6658 वर्गफुट जसीन का बरहना हिस्साजो उपपंजीयक, उध्यपुर द्वारा ऋम संख्या 406 दिनांक 24 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीखाः 15 अक्तूबर 1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1983

आर्षेण सं० राज/महा आ० अर्जन /2154---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेंदेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 फरवरी 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्षेत्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिस्ति व्यक्तियों, क्योत्:—

- (1) श्रीमती अमरजीत कौर विश्ववा स्व सरदार प्यारे सिंह बाबरा बहैसियन संरक्षक उनके पुत्र पृथ्वीपाल सिंह एवं पुत्तियां अभिताप कौर अभृत कौर एवं मनवीप कौर निवासी उदयपुर (अन्तरक)
- (1) श्री पुनीत कुमार सहपरिया पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह ब्रारा सरक्षक श्री महेन्द्रसिंह द्वारा उदयपुर गैरेज, जनरल अस्पनाल के सामने उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शस्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

6658 वर्ग फुट जमीत का बारवा हिस्सा स्थित पंच वटी उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम स० 419 दिनांक 25-2-1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणीय है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 15 अक्टूबर, 1983

माहरू 🌣

प्रक्षम बाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर,, दिनांक 15 अक्टूबर 1983

आदेण सं० राज /सहा०/आ० अर्जन/2155—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से श्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24 फरवरी 1983

को प्वाक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जावकी बावता उक्त मिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भायाकियाजानाचाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाराँ (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

(1) श्रीमतो अमरजीत कौर विधवा स्वर्गीय श्री प्यारे सिंह बाबरा बहैसियत उनके पुत्र पृथ्वी पाल सिंह एवं पुत्रिया अभिताष कौर, अमृत कौर एवं पमनदीप कौर निवासी उदयपुर

(अतरक)

(2) श्रीमती मंजू पत्नि श्रीनरेन्द्र सिंह सम्परिया बारा उदयपूर गैरेज जनरल हस्पताल के सामने उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके प्**वॉक्त सम्पृत्ति को वर्जन को सिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित मे किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

नगुसूची

6658 वर्गफुट भूमि का बारवां हिस्सा जो पंचवटी, उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा पंजिबद्ध विकय पत्र संख्या 403 दिनांक 24-2-83 और विस्तृत रूप से विवरण्ति है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख 15-10-1983

प्रकप काई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

नारव चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनाक 14 अक्टूबर 1983

निदेश सं० राज०/ सहा० आ० अर्जन/2156— यतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुट से अधिक है

्रुऔर जिसकी स० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है , (अर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रेजिस्ट्री-कर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 फरवरी 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतुरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे दचने में सूबिभा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती अमरजीत कौर विधवा स्व श्री सरदार प्यारे सिंह बाबरा बहैसियत श्री पृथ्वीपाल सिंह एवं पुद्धियां कुमारी अभिताष कौर, श्रमृत कौर एवं पमनवीप कौर नि० उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनोहरा पुत्नी श्री किशनसिंह जी सर-परिया द्वारा उदयपुर गैरेज, जनरल होस्पिटल के सामने उदयपुर।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:~

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

मनुसूची

भूमि 6658 वर्गफुट का बाहरवां हिस्सा जो पंजवटी, उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक उदयपुर द्वारा कम सं० 420 दिनांक 26 फरवरी 1983 पर पंजिबद्ध विक्रया पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर तआयुक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

ता रेख: 14 अन्दूबर 1983

मोहर 🛭

प्रकृष भार्षः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 14 अक्टूबर 1983

आदेश सं०: राज॰/सहा॰आ॰ अर्जन/2157—यतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिते बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इसमे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके सस्यमान प्रतिफल से एसे सस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विभा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती अमरणीत कौर विधवा स्वर्गीय श्री सरदार प्यारे सिंह बाबरा बहैसियत संरक्षिका उनके पुत्न पृथ्वीपाल सिंह पुतियां कुमारो अभिताष कौर, अमृत कौर एवं पमनदीप कौर निवासी उदयपुर

(अन्सरक)

(2) कुमारी लीला पुती श्रीविशन सिंह सहपरिया द्वारा उदयपुर गैरेज जनरल अस्पताल के सामने, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रेकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

6658 वर्गफुट जमीन का बारहवां हिस्सा जो उप पंजीया उदयपुर द्वारा कम संख्या 404 दिनांक 24-2-83 पर पंजिबद्ध विक्रम पत्न में ओर विस्तृत रुप से विवरपित हैं)

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाहक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख .- 14 अक्टूबर . 1983 मोहर: प्र**रूप मार्ड**. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत सूरकार

कार्यासय, सहायक भागकर भागुक्त (निडीक्षण)

अर्जन रेज जयपुर

जयपूर दिनाक 14 अक्टूबर 1983

निवेण सं० राज०/ सहा० आ० अर्जन/ 2158---यत: मुझे मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक है

और जिनकी स० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है भीर रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 फरवरी 1983

को पूर्वों बत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ह संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई अिसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा है लिए.

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्रीमती अमरजीत कौर विश्ववा स्व० सरदार प्यारे सिह् बाबरा बहुत सरक्षक उनके पुत्र पृथ्वीपाल सिह् पुत्रिया कुमारी अभिताप अमृत कौर एव पमनदीप कौर, निवासी उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) कुमारी हरपा सक्रपरिया पुत्नी तेज सिंह द्वारा मरक्षक श्री नरेन्द्र सिंह उदयपुर गैरेज जनरल होसपिटल के सामने, उदयपुर ।

(अन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरै पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मगुस्ची

6658 वर्गफुट आबादी भूमि का बारहवा हिस्सा जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम सख्या 407 दिनांक 25 फरवरी 1983 पर पणिबद्ध विकया पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 14 अक्टूबर 1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 14 अक्टूबर 1983

आदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/2159 -यतः मुझे मोहन सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उदयपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 फरवरी 1983

को पूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती अमरजीत कौर विधवा स्वर्गीय श्री प्यारे बाबरा वहैं(सेयत संरक्षक उनके सिंह प्थ्वीपाल सिंह एवं पुत्रियां कुमारी अभिनाप अमृत कौर एवं पमनदीप कौर निवासी उदयपूर

(अन्तरक)

(2) श्री विजय लक्ष्मी पत्नी श्री किणन सिंह जी मरुपरिया द्वारा उदयपुर गैरेज जनरल होस्पिटल के सामने उदयपूर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर युचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

6658 वर्गफुट जमीन का बारहवां हिस्सा स्थित पंचवटी, उदयपुर जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा कम सं० 1983 पर पंजिबद्ध विक्रयापत्न 405 विनांक 6 फरवरी में ओर बिस्तुत रूप से विवर्णित है

> मोहन उिह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीखा 14 अक्टूबर 1983 मोहर:-

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपूर दिनांक 14 अक्टबर 1983

आदेश मं० राज०/ हहा० आ० अर्जन/ 2160--यतः मुझे मोहन सिंह

क्षायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕- से अधिक हैं।

और जिसको सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कार्यालय के उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण. अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 फरवरी 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पह्ति का उचित बाज\र मुल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्षित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, मिधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरण के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा कोलिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---14-346GI/83

(1) श्रीमती अभरजीत कौर स्वर्गीय-श्री सरदार प्य सिंह बाबरा बैहसियत संरक्षिक। उनके पुत्र पृथ्वीपाल सिंह पुत्रिया अभिताष कौर अमृतकौर एवं पमनदीप कौर निवासी, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) कुमारी ऋतु सरुपरिया पुत्री तेज सिंह द्वारा संरक्षक श्री नरेन्द्र सिंह उदयपुर गैरेज जनरल, हास्पिटल के सामने, उदयपुर

(अतनरिती)

को यह सुचनाजारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सुचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन् में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

मण्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अनुसूची

6658 वर्गफीट भूमि का बारहवां हिस्सा जा पंजवटी में स्थित है और उप पंजियक, बारा ऋम मं० 402 दिनांक 24 फरवरी 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र और विस्तृत रूप से विवरपित है।

> मोहन सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

नारीख :- 14 अक्टूबर 1983 मोहर 🔞

प्रकथ आर्थ. टी. एन. एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 14 अक्टूबर 1983

आदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/ 2162—स्तः मुझे मोहन सिंहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी भूमि है तथा जो उदयपुर मे स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 8-2-1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमण प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं िक सी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन श्रद दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, था
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविभा के लिए;

- (1) श्रीमित अमरजीत कौर विधवा स्व० श्री सरवार प्यारेसिह बाबरा बहैसियत संरक्षिका उनके पुत्र पृथ्वीपाल सिंह पुत्रिया कुमारी अभिनाय कौर अमृत कौर एवं पमनदोप कौर निवासी, उदयपुर।
 (अन्तरक)
- (1) छत्रपति मरुपरिया पुत श्री तेज सिंह सरुपरिया द्वारा संरक्षक श्रीनरेन्द्र सिंह द्वारा उदयपुर गैरेज जनरल हास्पिटल के सामने, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किनी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीब के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया प्या है।

जनुसुची

6658 वर्गफुट जमीन का बारहवां हिस्सा पचवटी, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा दिनांक 8-2-83 को गिजबद्ध विक्रय पद्म में और विस्तृत रूप मे विवरणित है।

़ (मोहन सिंह) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख:-- 14-10-83 **मोहर**: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्टूबर 1983

आदेण संख्या: राज०/महा० आ० अर्जन/2163--यत: मुझे, मोहन पिह,

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 खा के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आबादों भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का पंन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रति-फम, निम्निल्चित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबृक रूप से किचत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियमं, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती अमरजीत कौर विधवा स्वर्गीय सरदार प्यारेसिंह बहक संरक्षक उनके पुत श्री पृथ्वी पाल सिंह एवं पुत्तियां अभिताष कौर, अमृत कौर एवं पमनदीप कौर, निवासी उदयपुर (श्रन्तरक)
- (2) आशा सरुपरिया पुत्री किशन सिह जी द्वारा उदयपुर गरेज जनरल हास्पिटल के सामने, उदयपुर (अन्तरीती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जनुको सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थण्डीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूमा है।

अनुसूची

6658 वर्गफुट भूमि का बाहरवाँ हिस्सा, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा दिनांक 8 फरवरी, 1983 1983 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14 अक्टूबर, 1983

प्ररूप् भाद्रं.टी. एन. एस. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के निभी स्वना

भारत त्रकार

कार्याचय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 14 अक्टूबर 1983

आवेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/2164—यतः मुझे, मोहन सिंह,

मायकर मििनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स मििनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है सथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 9 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरिती की गई है और मुभ्ने यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मैं नम्निसित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में मास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयम् के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्रीमती अमरजीत कौर बाबरा विधवां सरदार प्यारे सिंह जी निवासी उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र सिंह सरुपरिया, एच० यू० एफ०, श्रीमती चन्द्राबांई श्रीमती उपा देवी, श्रीमती लीला श्रीमती मनोहरा, श्री महेन्द्र सिंह, श्री किश्मन सिंह श्रीतेजसिंह श्रीमती विजयलक्ष्मी, श्रीमती मन्जू, कुमारी उपा एंव आशा द्वारा उदयपुर गैरेज, उदयपुर, । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मुर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि 1665 वर्ग फुट स्थित पंचवटी, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 264 दिनांक 9 फरवरी 1983, पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 14 अक्टूबर 1983

मोहरु 🛭

प्ररूप वार्ड. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2165---अतः मुझ मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णत है), राजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में राजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती जोगेन्द्र कौर विधवा स्व० श्रीष्यारे मिहबाबरा, निवासी उदयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र सिंह सरुपरिया

एच० यू० एफ० श्रीमती चन्द्राबाई,
श्रीमती ऊपा देवी,
श्रीमती लीला, श्रीमती मनोहरा,
श्रीमती महेन्द्रा सिंह,
श्रीबिशन सिंह, श्री तेज सिंह,
श्रीमती विजय लक्ष्मी,
श्रीमती मंजु, कुमारी ऊषा

एवं आणा द्वारा

उदयपुर गैरेज,

उदयपुर ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि 1665 वर्ग फीट स्थित पंचवटी, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम सं० 265 दिनांक 16 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख : 14-10-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

भायकरु अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर, 1983

आदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन /2166—यतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरुवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 फरवरी 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कै स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ના (લુલુ)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् हा--

- (1) श्री जान मोहम्मद पुत्र श्री फजल मोहम्मद मुसलमान महावतबाडी, उदयपुर (अन्तरक)
- (2) श्रो लक्ष्मोलाल, हुकम चन्द जैन, विजयसिंह चपलोत एवं श्रो कैलाश कुमार अग्रवाल आफ मैसर्स जैम मारवल इन्छिया प्राईवेट लि०, मुखेर, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

4 बीघा 15 बिस्वा भूमि स्थित सुखेर तह गिरवा जिला उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वांरा क्रम सं० 439 दिनांक 28 फरवरी, 1983 पर पंजिबड़ विकय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तोरीख: 14-10-1983

मोहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 20 अक्तूबर, 1983

आदेश मंख्या: राज०/महा० आ० अर्जन/2168--

यतः मुझे मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है क्षणा जो जोधपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यानय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन , नारीख 18 फरवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ष्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमः की धारा 269-गं के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —— (1) श्री मूलचन्द पुत्र श्री दाउलाल जी सीनी रावनो का बास जौधपुर।

(अन्तरक)

(2) स्वतत्र लक्ष्मी कोठारी पत्नी श्री जुगराजजी कोठारी, तुरजी, के झालरे के पास मानक चौक जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- ६ समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

प्लाट नं० 7 सोनी भवन, साथिन हाउस के पास पावटा रोड, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 515 दिनांक 18 फरवरी, है 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ओर विस्तृत रुप से विवरणित

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीखा: 20-10-1983

प्रकाश शाहि ती । एल । एस । '

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के संजीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अक्तूबर 1983

आदेश संख्या राज०/सहा०आ० अर्जन/2169--यनः मुझे, मोहन सिंह,

आयंकर समिनियन; 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'अन्त श्रिधिमधर्म' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है चि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुमूर्च, में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्द्रह प्रतिशत से प्रविक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अञ्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण बिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तु अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्बने में सृष्मिम के बिए; औद/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वासकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त को धिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निस्तुः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तिमों, अधीत् ह— (1) श्री मूलचन्द पुत्र श्री दाऊलाल जोशी रावती का बांस जोधपुर।

(अस्परक)

(2) श्रीमती कमला कोठारी पत्नी श्री नागराज तुर जी के झालरे के पास मापक चौक. जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. वहीं वर्ष होगा, यो उस व्ध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भकान सम्पत्ति स्थित प्लाट नं० 7 सोनी भवन माथिन हाउस के पास पावटा रोड़, जोधपुर जो उपपंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 513 दिनांक 18-2-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-10-1983

मोहरू 🖫

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अक्तूबर 1983

आदेण संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/2170—अतः, मुझे मोहन सिह,

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र•से ग्रिधिक है

और जिमकी संख्या प्लाट नं० 7 है तथा जो जोधपुर में है स्थित (और इसने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता जिंदिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 18 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कि के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफान के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक हा के किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्न ग्रिविनियम के ग्रिघीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः ग्रबः, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 15—346 GI/83 (1) श्री मूल चन्द पुत श्री टाऊलाल जी मोनी, रावतो का बांस, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीगती मुधा कोठारी पत्नी श्री चम्पालाल तुर जी के झालरे के पास जोबपुर।

(अन्तरिती)

का गह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम्बाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त
 न्यिक्तयों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

श्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति प्लात नं० 7 सोनी भवन, साथन हाउस के पास पावटा रोड जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा कम संख्या 514 दिनांक 18-2-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-10-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 21 अक्तूबर 1983

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अ[°]न/2178---यत. मुझे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-98 है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमृची में और पूर्ण रूप में विणित है) रॉजस्ट्रीय ती अधिकारी के कार्यालय अजमेर में रिजस्ट्रीयरण अधिनियम. 1908 ' (1908 का 16), के अधीत दिनांक 5 फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) रून्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अंतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री टी० मी० पाठक पुत्र श्री एस० एल० पाठक ई-104, शास्त्री नगर, अजमेर मुख्तार आम मेजर रिवन्द्र कुमार पुत्र श्री दशराज, जी० ज० ए० एस० छी० केयर आफ 56 ए०पी०ओ० ।

(अन्तरक)

(2) कमाडर के० आर० श्रीवास्तव पुत्र तेजीराम श्रीवास्तव ई-98, ग्रास्वी नगर, अजमेर ।

(अन्नारिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ई-98, शास्त्री नगर, अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा ऋम संख्या 639 दिनाक 5 फरवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीत है।

> मोहन सिह् सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 21 अक्तूबर, 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अस्तूबर, 1983

निदेश सं० 12744—यत. मुझ, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे सं० 171 है तथा जो कनककमपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्मय, उछुमलपेट (उक्ष्मेट सं० 616/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) से अधीन दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री सुक्षत्राण्यम नारायनम्माल रनगनातन नारायनस्थामी ।

(अन्तरक)

(2) बाলগ্রুত্থান

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वहीं अर्थ होगेंग्र जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

भूमि सर्वे 171, कनक्कमपालयम (ज्ञाक् मेट 616/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजैन रेंज-2, मद्रास

विनांक: 6-10-83

भोहर:

. प्ररूप आ**र्द**. टी. एन. एस.-----

मायकर मुधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 14 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० 18180 --- यत मुझे, आए० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रू. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 373, है, तथा जो पेंर्नाथयन रोड, मद्रास-8 मे स्थित है, (और इससे उपाबद्ध स्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, मद्रास साउथ (डाक्मेट 446/83) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गुधापुनोंक्त संपत्ति का उचित् भाजार मुल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंतर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देष्य से उथत अन्तरण लिखित में बास्तुबिक रूप से कथित नहीं किया गया 💕 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अायु की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याउक्त अधिनियम याधनकर मिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्न्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत! अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रो एस० मालैपन 2, नारायणन मैकन सँट, पुडापैट, मद्राम 🕕 (अन्तरक)
 - (2) श्रामती लक्ष्मी 15 सैट कैथेडस्ल रोड, मद्रास-86 (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- 'ख) इय पुचन पराजपह पंप्रकाशन की ता**रीख** में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी **अन्य क्यत्रित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित** ने किए जा सकेंगे.

न्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्ची

फ्लेट गं० 31, पैनिश्यन रोड, मद्राम---8 (डाक्यमेंट सं० 446/83)

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दो, मद्रास

ादनांक : 14-10-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिलांक 14 अक्तूबर 1983

निदेण सं० 18542—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 17 है, जो ताना स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित हैं (और इपेंसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं, पुरासवालखम (डाक्यूमेट 130/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यितियों, अर्थात् :---

(1) श्री ई० एम० मोहम्भद रफीक, ई० एम० जाफरमुलक 79, थाना स्ट्रीट, मद्रास-7

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रार० कुप्पुस्वामी, देयवसिगामनी 17, थाना स्ट्रीट, मद्रास-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यन वाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख . से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ये।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-17, थाना स्ट्रीट मद्रास-7 (डाक्यूमेंट सं $^{\circ}$ 130/83)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दो, मद्रास

दिनांक: 14-10-83

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 12722—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लें, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० टी॰एस॰सं॰ 10/1069/1, 1069/2 है, जो कृष्णरायपुरम, कोयमबतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबतूर (डाकूमेंट सं० 1436/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण से हुई किसी माथ की बाबत, अवस जिमित्यम के जभीन कंट दोने के जलारक के दायित्व में कजी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ▶—

(1) श्री पी. आर. सिन्नकुप्पन चेट्टियार सुपूत्र श्री पेरियाकरप्पन चेट्टियार, दासी कुलीपिराये पडुकोटई।

(अन्तरक)

(2) श्री के. बी. सजन सुपूत्र श्री के. जी. बलन, वासी अम्मान कालम राडि, पी. एन. पलायम, कीयमबतूर।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी-टी॰ एस॰ सं॰ 10/1069/1, 1069/2, कृष्तराय-पुरम कोयमबतूर । (डाक्मेंट सं॰ 1436/83)

> आर० पी० पित्लें, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-10-83

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज्⊸11, मद्रास

मद्राम, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 12737 - यत मुझ, आर० पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० है, जो तालखरें पोल्लाच्ची में स्थित है (और

और जिसकी सं० है, जो तालखरें, पोल्लाच्ची में स्थित है (और इसमें उपाबब धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची (डावयूमेंट स्क 707/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोभत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी आय की वास्त, जक्त स्थिनियम के अधीन कर कोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसे किसी आय या किसी भन् या बन्य बारिस्तयों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) सर्वश्री चेन्नीयपा घींडर, रिधनावेल्लुं पलानीस्वामी, कादिरवेल, थंगावेलम्मल, अकिलन्दापुरम, पोल्लाच्ची।

(अन्तरक)

(2) श्री अलगप्पा घोंडर, तिरुम्ती घोंडर सृपृत्र श्री माई लस्वामी घोंडर, सुरोगवरनपती, पौल्लाच्ची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी भन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिमित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा ग्या है।

मन्स् ची

भूमि—तालखरै, पोल्लाध्वी (डाम्यूमेंट सं० 707/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

विनांक: 6-10-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. --------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—11. मदास

मद्राप, दिनार 6 अक्नूबर 1983

निदेश मं० 12748— -यत मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव आरव एराव संव 3063/1 एवं 1 एवं है, जो ऊट्टी में स्थित है (और इसमें उसायद्ध श्रनुसूची में और पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, निलगिरीस (डाक्यूमेंट 234/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983 को पृषेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ ने हुई किसी गाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में अभी अपने या उससे अचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आप्रकार अधिनियम 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब जिन्न अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) श्रीमती दोर√ती बारटन ,राईट र'प रांबर्ट बारटन राईट काँचीन एस्टंट, क्ट्टानल्लूर शिपुर केरला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल्सम्मा शोमस पत्नी श्री पी सी. शोमस गुड सफर्ड पिल्लिक स्कूल फर्न हिला (पोस्ट) उन्ही।

(अन्तरिती)

को यह मुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वीक्त में में कियी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस ग्वना क राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिन- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि --आर० ए.५० 3063/1ए० 1ए०, ऊट्टी । (डाक्यूमेट सं० 234/83)

> आर० पी० पिल्ली मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

दिनांक: 6-10-83

प्ररूप माइ .टी. एन. एस. - - --

(1) श्री दी० जी० लिगप्पा

(अस्तरक)

(2) श्री सुसैराजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

(2) 41 3/1/1

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्राम

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निवेश मं० 18152—यतः मुझें, आर० पी० पिल्लै, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आए० ए.स० सं० 4436/189 है, जो मंदावली-पक्कम मब्रास-28 में स्थित है और इससे उपाबद्ध झनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्रुमेन्ट 318/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचितं बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन-अध्याय 20-क में परि-भाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुष्वी

भूमि—सर्वे नं० 4436/189. मंदावलीपक्कम, मद्रास-28 (डाकुमेंट´र्स० 318/83)

> आर० पी॰ पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

16-346 GI/83

दिनांक: 1-10-83

प्ररूप बाइ. टी. ऐन. एस.----

(1) श्रीमली वसन्ती मुन्नमनियन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० मुयुमनी।

(अन्तरिती)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 अन्त्वर, 1983

निवेण सं 18631—यतः, मुझे, आग् पी पिल्ली, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट-11, एम० जी० रोड, है, जो मद्रास-20 में स्थित है (और इसमें उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैदापेट (डाक्मेंट मं० 678/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरवमान प्रतिफल का पंत्रहें प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त्र आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अमुस्ची

फ्लैट---11, एम० जी० रोड, मद्रास-20। (डाकुमेंट 628/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 12-10-83

प्ररूप बाह[‡]. ठी. एन. एस. ----

(1) श्रो वी० अशोज।

(अन्तरक)

(2) श्री कें बी० कनस्टूक्शन्स।

(अन्सरिती)

ह्रासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मदास

मद्रास, दिनाक 13 अक्तूबर 1583

निवेश सं० 18186—यत , मुझे, आर० पी० पिल्ल , शायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे - इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो तिनकाचलम चेट्टा रोष्ट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ में और पूर्ण रूप प्रानुसूची से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेट 226/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1383,

का पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनिय्म के अभीन कर दने के अन्तर्क के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्यों और पयों का, को उनक निधनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अंग्रह की

भूमि और निर्माण—5 तनिकाचलम चेट्टी रोड, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 226/83)

आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धात् ं—

विनांक : 13-10-8**3**

मोहर 🏻

प्रकृष धाई । ही । एन । एस । ----

(1) श्री कृष्नन।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की शारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना (2) श्रीमती झांसी रानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18254—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं 58 है, तथा जो बालकृष्ण बेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-33 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमबाक्कम (डाक्सुमेट 572/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफा से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ैउक्त सम्पत्ति के अर्जन **के संबंध में कोई भी आक्षेप**ः——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिः द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विसाक गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—ं 58, बालाक्वरण चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-33। (डाकुमेंट सं० 572/83)

> आर० ¶० पि**रूलै** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-10-83

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18261—यतः मुसे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 21 हे, जो आरकाट रोड मब्रास—24 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिन्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमबाक्कम (डाक्क्रमेंट 824/83) में रिजिन्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए पंजीकत की गई हैं और सभी यह विश्वास

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक क्ष्प से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण बें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री माधर्वः नारायनम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्विङकरसी और अन्य ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां सूक करता हुं ।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी खंबें 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी समिश बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

भंग्सूची

भूमि और निर्माण—21, आरकाट रोड, मद्रास-24 · (डाक्नुमेंट सुं० 824/83.)

> आर० पी० पिरूलें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज II, मद्रास

विनोक : 14-10-83

प्ररूप झाइरै. टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकः र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18347----यतः मुझे आर० पी० पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपरण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० रामस्वामी स्ट्रीट है तथा जो राधानगर कोमपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पस्तावरम (डाकुमेंट 1243/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च, 1983

1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक माच, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण से हुर्इ किसी आय की वाबतः, उकत किशिनियम् के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (श) ऐसी किसी आय् या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के सिए;

अतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तः , में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) को अधीन, निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म (1) श्रीमती राजलक्ष्मी करवाचारी

(अन्तरक)

(2) श्री डी० मोहन।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पर्धकीकरणः — इसमे प्रयुक्त शक्तां और प्रवांका, को जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपूज्जी

भूमि और निर्माण---437/36; राधानगर क्रोमपेट, पिल्ला-वरम, मद्रास (डाकुमेंट 1243/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

दिनांक : 13-10-83

प्ररूप आहें. टी. ५न. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II; मद्रास

मद्रास, विनांक 13 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18414—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है जो अडयार में स्थित है (और इससे

और जिसकी सं० सर्व 8ए० है जो अडयार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय अडयार (डाक्सेंट 558/83) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वेक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ...

- (क) अनसरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा-के लिए; आरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियो, अर्थात् :——

(1) श्री चिदम्बरम चेरिटीस

(अनारक)

(2) श्री फरूक एम ईरानी ओर अवस्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के राजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ⁻──

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वकारण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

भुमि श्रीर निर्माण-सर्वे सं० ८ ए, ग्रडयार मद्रास (जाक्मेट 547/83)

> अरा० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आययुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

विनांक : 13-10-83

प्ररूप आई. टी. एन, एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्तुबर 1983

निवेश सं० 12606- यतः मुझे, आर० पी० पिरुलै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उंकत विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० नाल्लट्टिपलायम है जो किनायूकाय में स्थित है (और इससे उपाबद में और पूर्णेक्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नायूकडाव (डाक्यूमेंट सं० 272/83') में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च 1983

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूप्यमान प्रतिक के लिए अन्त्रित की गई है और मूभ्ने यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य रसके रूप्यमान प्रतिक सं, एसे रूप्यमान प्रतिक का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण, लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के तिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीभ, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मननुषामल और बालासुब्रमनयन

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रसाह ।

मनुसूची

भूमि---नल्लिट्टिपालयम. किनाथूकाडाव (डाक्यूमेंट सं० 272/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज—II, मद्रास

विनांक . 6-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्रीमती जयल किशमी

(अन्तरक)

(2) इनफील्ड इन्डिया लि०

(अन्तरिती)

ावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दो मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्सूबर 1983

निवेश सं० 18548—यतः मुझ, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 कमलाबाय स्ट्रीट है जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से बिंगत है). रिजस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्समेंट 251/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अप्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिंबत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सिवधा करें लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अन्मरण में. भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, भर्थात् :---17—346 GI/83 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—6 फमलाबाय स्ट्रीट मद्रास—17 (डाक्यूमेंट सं० 251/83)

> आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

दिनांक : 3-10-83

प्रकप बाइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सम्मना (1) सुगेसन मरकटैल रन्टरप्राइजैज

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान बाय और अदर्स

(अन्तरिती)

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दो मद्रास

मद्रास, दनांक 6 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18547---यतः मुझे आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० 28 राजाबातर स्ट्रीट है, जो मब्रास—17 में स्थित है (और इसमे उपाबड़ में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिज-ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्यूमेंट सं० 235/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नानिकत उद्दश्य में उक्त अन्तरण निख्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- क्ये यह स्थना धारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि और निर्माण--28, राजाबातर स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाक्यूमेंट सं० 235/83)

आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण दो, मब्रास

दिनांक : 6-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अवतूबर 1983

निवेश सं । 18200—यसः मृझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से **अधिक ह**ै और जिसकी सं० 154, है, जो मौब्र स रोड, मब्रास--18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णिप्त है), रजिस्द्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटललैंटस (डाक्य्मेंटस 296/ 83) में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983 को पर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्यों से उक्त, अन्तरण लिखित, में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कती अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री वामोदरन और सरवनन

(अन्तरकः)

(2) श्री बागियम

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेपः ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छोकरण ;—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--154, मौब्रेस रोड, मद्रास--18 डाकमेंट सं० 296/83)

> आर० पी० पिल्लै गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण मो., मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३——

दिनांक: 6-10-83

मोहर 🕄

प्ररूप आईं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-दो,मद्राम

मद्रात्त, दिनाक 3 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० 10262—पतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० 15, राजपुरम, अग्रहारम है, जो कुक्षालम, मायूरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मिथलाठुषुरैं (डाक्यूमेंट 373/83) में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक अप्रैल, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्धयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, दिम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियः की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-स्टर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बालसुब्रमनियन और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्रो सेतुराम अय्यर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

भूमि और निर्माण—15, राजपुरम अग्रहारम, कुतालम, मियलाठुतुर (डाक्यूमेंट 373/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

तारीख: 5-10-1983

प्रकृष बार्ष. टी. एव. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18262—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० 54/2, है, जो कोठमबाखम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (आक्यूमेंट 830/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात :--

(1) श्री कलयान सुन्दरम

(अन्तरकः)

(2) श्री घोषिनात

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

हमस्यक्षीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---टी० एस० 54/2, कीठमबाखम (डाकूमेंट 830/83)

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1ृ1, मद्रास

दिमांक: 3-10-83

मोहर 🛫

ART RIE. El. CH. CH.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीत स्विना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18419--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उपचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

25,000/- रत. से अधिक हैं
और जिसकी सं० सर्वे 278/4ए०, 278/6, 278/10 ए० है,
जो कोट्टिबाखम में स्थित हैं (और इसमें उपाबद मंतुंस्पी में और पूण
रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अठ्यार
(डाक्यूमेंट 484/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (190 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1983
को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृंभी यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके ख्रमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रममान प्रतिफल का
एन्स्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए क्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक
क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण चं हुई फिसी बाव की बावड़, इक्स अधिनियम के जभीन कर दोने के बृत्तरक के बायिए में कमी कर्रने वा इस्ते व्यने में सुविधा के सिए; ब्रीड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमिरितयों को जिन्हाँ भारतीय आय-कर वृत्ति नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यतिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के लिए;

भतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसर्ग में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री अमेलदास

(अन्सरक)

(2) श्री सेलवराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल स्म्युरिस् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती ही, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीकं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसनकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्थलतीकरण: ----इसमें प्रवृत्तत शब्दों और पवाँ का, जो धक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका सवा ही।

मन्सूची

भूमि सर्वे 278/4ए, 278/6, 278/ए10ए०, कोटिवाखम (डाक्य्मेंट <math>484/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांस : 1-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० 17756—यत. मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे 6/2 बी०/3 है. जो कत्तिवेठ. सैदापेट मे

और जिसकी सं० सर्वे 6/2 बी०/3 है, जो कतिबेठु, सैदापेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमबट्टूर (डाक्यूमेंट 3465/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रूयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सरस्वती और बालसुन्नमिनयम

(अन्सरक)

(2) श्री बी० कन्नियम्माल और श्र**दर**स

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजफत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस स्वना को राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा सभोहस्ताक्षरी के गम सिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धतिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

मन्स्ची

भिमि--- पुर्वे 6/2बी०/3,कितिबेठु,सैदापेट (डाक्यूमेंट 3465/ 83) प

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

दिनांक : 1-10-83

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 10317—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 30, तियागू, मुदलियार स्ट्रीट है, जो पौडियेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडियेरी (डाक्यूमेंट 574/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, विनोक मार्च, 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण निल्लत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उज्जत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कलिवरदन

(अन्तरक)

(2) श्री शवकत अली और अदर्स

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसुची

भिम और निर्माण--30, तियागु मुदलियार स्ट्रीट, पांडिचेरी । (डाक्यूमेंट 574/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र-II, मद्रास

विनोक : 6-10-83

मोहार 🗯

प्रकम बाहै, टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमदी सदोणिती

(अन्तरक)

(2) अमराज और श्रीमती सुगीला देवी

(अम्हरिती)

भागकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-11, मदास

मद्रास, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18226—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 5, है, जो हड़ोस रोड, स्ट्रीट, मद्रास—34 में स्थित हैं (और इससे उपायज्ञ में और पूर्णरूप से वणित हैं), रजिस्ट्री-क्सी अधिकारी के कार्यालय, थाउजैंटलाइट्स (डाक्यूमेंट 399/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मुख्य से कंस के दृश्यमान असितफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कार्य्या है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया इतिफल,, निम्नलिकित उद्द्विदेशों से उक्त अंतरण लिक्ति के बारितिक के बारितिक के सारितिक क

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जांग की गावत्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के याजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, शिक्षाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अथत् :--- को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध वा तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अभोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, को ज़क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

भूमि और निर्माण--5, हडोस रोड, I स्ट्रीट मद्रास--34 (डाक्यूमेंट सं० 399/83)

आर० पी० पिल्लै सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

विनांक : 3-10-83

मोहर:

18-346 GI/83

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती सान्तलक्ष्मी

(अन्तरक)

(2) चक्रपानी

(अन्तरिती)

<u>मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा</u> 2-69-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक - 3 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18255---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सी० 339, अशोक नगर स्कीम है, कोडमबाखम, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमबाखम (डाक्यूमेंट 553/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि मधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किर्दामाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (च) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 • विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अध्यक्षि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कै पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुलुची

भूमि और निर्माण-सी० 339, अशोक नगर स्कीम, कोइम-बाखम, भवास । (डाक्यूमेंट 553/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 3-10-83

मोहर:

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृक अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

प्ररूप आहें _ ट्रिं ्एन . एस . -----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18176—यतः मृझ, आर० पी० पिल्ली, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 54, है, जो सौत बोग रोड, भद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक्यूमेंट 686/83) मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बावत, उचत अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री कोका शिवप्रसाद और कोका सत्तयनासन (अन्सरक)

(2) श्री कोचूरी वेनकटरावीन्द्रा

(अम्तरिती)

को यह सूचना कारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त कवां और पदों का, जो उन्त सिंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्र्यो

भूमि और निर्माण-54, सौत बोग रोड, मुद्रास-17 (डाक्यूमेंट 686/83)

भार० पी० पिल्लै सक्षम प्राणिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

विनांक: 4-10-83

प्रस्थ बाही. टी. एंग. एस. ----

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना (1) सोसी दवर

(अन्तरक)

(2) आरसी अपार्टमेट (प्रा॰) लिबिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिष)

अर्जन रेंज—II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 4 अक्तूबर 1983

निदेश स० 18197—यतः मृझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, नंगमबाखम है रोड है, जो मद्रास-34 में- स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैंटस (डाक्यूमेट 232/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983 -

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तर्रण से हुन्दै किंसी जाय कि बांबत, उन्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्रक के द्रायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचलिमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अक्षरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संस्थित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्तित ह्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबर्ध भिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त बच्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-7, नुंगमधाखम है रोड मद्रास-34 (डान्यूमेंट -232/83)

आर० पी० पिल्लै स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर आयु**क्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मझस

दिनांक : 4-10-83

मोहर 🖫

प्रकम बाहाँ, टी. एव. एस.----

(1) श्री नमपैकमाल चेट्टि

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सुभना (2) श्रीमती दनलक्ष्मी विजयवालन

(अन्तरिती)

भारत् तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनाक 3 अक्तूबर 1983

निदेश स० 18155—यत. मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी स० 47, है, जो III मेन रोड मब्रास-28 मे स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूत्री मे और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्यूमेट 360 83) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन, दिनाक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

नन्त्रनी

भूमि और निर्माण---47, III मेन रोड, मद्रास-28 (डाक्यूमेट 360/83)

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेण वो, मद्रास

दिर्भाक . 3-10-83 मोहर :

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .—

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस.-----

वेनकटरामन (1) श्री करपगम

(अन्तरक)

(2) श्री मोहना भनन्तरामन

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्नास मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1983 निदेश सं० 18881—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34, है, जो वेनकटेसन स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्युमेंट 780/83)में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त विधिनियम के अधीन करुदाने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुज्ञी

भूमि और निर्माण--34, वेनकटेसन स्ट्रीट मन्नास-17 (डाक्यूमेंट सं० 780/83)

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मबास

विनांक: 4-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, विनांक 3 अक्तूबर 1983

ं निदेश सं० 18245—–अतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी॰ एस॰ 139 है तथा जो पुलियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमबाखम (डाक्सेंट सं० 637/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्विवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूं में यह दिश्यम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए: औड/बा
- (ख) ऐसी किसी आग्रं या भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आग्रं कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए चा, छिपाने में सुविभा के हिंगए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निज्ञित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री बी॰ आर॰ श्री निवासन।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबा नायडु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य. व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया वया है।

वन्स्वी

भूमि— टी॰ एस॰ नं॰ 139, पुलियर । (डाक्मेंट सं॰ 637/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक अव्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज—II, मद्रास

तारी**ख** : 3-10-1983

माहर 🛭

प्रकार आहे. टी. इन. इस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-धा, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 अक्तूबर 1983

निदेश स० 18243--अत , मुझे, आर० पी० पिल्लै, **भायक र अधिनियम, 1961 (1964 का 43)** इसके परचात् 'उनल अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन सभाग प्राधिकारी को, यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर संपद्रित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से **अधिक है** और जिसकी सं० प्लाट नं० 48 है तथा जो कोडमबाखम में स्थित है (और इससे उपाबद असुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक् मेंट सं० 601/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्मसिवित उद्वेदय से उक्त बन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :~-

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाथ की वावत उक्त निध-नियस के जभीन कुछ दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के निथे; और/का
- (क) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया थाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधास (1) के अधीन, निम्नीसिंगित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सिन्तनी क्योंसिस।

(अन्तरक)

(2) श्री कांत्रमाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सभ्वन्थ में कोड़ों भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 जिन के भीतार उनस स्थाकड़ संपरित में हित-उद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्नस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

49.5

भूमि--प्लाट 48 कोडमबाखम । (डाकुमेंट सं० 601-83)।

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रें**ज**—II, मद्रास

तारीख : 3-10-1983

मोहरः

प्ररूप आहु टी एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्राम भद्रास, दिनांक 3 अक्तूबर 1983 निदेश सं० 18242—अतः मुझे, आर० पीं० पिल्लें भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० टीं॰ एस॰ 7/11 है तथा पुलियर में स्थित है (और इसमे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ग रूप से विणतहै), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोइसबाखम (डाकूमेंट सं० 596/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोप-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उक्वारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) श्रीजगन्नाथन।

(अन्तरक)

(2) श्री घौरीं।

(भन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विय गया है।

मनुसूची

भूमि—टी० एस० नं० 7/11, पुलियर । (डाकूमेंट सं० 596/83) ।

> म्रार० पी॰ पिल्लैं सन्नम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

सारीख · 3-10-1983

भोहर :

प्रकृष आहें, टी. एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

लर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर 1983 निदेश सं० 18177--अतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा '269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से अधिक है

और जिसकी सं० मद्राम है तथा जो मद्रास सडाथ में स्थित है (और इसमें उपावद अणुम्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधकारी के कार्यालय, मद्राम माउर्थ (डाक्सेंट मं० 659/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक मार्च, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में काश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सृतिया के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीइन्दिरा सी० अनुमोलु।

(अन्दरक)

(2) श्री विट्टी बाबू।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (था) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त जिम्मिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, पही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-- मद्रास । (डाक्मेंट सं० 659/83) ।

> अहरू पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजज-2, मद्रास

नारीख : 6-10-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

ब्रिंग्स , दिनांक 6 अन्तूबर 1983

निदेश सं० 18171—-अत., मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-एत. स अवक हु
और जिसकी सं० 6, कामराज रोड है तथा जो मब्रास-28
मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप
से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मब्रास-28
साउथे (डाक्सेंट सं० 516/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सृष्टिश के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**य की उपधारा (1)** के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री अरुलमनी पापा और पुमनी अम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र रेड्डी और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्मध्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--6. कामराज रोज, मद्रास-28। (डाक्मेंट सं० 516/83)।

> आर० पी० पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज⊶2, मद्रास

तारीख: 6-10-1983

प्रकर बाई.टी.एर्.एड.,-======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, विनांक 5 अक्तूबर 1983 निदेश सं० 18146——अतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की गारा 269-च के अधीन ससम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रु. स आधक हैं
और जिसकी मं० 1/43 नायडु स्ट्रीट है तथा जो रामापुरम
में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप
में विश्वत है), रजिस्ट्रिकिनी अधिकारी के कार्यालय, आलनडूर
(डाक्सेट सं० 1077/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का
पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक
रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुद्दं किसी जाग की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कट्ने या उससे बचने में सृद्धिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः '---

(1) श्री चूनबुशनम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री फंदन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विस्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमूस्ची

भूमि और निर्माण---1/43, नायड् स्ट्रीट, रामापुरम । (डाकूमेंट सं० 1077/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-10-1983

प्रकृष बार्षं . बी . इन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मब्रास मब्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० 17757—यतः मुझे, आर० पीर० पिल्लै बायकर विभीनमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 559/1, 2 है तथा जो अम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्टूबर (डाक्सेंट सं० 2715/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिश्त का उचित बाजार मन्य, उसके रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवस्त, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कारित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के निष्टः

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिश्वां, अर्थात् :—

- (1) श्री डेनसिल विनसेन्ट डिमामाली । 21, मेडावाक्कम टैंक रोड, महास-12 (अन्तरक)
- (2) श्री सुब्रमनी । 14, चैट्टी स्ट्रीट, कोराट्टूर सैंडापेठ टी के (अन्सरिती)

स्त्रे वह स्वता वादी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्कूना के राजपून में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उजत स्थाबर संपत्ति में हितबक्ष स्कूना की तामील से 30 दिन की बविध, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काकित्वों में से किसी स्थावत बुवारा;
- (व) इस सूचना को राजपन में प्रकायन की तार्शव से 45 विश्व को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी सम्य स्थावत इवारा सभोहस्ताक्षरी के पहले लिकित में किए का सकोंगे।

स्मच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - कर्में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धरसची

भूमि—सर्वे नं० 559/1, 2, अमबाटूर । (डाक्मेंट सं० 2715/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मब्रास

तारीख : 1-10-1983

प्ररूप नाई. टी. एनं. एस. - -- -

बायकर अर्थिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० 18406——यतः मुझे, आर० पी० पिहलें भायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं 17 है तथा जो बेसनट नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धन्यार (डाक्सेंट सं० 638/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींब मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य स काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए.

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अनुतरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाराः (1) के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) एस० एस० रमश छम-31/एच बेसन्ट नगर मद्रास-90 (अन्तरक)
- (2) डिफन्स आटो सन्टर 107, जनरल प्रेरर्क रोड बद्रास-2 (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति बवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकती।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

बन्स्ची

फ्लैट---टी० एस० नं० 17, बेसन्ट नगर, मब्रास । (डाक्सैन्ट सं० 638/83) ।

> आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्वास

तारीख: 5-10-1983

प्ररूप आहे. दी. एन. एस्.-----

भावकर क्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18536—अतः मुझे, आर० पीत पिल्ल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० 28 है तया जो मिल्लर्स रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवालकम (डाकुमेंट 80/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तयों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वेलु।

(अस्तरक)

(2) तिलकवती ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उचन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—-28, मिल्लर्स रोड, मब्रास । (डाक्सेंट 80/83)

आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 1-10-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना (1) वल्लियम्माल ।

(अन्तरक)

(2) शनमुखम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. मद्राम

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18537—अतः मुझे, आर० पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० 28 है तथा जो मिल्लर्स मद्रास में स्थित है (और इसमे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप सें वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवालकम (डाक्मेंट 82/83) में रजिस्ट्रीकर व अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूं अे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किनी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--28, मिल्लर्स रोड, मद्रास । (डाकूमेंट सं० 82/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख : 1-10-1983

मोहर 🖟

प्ररूप बाह् .टी.एन.ऐस. ------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

मंद्रास, दिनोकः । अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18540—अत. मुझे, आर० पी० पिल्ले बायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु में अधिक हैं और जिसकी सं० 79, मेंडेबाक्कम टैंक, रोड मब्रास है नथा जो मद्रास—10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाक्मेंट 114/83) में रजिस्ट्रीकरण मिश्रित 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिद्य में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिनान में स्विधा के लिए।

जतः जवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरणः कें, कें उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिंक व्यक्तियों, अर्थात् .--20--346 GI/83

(1) भीहनसुन्दरम ।

(अन्तरक)

(2) मौहेंने मिने वेदेंटी ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में काई भी आधीप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूर्वनी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतिर जैक्स स्थावर संपत्ति में हितबेष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहेस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकी।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

भूमि और निर्माण---79, मेडवाक्कम टैंक रोड, मद्रास--10। (डाक्मेट 114/83)

> आर० पी० पिरुलें सर्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारी**ख** . 1-10-1983 नो**हर** : प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - - ----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18546——अतः मुझे, आर० पी० पिरुसी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स० टी॰ एस॰ 8363/1 है तथा जो टी॰ नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, टी॰ नगर (डाकुमेंट 233/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 की 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को प्वांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और लन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोप से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाव की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के जिए बाड़/वा
- (क) ऐसी किसी माय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निस्नीतिश्वतं व्यक्तियों, अधीर :--- (1) श्रीकृमार

(अस्तरकः)

(2) निर्मेका नारायण स्वामी अस्पस्यक्षभी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्ने सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मग्ल्बी

भूमि।— टी॰ एस॰ 8363/1, टी॰ नगर। (डाकुमेंट 233/83)।

> आर० पी० पिल्लै -सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीच 1 1-10- 983 मोहर ध प्रकप नाइ^र् टो. एक<u>.</u> एस.-----

(1) गोपाल।

(अन्तलक)

(2) मुकेश कुमार।

(अन्तरिती)

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18409—अतः मुझे, आर० पी० पिरल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 4, शास्त्री नगर ऊक्रर है तथा जो मद्रास से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्सा अधिकारी के कार्यालय अहयार (डाकूमेंट सं० 632/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

1908(1908 का 16)अधीन तारीख मार्च 1983

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कार योगे के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्थ आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समय की

भूमि प्लाट 4, शास्त्री नगर, ऊरूर,मद्रास। (डाकूमेंट सं० 632/83)।

> आर० पी० पिल्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→2, मद्रास

तारीख: 1-10-1983

प्ररूप बार्च. दी. एन. एस्ट.------

<u>मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की</u>

भारा 269-च (1) के मभीन स्चना

भारत तरकार

कार्ग्रालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2. मद्रास

मंद्रास, दिनांक 1 अन्तूबर 1983

निवेश सं० 18144-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- फ. से **अधिक ह**ै

और जिसको सं० प्लाट नं० 20, धंडाप्तापानी नगर है तथा जो अष्टयार, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दी कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अद्धयार (डाक्मेंट 354/83) में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च, 1983

को पूर्वीक्स संपर्तित के उचित बाजार मृल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्ब उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तारती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास, निम्नसिसित उद्युदेश्य से उद्युत बन्तरण लिचित में नास्तिनक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने मेः सुविधा केलिए; और/बा
- (स्त) ऐसी किसी आगगा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (19-22 का 11) या उक्त अधिनियम, याभन-**क्राइ**्क्षिपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिडपाने में सुविधा के सिए।

अतः थन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनसद्रण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को जधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) परमेश्यरत ।

(अन्तरक)

(2) दृश्मशी हंसराज।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीसः से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिल की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवदभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पथ्कप्रीकरणः--इसम्हेप्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्ता 😜 अभिनित्रम, के अध्याम, 20-क में यथा परिर-भाषित हैं, बहुर अर्था होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

भूमि और निर्माण-स्लाट 20, भंडायुक्यानी नगर, अडयार, मद्रास ।

(डाक्मेंट 354/83)

आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी ' सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनः रेंचा-2, मद्राप्त

नारीख : 1-10-1983

प्रका नाई. दी. एन. एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) जे अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सम्भायक आयकार आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मन्नास

मद्रास, दिनाक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18260—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मोधीनयम' कहा गया ही, की धारा 269 स के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, विस्तका विश्वत बाजार मृष्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 87, अम्मन कोखिल स्ट्रीट है तथा जो मन्नास-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाकुमेंट मं० 823/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसा जाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1·) म'रस्सवती अम्माल।

(अन्तरक)

(2) एन० एस० गनेशन ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मतित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हुते, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में अल्लाकन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पळ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-अप में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---87, अम्मन कोविस, स्ट्रीट, मद्रास-26।

(डाकुमेंट सं० 823/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख': 1-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18189——अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 5760 है तथा जो टी० नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाकुमेंट मं० 181/83) में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुविमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुविमान प्रतिफल से ऐसे ब्रुविमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) एस० महादेवन, 2, सुम्बराराजन ।

(अन्तरक)

(2) एस० गुरुनाधन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि---टी० एस० नं० 5760, टी० नगर। (डाक्मेंट सं० 181/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारी**ख** : 1-10-83

मोहर ३

अक्य बाइ. टी. एम. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मब्रास

मब्राम, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18256-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 34 है तथा जो कोठमबाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठम—बाखम (डाकुमेंट सं० 543/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1983 को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिकल से, एसे इस्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल कि सम्मति छुप से अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल कि सम्मति छुप से अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल का निम्नतिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से करिशत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बार्-/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (2) श्रो बी० बी० जगसायम् ।

(अन्तरक)

(2) डा० के० पद्मनाभन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजंना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यित्यों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उच्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी० एस० नं० 34, कोठमबाखम । (डाकुमेंट सं० 543/83)।

> आर० पी० पिल्ल सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 1-10-1983

प्रकम आर्च. टी. एम. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 12802—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर विधिनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 0 16/695, 1 ए० से डी०, शुक्रवार पेठ हैं तथा जो कोयम्बट्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाक् मेंट सं 0 2096/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, श्रारीख़ मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिला में बास्तिक रूप कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ब्लारण से हुइ किसी नाय की बानत, उक्त अभिभियम के अभीन कर दोने के अलारक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीम आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था, छिपाने में स्विधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ;—— (2) श्रोमली एच० बीजी बीवी।

(अस्तरक)

(2) श्री ए० निजाम बाजा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्वांध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि और निर्माण—16/695, 1 ए० से डी० मुकबार पेठ कोयम्बट्र ।

(डानुमेंट सं० 2096/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा : 1-10-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के बभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर, 1983

निवेश सं० 18156--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, **अभयक**र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 ए, है तथा जो लित केस्टल साउथ स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. मैलापुर (डाकुमेंट मं० 367/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपचित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रहपतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के ल्एि तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए∷ और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 😽 अधीन, निम्नलिखिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् :---21-346 GI/83

(1) डिलक्स बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुमित्ना श्रीनिवासन ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास िनसित में किए जासकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया **ह**े।

वन्त्रची

भूमि और निर्माण—20 ए, लित केस्टल साउथ स्ट्रीट, मदास-4।

(डाकुमेंट सं० 367/83) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 1-10-1983

मोहर 🤌

प्रस्य बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास , दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18373--अतः मुझेः आर० पी० पिल्लै, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रह. से अधिक है और जिसकी सं० 79 है तथा जो 8 स्ट्रीट मेक्टर 2 मदास-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्राम नार्थ (डाक् मेंट सं० 1146/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निष्टित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी नावत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० जी० वेद सुन्दरराज ।

(अन्तरक)

(2) श्रीपी०ए० जमाल मौहम्भदा

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितें- सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी कैं-पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्यार्थ 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ हारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—79, 8 स्ट्रीट, सेक्टर 2, मद्रास-78। $(sin \hat{y} \hat{h} \hat{z} \hat{h} \hat{z} \hat{h} \hat{z} \hat{h} \hat{z})$

आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मदास

नारीख: 1-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, प्रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मब्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18202—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें, काँगिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 3798/5 है तथा जो पेरियार रोड, मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थाऊजेन्टलाईट्स (डाक्सेंट सं० 276/83) में रिजस्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह धिश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के निष्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निष्कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती के बी कृष्णा बाई। 5, मृथिग्राह मुदाली II स्ट्रीट, मन्नास-14 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एस० विजय लक्ष्मी । 5, मृथिग्नाह मुवाली II स्ट्रीट, मद्रास-24 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीखा से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, वा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क को परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे नं० 3798/5 पेरियार रोड; मद्रास-18। (डाक्मेंट सं० 276/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 👔 मद्रास

तारीख: 1-10-1983

प्ररूप बाहें.टी. एन. एस. -----

भायन र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० 18405—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० सर्वे नं० 278/4ए 278/6 278/10 है तथा जो कोट्टियाकम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अठ्यार (डाक्सेट सं० 644/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गर्र हैं और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

- (1) श्री जीत लाल, ओम प्रकाश, सी श्राई ए/40ए, जनकपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) इण्स्ट्रीयल एब्रेसिवस । 3, डुमिंग स्ट्रीट मंद्रास:4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं कि 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुर्ये किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकाँगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित. हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 278/4ए 278/6 278/10 कोट्टि— वाकम ।

(डाक्मेंट सं० 644/83) ।

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II; मन्नास

तारीख : 1-10-1983

मोहर ः

प्रसम् भाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के नभीन स्थना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्राक्ष

मब्रासः दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18375—अतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- छ. सं अधिक हैं

धौर जिसकी सं ० किलमबाकम है तथा जो मद्रास नार्थ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाक्स्मेंट सं ० 1107/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उष्णित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पह है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उष्णित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों उष्वेष्ट से उक्त अन्तरण हिम्बित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

जराः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) कस्तूरी इस्टेट, इस्तूरी हाऊस कस्त रोड, मदास-18।

(अन्तरक)

(2) बी० जी० पी० हाऊसिंग। (प्राईवट) लि० वी०जी०पी० स्कबेयर मद्रास-15। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जे उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

भूमि---िकलमबाकम । (जाकूमेंट सं० 1107/83)।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 1-10-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आहाँ, ही एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्राम दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18149—अत, मुझ,, श्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अन्त अधिनियम कहा गा। है), की आरा 269-खं के प्रधीम सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- द • से स्थिक है और जिसकी स० 1, निरुवल्लवर नगर है तथा जो सेश्रेटेरिएट कालोनी, मद्रास—16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलनटूर (डाक्मेंट म० 827/83) मे रजिस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1983

ताराज नाप 1903
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम क
दूष्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की मई है और मुक्ते यह बिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य.
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिसी (बन्तरितियों)
के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से चक्त श्रन्तरण निकित में वास्तिक रूप ये कवित महर्ष
किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुधिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्म भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में श्रीक्या के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्रीमती रतिना वेलु।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमे प्रयुक्त वाब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-1, तिश्वल्लुवर नगर, सेश्रेटेरिएट कालो मदास-16 ।

(डाक्मेंट सं० 827/83)।

आर० पी० पर्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा : 1-10-1983

प्ररूप नाइंटी. एन एस. - - - ----

बायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के मशीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 6 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 12590——अत:, मुझे, आर० पी० पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. सं अधिक ही

और जिसकी सं० जी० एस० सं० 70/2 ए० सी० है तथा सनगनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, गांदिपुरम (डाक्मेंट स० 1081−/83) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरिती (अन्तरिक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी आय की बाबत, छक्त में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त विभिन्यम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) श्रीचिन्नप्प।

(अन्तरक)

(2) श्री मातेय और अदर्म।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश रा 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

वन्स्ची

भूमि—जी० एस० नं० 70/2 ए० सी०, सनगनूर । (डाकूमेंट स० 1081/83) ।

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, मद्रास

नारीख : 6-10-1983

प्ररूप गाई० टी • एन • एस०-

(1) श्री जान जकरेया

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणन ।

(अलरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 12605—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके प्रशाद 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूख्य 25,000/- क॰ से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० नं० 1044/2 ए है तथा जो कुनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय, कुनूर (डाक्सेंट सं० 301/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; गौर/माः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

भतः अव, अवत अधिनियम, की धारा 269-म जे अगुगराज में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

को यह भूचना जारी सरके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सरता हूं।

उनन यमाति के अर्थन के संबंध में कीई भी बाझेर ।--

- (क) इस यूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तस्त्रम्बनी व्यक्तियों पद सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (ख) इस पूर्वना के राजपत्र में प्रकाणन को तारीख से 46 विन के मीतर छक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्थाकारी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवदो करणाः == इतम प्रमुक्त साथों और पर्दो काः, जो उक्त अधिनियम के अकारा 20 कि में परिमाणित है, वही सर्व होगा, यो उस अध्याय में. विया गया है।

जन्सूची

भूमि—-श्रार० एस० नं० 1044/2 ए, कुन्**र ।** (डाक्मेंट स० 301/83) I

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, मद्रास

तारीख : 6-10-1983

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुधत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्राम, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 10316---अतः मुझे, अतर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की 269- व के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं० 4 और 4ए, रंगापिल्लै स्ट्रीट है तथा जो पाठि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालम पाठि (डाक्मेंट म० 626/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनिय , 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 83 को पूर्वीकत सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार म्ल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टनिक रूप से करियत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाच की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) एंबी किसी बाय वा किसी धन वा कर्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विदः

कतः इत, जनत विधिनियम, की भारा 269-म के बनुसरण हो, में, जनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22-346 GI/23

- (1) श्री मेयलेर स्त्रामी और अवर्स।
 - (अन्तरक)
- (2) द्रसटिस आफ श्री अरिवन्दो आशाराम । (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के कर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी कर् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण—4, 4ए, रंगा पिल्लै स्ट्रीट, पाठि ।

(डाकूमेंट सं० 626/83) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

विनांक : 6-10-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० 10320—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. में अधिक है

और जिसकी सं० 10 ए, काम ठोर, बी 2 (एस०) है तथा जो तिल्लैनगर, द्रिच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोरैंयूर (डाक्मेंट सं० 720/83) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके शश्यमान प्रतिफल से एसे शश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री अनन्त नारायन।

(अन्तरक)

(2) बाल सरस्वती तनगवेल ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 10 ए, क्राल ठोर सं० बी 2 (एस) निल्लैनगर, ट्रिची ।

(डाक्**मेट सं० 720/83)** ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-10-1983

1983

प्ररूप भार्च. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रान, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेण मं० 10257—अनः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी मं० 52, पोतामरेकुलम है तथा जो साउथ स्ट्रीट, कुमबकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय, कुमबकोनम (डाक्मेंट सं० 699/83) में रिजस्ट्रीयरण अधि—नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री शिवराज चेट्टीयार और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उम्मा कुलतुम ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रसूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति व्याप्त व्याप्त क्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ममृस्ची

भूमि और निर्माण--52, पोत्तमरकुलम साउथ स्ट्रीट, कुमबकोनम ।

(डाक्मेंट सं० 666/83)।

आर० पो० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीझण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मॅ, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् धु---

तारीख : 6-10-1983

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के मधीन सच्छा

भारत सरकार

का लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 12743—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी स० सर्वे नं० 7/1,2 है तथा जो मोठकुप्पट्टी के जिसकी स० सर्वे नं० 7/1,2 है तथा जो मोठकुप्पट्टी के जिसके हैं (और सम्भे सम्मन्त सन्मन्ति से और एक का से

मे स्थित है (और इसमे उपाबक अनुसूची में और पूण रूप से विश्वत है), रिजिस्ट्रीनर्ता, अधिकारी के कार्यालय, ऊठुमलपेट (डाक्सेट स० 638/83) में रिजिस्ट्रीनरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख माच, 1983 को पूर्विक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आयुकी वावतः, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्रीरवि।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह स्वना कारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्वन के हिस्स कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम, के अभ्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि——सर्वे नं० 7/1, 7/2, मोठककुपट्टी । (डाकूमेंट सं० 638/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 6-10-1983

मोहरः 🗄

प्ररूप. आर्ड्. टी. एन्, एस.. -----

(1) श्रीमती सरस्वती ।

(अन्तरक)

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(2) श्रीश्रीनिवासलू नायटू।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश मं० 12833--अतः मुझं, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, िजसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सरवे 297, 298, 299 है तथा जो घूठलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोय--म्बट्र (डाक्मेंट सं० 637/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि सित उद्वेषय से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बच्ने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि --सर्वे 297, 298, 299 घृठलुर । (डाक्मेंट सं० 637/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 6--10--1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहें टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्राम, दिनांक 1 अक्तूबर 1983

निदेश मं० 18175—अतः मुझे, आरं० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 122/3 है तथा जय कोट्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाक्सेट सं० 701/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्टियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रोमती मिनाक्षी आची ।

(अन्तरक)

(2) बूपती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

मभूत्र्यी

भूमि—-टी० एम० नं० 122/3, कोट्टूर । (डाकूमेंट सं० 701/83) ।

> आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

नारीख : 1-10-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनां क 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं 12739—अत मुझे, आर पी पिल्ले, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 182/2, 182/3, 181/5 सी, 182/5 है तथा जो सूलकल, पोल्लाची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यात्रय, पोल्लाची (डाक्सेंट सं० 684/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नितिसित उद्योदय से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिसिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गंके अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—— (1) श्रीमती सीता लक्ष्मी और अन्य,

(अन्तरक)

(2) श्रीचन्द्र शेखरन ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी स्थिक्त दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

भूमि——सर्वे नं० 182/2, 1822/3, 181/5 सी, 182/5, सूलकल, पोल्लाची । (डाक्सेंट सं० 684/83)।

> आर० पी४ पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 6~10-1983

मोहर 🍱

प्ररूप बार्डं. टी. एन., एस.,----(1) श्री क्रुप्प्स्वामी।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

(2) श्री धनेशन ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश मं० 12723--अतः मझे, आर० पी० पिल्लै भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-एत. से अधिक हैं

और जिसकी मं० टी० एस० नं० 2922/2 है तथा जो रामानाथपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, को प्रस्वपूर (डाक् मेंट सं० 1473/83) में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीचे एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षयों से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्रा) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए%

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थळीक रूण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--टी० एस० नं० 2922/2, रामनाथापुरम। (डाकमेंट सं० 1473/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

क्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन न निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 6-10-1983

मोहर 😗

तारीख मार्च, 1983

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 12581--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे नं० 1129, 1127, अरवकुरिची मर्वे नं० 1048, 1049 1044, 1046, 1054, 1062 बी है तथा जो चिन्तारपालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाणी के कार्यालय, अरवकुरिची (डाक्सेंट सं० 222/83) में रजिट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान 'प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 क्षा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुरारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिकित त्यक्तियों. अधीत् :--- 23-346 GI/83

(1) श्रीकादर बाणा और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री असब अली।

(अन्तरिती)

को यह ग्रामा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाणन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित के किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रग्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्ध रोगा जो तम अभ्याय में दिशा गया है।

नगुत्त्वी

भूमि—सर्वे नं० 1129, 1127, अरवकुरिची, सर्वे नं० 1048, 1049, 1044, 1046, 1054, 1062 बी, चिन्नार--पालयम ।

(डाकूमेंट सं० 222/83)।

आर० पी० पिरुलें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-10-1983

प्रकल कार्द् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के शधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II. मद्रास

मब्रास, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 12581--अनः मुझे, आर० पी० पिल्लें. भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/-रत. से अधिक ही

और जिसकी सं० सर्वे नं० 157, 241, 154 है तथा जी बेलमबाठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अरवकूरिची (डाक्मेंट सं० 221/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्जीक्त संपरित को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने काकारण है कि यथापृवांक्त सम्पत्तिका उचित वाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंदर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-निवम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एोसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा कं लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीकादर बाशा और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री अनवर अली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संखंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें्क्र_ 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर् स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के 🏎 ाभ निभिन्न में किए जा सकरें।

ल्यक्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया \llbracket 🕛

अनुसूची

भूमि--सर्वे नं० 157, 241, 154 वेलमबाठी । (डाक्मेंट सं० 221/83)।

> आर् पी० पिल्ली प्राधिकारी सक्षम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**खा** : 6-10-1983

प्रकृष भाषां , टी. एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18616 — अत. मुझे, आर० पी० पिल्लें आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 210/2 ए० 1 ए० 14 हैं तथा जो तिरुवानिमयूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाक्सेट स० 971, 972/83) में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरिती की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अनुतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तुरक के दायित्व से कभी करने या उससे कचने में सूर्विधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमति राधा राघवन ।

(अन्तरक)

(2) हरीटा चीमा प्रा० लिमिटेड, हरीटा वेनुप्रा० निमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी ज्यक्ति बुबारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गं।

स्यब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

वन्स्ची

भूमि—आर० एस० नं० 210/2 ए० , 1 ए, 14, तिश्वानमियूर ।

(डाक्मेंट सं । 971, 972/83)।

आर० पी० पिरुले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-10-1983

मोहर 🖫

प्रकप भाई। टी। एन। एस।

आयकर प्र'धिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 26% म (1) के प्रश्लीन सुमना

बारब बुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18412—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयक्र प्रधितियम, 1951 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र० से ग्राधिक है

और जिसकी सं० अठयार है तथा जो अठयार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्री—कर्ता अधिक।री के कार्यालय, अठयार (डाक्स्मेट सं० 611, 612/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह्य प्रतिगत से प्रक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरम लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (स) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य- आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्धात् :-- (1) श्री कनदप्पन ।

(अन्तरक)

(2) श्री इलाक बट्ट और इटू बट्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर, स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस्ता अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मन्स्ची

भूमि—अठयार । (डाकूमेंट सं० 611, 612/83)।

> आर॰ पीं॰ पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)^{*} अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख** : 12—1**0**—1983

मोहर 🛭

प्रकृष बाइ. डी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18183—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं० 703, अन्ना सालै है तथा जो मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, मद्रास साउथ (डाक्मेंट सं० 780/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का काइण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सहित्य में क्यी कर्द्र या उस्से बृजने में सृत्यिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मद्रास इन्वेस्टमेंट्स और जन्स्ट्रकशन्स ।

(अन्तरक)

• (2) श्री मोहम्मद शेरिफ और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोंक्त उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उप अध्याद में हैक्स पया है।

अनुसुचीं

भूमि—-703, अन्ना सालै, मद्रास-6। डाक्मेंट सं० 780/83)।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

जतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जाधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख: 12-10-1983

प्रकप लाइ . टी. एन. एस.-----

(1) श्री नरसिंमह।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

(2) श्री वैद्यनाथन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निषेश सं० 18172-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ ॰ रह. से अधिक हैं।

और जिउकी मं० 58/1, मुतालम्मसल कोयिल स्ट्रीट है तथा जो नल्लानकृष्यम मद्रास मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ती अधिकारी के फार्यालय, मद्रास साउथ (डाक्मेंट सं० 503/83) में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्िचल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित मे भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और∕या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, वही अर्थ द्वारेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और नर्माण--58/1, मुतालम्मन, कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-83।

(डाक्मेंट सं० 503/83) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 12-10-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एन ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनाक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18615—अत मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे न० 248 विरुगमबाखम है तथा जो के० के० नगर मे स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास साउथ (डाकूमेट स० 960/83) रिजस्ट्रीकरण अधि—नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते ए उसते जबत में स्विध्य के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाजिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री रत्नमाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपर्तित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सर्वे सं० 248 के० के० नगर विरुगमबाखम । (डाकूमेंट सं० 960/83)।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2ृ मद्रास

तारीख : 12-10-1983

प्ररूप आहाँ ती एन ।(स -- ----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) क जातेन मृद्यात

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्राम

मद्रास दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18612—अत मुझे आर० पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे स्कि पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 147/2 है तथा जो बलसरवास्त्रम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विश्नमबाखम (डागूमेंट सं० 772/83) में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रेदित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-इन निम्नलिखित उद्वेदय से उनत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क्षे दायित्व में कमी करने या उससे अगने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था, छिपान में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम गुगर और और इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) ला० चटलेन एजुकेशनल सोसाइटी ।

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ६ भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में शितवद किसी प्रन्य व्यक्ति दारा, प्रधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तिकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उत्थल अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्वी

भूमि—–आर० एस० नं० 147/2 वलसखावाखम । (डाकुमेट स० 772/83) ।

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 12-10-1983

प्रकृष् अवद्दं, टी. एन्. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मदास

मद्रास दिनाक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18166—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै , बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा '269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

और जिसकी म० 25 कारनेक्वर पगोठा स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-4 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाक्सेंट स० 293/83) में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उच्च विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमे ब्चने में सविधा के निए; बौर्/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकत स्यक्तियों, अर्थात्:—— 24 —346 GI/83 (1) श्रीकक्ष।

(अतरक)

(2) श्री कामाकशी महावेवन और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवाँ का, जो उनस कि जिसमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुसा है।

जन्स्ची

भूमि और निर्माण—-25 कारनेश्वर पगोठा स्ट्रीट मद्रास-4 ।

(डाक्मेट सं० 293/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 12-10-1983

माह्यरः

प्ररूप आहा. टी. एन्. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शामकर शामकत (निर्देक्षण) अर्जन रेज-2 मदास

मद्रास दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 12577—अतः मुझे आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० टी० एस० न० 1016/2 बी 3 4 है तथा जो कृष्ण राप्रपुरम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र (डाक्सेंट स० 977 978/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इहिण्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इहिण्मान प्रतिफल से, एसे इहिण्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्तित उत्वरिय से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित काक्तियों, अधीन;——

(1) श्री राजेंद्रन और अदर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री दौरेस्वामी और अवर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध क्षाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हुँ, वहीं अर्थ होगे जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

भूमि---टी॰ एस॰ न॰ 1016/2 बी 3, 4 कृष्ण राय--पुरम । (डाकूमेंट स॰ 977 978/83)।

> आर० पी० पिरूलैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2 मद्रास

तारीखा : 6-10-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनाक 6 अक्तूबर 1983

निदेश सं ० 18374 — अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० 3/5-6 वानलस रोड, है तथा जो मद्रास 8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप गसे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नाथ (डाकूमेट स० 1112, 1113/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख माच, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मं सुविधा के लिए; आर्-/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्री पूरे गहबीब रेहमान ।

(अन्तयक)

(2) श्री मोहम्मद हनीफ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि क्षाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि—–3/5–6, वानलस रोड, मन्नास–8। (डाकूमेंट सं० 1112, 1113,/83)।

> आर० पी० पिरूलें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-10-1983

मोहार 🤋

प्ररूप आइ[‡].टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ध (1) के अधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निदेश स० 18185—अत: मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उण्यत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23, भरीन साहिब स्ट्रीट है तथा जो मग्रस-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलीकेन (डाकूमेंट स० 247, 248/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्•:--- (1) एक्सफोट पश्च्लिशरस प्राइवेट लिमटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री हिदायतुल्ला जुनेवा बैगम और अवर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन की वर्ताध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

भूमि---23, मरीन साहिब स्ट्रीट, मद्रास-2। (डाक्सेंट सं० 247, 248/83)।

> आर० पी० पिल्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-10-1983

मोहर 🕄

प्रकृष बाह्र .टी: एन . एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

शारतं परकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 4 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18193—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4, 4 ए, सरदार पटेल स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणते है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाक्मेंट सं० 199, 200/82) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विष्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (खंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-कस, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बांचत् में बास्तीव्क कम से कथित नहीं किया ग्या हैं.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुवने में बृबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियस, या वन-कर व्यथित्वस, 1957 (1957 का 27) के प्रवधनार्थ करहीं दिवा वस था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

संतः संब, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ग के, सनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:— (1) श्रीकृष्णस्वामी और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री राधाकृष्णन।

(अर्त्तारती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बच्च किसी क्या स्थावत स्थावर, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जर सकोंगे।

स्पद्धतीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---4, 4ए सरदार पटेल स्ट्रीट, मद्रास--33 । (डाक्सेंट सं० 199, 200/83)।

> आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 4-10-1983

मोहुदु 🛮

मुक्यु, कार्य, टी, यग्, एक, ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) को बभीन सुमना

भारत स्रकारु

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, ं ांक 1 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 18203—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 18, 19 नुगमबाखम है रोड है तथा जो मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनट लैट्स (डाक्मेट सं० 263, 264, 265/83) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्चे, 1983

की पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिबक रूप से किथ्त नहीं किया ग्या है है—

- (क) बन्तरण से हुई किन्द्री बाग की बाबत , खबस अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या छससे ब्यूने में सुविधा के निए; बाँड/बा
- (स) एसी किसी आम या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के प्रयो

अतः अब उक्त मिंधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यधितयों, अर्थात्:— (1) कलपतरू इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीसैलाजा और अवसः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्थ किसी कत्म व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए था सकेंगे।

स्वच्छीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, थो उनस जिभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना थो उस अध्याय में दिया एसा है।

अमृसुची

भूमि---18, 19, नुगमबाखम है रोड, मद्रास-34। डाक्स्मेंट 263, 264, 265/83

> आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 1-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 10186—अतः मुझे, आर० पी० पिस्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं०टी एस० 411, 412, 415, 358, 422 है तथा जो सेक्कालेकोट्ट में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्रकुली (डाक्मेट सं० 117, 118, 119/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री अनन्त पद्मनाक्रम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारवा मेता और अवर्स। (अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त ब्याय;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींने।

स्पक्तीकरण: - इसमें प्रयुक्त धन्तों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि — टी॰ एस॰ 411, 412, 415, 358, 422, सेकालकोट्टे । (डाक्मेंट सं॰ 117, 118, 119/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-10-1983

प्ररूप् माइ. की. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुचना

(1)श्रीके० रघुपाति।

(अन्तरक)

(2) श्री बजरीन जमाल और अवर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1983

निदेश सं० 18627--अत. मुझे, आर० पी० पिल्सै नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000∕~ रत. से **अधिक ह**ै और जिसकी सं० सर्वे नं० 233/1ए है तथा जो कोड्रिबाखम सैदापुर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैंदरपुर (डाक्मेट स० 373, 78/83) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को प्रवॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीः (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तर पाना गया प्रतिफल, निम्नलि**वित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण सिवित** में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य मूँ कमी करने या उग्नसे बचने में सुविधा के सिए; जारें/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित, को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृज्ञाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, को अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

भूभि~~पर्वे न'० 233/1ए, कोट्टिबाखम ।ॄ (डाकूमेंट सं० 373–378/8)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 12-10-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

भागकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर 1983

निवेश सं० 12576—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले नियंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० 29/6-8, बी॰ ओ॰ सी॰ रोड है तथा जो कोयम्बद्द में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बद्द (डाक्सेंट सं॰ 972, 973, 982, 987, 1017/83) में रजिस्ट्रीकरण विधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरवमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त इरिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् .—— 25-346GI/83 (1) श्रीमती मिनाक्ती अम्माल और अवर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री राम चन्द्र रावः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षाय के सिष्ट्र कार्यवाहियाँ केरता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वानः की शावपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वानः की हामील से 30 दिन की मधीध, जो भी नवींच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (त) इस तूचना के राजवंत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन के भीतर उचत स्थावंद संस्पत्ति में हिसक्ष्य किसी क्ष्य व्यक्ति द्वाद क्योहस्ताक्षरी के प्रम लिखित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरण:---इक्कों प्रयुक्त कथां और क्यों का, को जक्त अधिनिक्स की जव्याय 20-का में परिभाषिक हाँ, वहीं कर्ष होता, को क्या मध्याव में विका क्या हाँ।

वन्त् की

भूमि और निर्माण—29/6-8 वी० ओ० सी० , कीयम्बद्र । (डॉक्स्बेंट सं० 972, 973, 982, 987, 1017/83) ।

> आंदि० पी० पिल्लै संझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

तारी**वा : 6-19-1983**

महिष्ठ ३

ेप्र**कष भार्र • टी ०`ऍ**नॅं• ऍनें• --- •``

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भंभीन सुबना

भारत सरकार

िकार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अवतूबर 1983

निदेश सं० लुधि०/23/83-84-अतः मुझे, सुखदेव चन्द, धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है,) की धारा 262-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- वपए से प्रधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो कोठी नं 150-आरं, माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ता अक्षिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः अब, उस्त मिक्षिनियम की भारा 269-ग के, मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री गुरबचन लाल सुपुत्र श्री प्यारा लाल, निवासी 05/448, हीरान मैरान मोहल्ला, माता वाली गली, सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार, संजय कुमार सुपुन श्री राजेन्द्र पाल, निवासी 46-वी, शास्त्री नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकरी।

मन्स्ची

कोठो नं 150-आर, माइल टाउन, लुधियान । (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 2274, मई, 83 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज,लुधियाना ।

तारीख: 15-10-1983

PART III—SEC. 1]

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th October 1983

No. A-12034/1/83-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Jain-II. a permanent Section Officer in the office of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Senior Analyst (Group A Rs. 1100—50—1600) in the Commission's office on ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 3rd Oct. 1983 or till a regular appointment is made whichever is earlier.

2. The ad-hoc appointment of Shri M. P. Jain-II is on deputation terms and it will be regulated in terms of Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F. 1 (11)-E.III(B)/79 dated 7th Nov. 1975.

BHAVANI THYAGARAJAN
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 17th October 1983

No. A-12034/2/83-Admn.II(i).—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. R. Mani, a regular Junior Research Officer, to the post of Senior Research Officer (Group 'A'.—Rs. 1100—1600) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a period of 3 months w.e.f. 13th October 1983 to 12th January 1984 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri V. R. Mani as Senior Research Officer is purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon him any title tor regular appointment or seniority to the post of Senior Research Officer.

No. A-12034/2/83-Admn.II(ii).—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following regular Research Assistants (Lang.) in the Office of Union Public Service Commission to the post of Research Officer (Group A'—Rs. 700—1300) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a period of 3 months w.e.f. 13th October 1983 to 12th January 1984 or until further orders whichever is earlier.

- 1. Km. K. Bandopadhyay
- 2. Sh. M. L. Varadapande
- 3. Sh. B. Ghosh
- 4. Sh. S. B. Kodad
- 5. Sh. A. N. Sarma
- 6. Smt. Manjeet Singh
- 2. The appointment of the above mentioned officers is purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for regular appointment or seniority to the post of Research Officer.

The 19th October 1983

No. A-32013/2/83-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. Raj Kumari

Anand, Junior Research Officer (R&S), to the post of Research Officer (Group 'A'—Rs. 700—1300) on aa-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a period of 3 months w.e.t. 15th October 1983 to 14th January 1984 or until further orders whichever is earlier.

- 2. The appointment of Smt. Raj Kumari Anand as Research Officer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon her any title for regular appointment or seniority in the grade.
- No. A-32013/3/83-Admn.II(i).—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Z. E. Sheikh, Senior Programmer, to the post of Manager Systems Development and Chief Programmer (Group 'A') (Rs. 1500—1800) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a period of 6 months w.e.f. 13th Oct. 1983 to 12th April 1984, or until further orders, whichever is earlier.
- 2. The appointment of Shri Z. E. Sheikh as Manager Systems Development and Chief Programmer is purely on ad-hoc basis and will not confer any title for regular appointment or seniority in the grade.

The 20th October 1983

No. A-32013/3/83-Admn.II(ii).—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, Deputy Controller (DP) to the post of Manager Data Preparation (Group 'A'—Rs. 1500—1800) on ad-hor basis in the office of Union Public Service Commission for a period of six months w.e.f. 13th October 1983 to 12th April 1984 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri M. L. Dhawan as Manager Data Preparation is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

M. P. JAIN
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th September 1893

.

No. A-35014/2/80-Admn.II(II).—In continuation of this office Notification No. A-35014/2/80-Admn.II, dated 1st June 1983, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Mathur, Junior Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Accounts Officer in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period of 3 months w.e.f. 1st September 1983 to 30th November 1983 or until further orders whichever is earlier.

VIJAY BHALLA
Section Officer
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 20th October 1983

No. A. 32014/2/83-Admu. I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistant/Selection Oracle Personal Assistant of the CSSS Cadre of the Union Public Service Commission as Sr. P. A. (Gr. B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the periods shown against their names or until further orders whichever is earlier—

S. No.	Name	;								Periods	Remarks
1. Shri Sunder I	al.			•	•	•		•	•	7-10-83 to 6-1-84	Vice Shri I. N. Sharma promoted as P. S.
2. Shri R. P. Da	ng .	•	•	•	•	•	•	•	•	15-10-83 to 14-1-84	Vice Shri Tarsem Singh promoted as P. S.

^{2.} The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P. A. (Gr. B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.

^{3.} The appointment of S/Shri Sunder Lal & R. P. Dang and subject to the approval of the Department of Personnel & ARs,

The 22nd October 1983

No. P. 208-Admn./III.—Consequent upon his reversion from deputation to the post of Assit, Administrative Officer, D.E.S.U., New Delhi Shri Kashmiri Lai-I has reported for duty to the post of Section Officer of the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 1st October, 1983.

The 25th October 1983

No. A. 32013/1/83-Admn. I (A).—The President is pleased to appoint Shri B. S. Jain, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the selection Grade of CSS as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for the period from 9-6-83 to 25-7-83 and on regular basis w.e.f. 26-7-83, until further orders.

M. P. JAIN
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st November 1983

No. M-72/66-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Sachdeva, Assistant Commissioner of Police (UT Cadre) on deputation from Delhi Police, as Superintendent of Police, CBI/Special Police Establishment in a substantive

capacity on permanent absorption with effect from 4th October, 1983.

No. A-19021/5/79-AD. V. (Vol. I).—The President is pleased to appoint Shri Dwarka Nath Batra, Deputy Commandant (BSF) on deputation from Border Security Force, as Superintendent of Police, CBI/Special Police Establishment in a substantive capacity on permanent absorption with effect from 4th October, 1983.

No. A-19035/2/82-AD. V.—The Director/Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Estabishment is pleased to appoint Shri Mohan Lal, Crime Assistant as Office Superintendent, CBI on ad-hoc basis in Zone-III of CBI Head Office with effect from the forenoon of 17th October, 1983 vice Shri S. Ramamoorthy, Office Superintendent proceeded on leave.

The 5th November 1983

No. A-31016/2/83-AD. I(DPC).—In excercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, control and Appeal) Rules, 1965, Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints of Jasat Singh, Officiating Office Superintendent, substantively to the post of Office Superintendent CBI with effect from 6-9-1981.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110003, the 31st October 1983

No. P. VII-1/82-Estt. I Vol. IV.—The President is pleased to appoint on promotion; the following Inspectors of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post in the units on the dates indicated against their names; —

SL Na.	Name of officer							IRLA No.	Unit to which posted	Date of taking over charge
1	· 2							3	4	5
1. Shi	ri Avtar Singh .		,					2069	62 Bn	17-7-83
2. Shi	ri Thakur Dass							2105	GC (NMH)	2-8-83 (A.N.)
3. Sh	ri Satpal Singh							2119	19 Bn	14-8-83
4. Sila	ri Rosham Singh							2083	9 Bn	26-7-83 (A.N.)
.5. Sku	ri E. Rajatatnam							2089	42 Bn	16-7-83 (A.N.)
-5. Sk	Hari Chand							2109	3 Sig. Bn.	3-8-83
7. 3hi	ri Ram Bahadur Sinj	rh						2100	24 Bn .	14-8-83
8. Sh	ri V. K. Shukla							2097	7 Bn/3 Sig Bn.	22-7-83 (A.N.)
9. Sha	n Jagrup Kingh					,		2096	I Sig. Bn.	2-8-83
80. Shi	ri Piara Singh .							2102	2 Bu.	5-8-83
11. Sh	ri Karam Singh							2087	3 Sig. Bn.	29-7- 83
12. Skr	i Ram Sahai Singh							2078	6 Bn.	24-7-83
13. dbr	i Round Bobb							2120	34 Bn.	6-8-83
14 Sh	d Ugarsen Yadav									
15: Shi	i Paras Nath Singh							2081	63 Bn.	22-7 - 83
16. Sh	ri Karan Singh							20 9 8	5 Bn.	1-8-83
17. Shu	i Makipai Singh				,	,		2094	38 Bn.	30-7-83 (A.N.)
	ri B. S. Rawat .									, , ,
19. Shi	ri Chander Singh				,			2095	40 Bn.	20-7-83
20. Shr	r i B aran Singh							2074	24 Bn.	20-7-83
21. Shr	riV.B.Singsh.							2066	76 Bn.	11-7-83
22. Shr	ri Padam Singh							2111	31 Bn.	5-8-83
23. Shr	i Surender Singh							2092	41 Bn.	4-8-83
24. Shr	ri Vod Raj Sharma						,	2077	74 Bn.	23-7-83
25. Shr	i D. R. Chaudhary	•			•		•	2123	GC (GTY) (MWS Silchar)	24-8-83
26, Shr	i Dhyan Singh							2071	72 Bn.	1 9- 7-83
27. Shr	rl A. K. Kelsy							2086	64 Bn.	26-7-83
28. Sht	d Bishan Singh							2075	30 Bn.	17 -7- 83

1	2	_			 _	_		3	4	5
29. Shri Govi	nd Prasad Kukre	ti .		-				2110	12 Bn.	31-7-83
30. Shrt Gurd	as Ram ,							2067	2 Bn.	18-7-83
31. Shri Prabl	u Dayal .				,			2103	54 Bn.	23-7-83 (A.N.)
32. Shri M. D	. Mustafa .							2116	4 Bn.	8-8-83
33. Shri Gula	b Singh .							2114	37 Bn.	29-7-83
34. Shri G. R								2101	58 Bn.	8-8-83
35. Shri Roop	Singh Shekhawa	at .			,				76 Bn.	24-9-83
36. Shri B. S.	Aziz							2084	GC (DMP)	25-7-83
37. Shri Sher	Singh							2072	50 Bn.	13-7-83 (A.N.)
38. Shri Har I								2117	21 Bn.	1-8-83
39. Shri Bhup	inder Singh Yadı	av						2104	54 Bn.	21-7-83
40. Shri Dina	Nath Singh .							2070	62 Bn.	19-7-83
41. Shri G. K	Sale							2085	25 Bn.	25-7-83
42. Shri Fauja	Singh .							2107	43 Bn.	30-7-83
43. Shri A. B.	Dhobal .					,		2108	65 Bn.	27-7-83
44. Shri Nare	nder Singh .		•					2106	11 Bn.	31-7-83
45. Shri Karn	ail Singh Cheema	а.						2127	29 Bn.	30-7-83
46. Shri Rame	sh Chander .							2112	50 Bn.	20-7-83
47. Shri Ram	Chander Rai		•				•	2079	72 Bn.	23.7-83
48. Shri Sheot	aj Singh .							2082	27 Bn.	25-7-83
49. Şhri Poji I	Ram							2121	54 B n.	6-8-83 (A.N.)
50. Shri Vijay	Kumar Yadav		,					2068	74 Bn.	20-7-83 (A.N.)
51. Shri Ram	Pal Singh Yadav				-			2088	40 Bn.	23-7-83 (A.N)
.52. Shri Om P	rakash Yadav							2118	42 Bn-	30-7-83
53. Shri Jogin	der Singh .							2076	67 Bn.	18 - 7-83
54. Shri Gurd	op Singh							2113	4 Bn.	25-7- 83
55. Shri Lalit	Mohan Khanna							2129	54 Ma.	26-7-83
56. Shri S. S. I	Ball		•					2125	28 Bn.	30-7-83
57. Shri Nirma	d Singh .							2093	38 Bn.	30-7-83
58 Shri Raghu	bir Singh .							2124	38 Bn.	26-7-83
59. Shri Ishwa	r Singh .							2091	14 Bņ.	25-7-83
60. Shri Shree	pal Singh .							2080	3 Sig. Bn.	25-7-83

The 1st November 1983

No. O. II-1303/76-Estt.—The President is plesed to reemploy Shri Mahal Singh Rana as Dy. S. P. in C.R.P.F.

2. On his reemployment the officer took over as Dy. S.P. in 62 ftm. CRPF on 6-10-83 (FN).

The 2nd November 1983

No. P. VII-2/83-Estt. I.—The President is pleased to appoint on promotion the following Asstt. Commandants of CRPF to the rank of Commandants in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post in the units on the dates indicated against their names:—

SI. No.	Name of the of	ficer		Unit to which posted	Date of taking over
1	2			3	4
S	/Shri				
1. J.	S. Dhillon .			AD, S/II	19-8-8
					(A.N.
2. J.	N. Mathur .	•		ISA	16-8-8:
3. B	. S. Yadav .			34 Bn.	17-8-83
4. N	l. K. Awasthi			Dte. Genl.	10-10-83
5. N	1. M. Sharma			AD, \$/III	₽-8-83
6. J	.P. Dubey			AD (P) Dte	8-8-83
7. P	. K. Bhattachary	а		AD (EDP)	22-8-83
				Dte.	

1 2		3	4
8. R.S.D. Dogra		48 Bn.	24-8-83
9. D. A. Dhananjaih		AD S/I	22-8-83
10. B.B.D. Rawal		20 Bn.	30-8-83
			(A.N.)
11. G. S. Yadav		7 Ba.	8-8-83
12. R. K. Yaday .		44 Bn.	11-8-83
13. M. P. Jakhmola		AD, Estt, II	17-8-83
14. P. V. Jagannathan		AD, S/IV	9-8-83
15. G. L. Sherma		2 Bn	5-10-83
			(A.N.)

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 1st November 1983

No, 10/31/81-Ad. I.—In continuation of this Office's Notification of even number dated the 10th February, 1982, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri M. L. Kumawat, a Senior Geographer in the Office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, to the post of Research Officer (Drawing) in the Office of the Registrar, General, India, New Delhi, for a further period from the 1st February, 1983 to the 31st January, 1984 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. His headquarters will be at New Delhi.

No. 11/11/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. L. Tikkur, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Rajashtan, Jaipur, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year with effect from the after-noon of the 29th September, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. His headquarters will be at Jaipur.

The 5th November 1983

No. 11/77/79-Ad.1.—The President is pleased to repatrate Shri K. C. Dubey, an officer of the Madhya Pradesh Cadre of the 1.A.5. and working as Director of Census Operations, Madhya Pradesh at Bhopal, to the Government of Madhya Pradesh with effect from the after-noon of the 30th July, 1983.

His services are re-placed at the disposal of the Government of Madhya Pradesh after expiry of the earned leave for the period of 30 days from the 1st August, 1983 to the 30th August, 1983 with permission to prefix the 31st July, 1983 and to suffix the 31st August, 1983 being Sunday and gazetted holiday to leave.

V. P. PANDEY Jt. Registrar General

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st November 1983

No. 8 FC 2(35)-A/82.—Shri R. D. Bajaj, Stenographer Grade 'C' (S.G.) of C.S.S.S. in the Ministry of Finance, Department of Expenditure, presently on deputation to the Eighth Finance Commission is appointed as Stenographer Grade 'B' in the Finance Commission in the scale of Rs. 650-1040 with effect from the forenoon of 31st October, 1983 to 29th February, 1984.

T. C. NANDA Administrative-cum-Accounts Officer

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 29th October 1983

No. BNP/C/5/83.—In continuation of this office notification number BNP/C/5/82 dated 20-10-82, the terms of appointment of Shri S. C. Gupta as Accounts Officer on deputation is extended upto 13-10-1984 on the same terms and conditions,

M. V. CHAR General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 28th October 1983

No. PD-3/7716.—In continuation to this office Notification No. PD-2/11854 dated 12-2-1983, the ad-hoc appointment of Shri S. K. Anand as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended out to 20-2-1983.

S. R. PATHAK General Managor

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES,

New Delhi-110 002, the 3rd November 1983 Admn. 1/0.0.No.247.—The Director of Audit. Central Revenues hereby appoints Shri S. P. Asthir permanent Section Officer of this office to officiate until further orders as Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the afternoon of 29-10-1983.

(Sd.) Illegible Joint Director of Audit, (Admn.)

THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH Hyderabad, the 5th November 1983

No. Admn.I/8-132/83-84/637.—Shri K. S. Chander Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-10-1983 A.N.

No. Admn. I/8-132/83-84/636.—The Accountant General-I Andhra Pradesh Hyderabad is pleased to promote the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in the Scale of Rs. 840-40-100-E.B.-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders:—

Namo						Date of assumption of charge
S/Shri 1. T. Sundarajan	→- -			- 		31-10-83
•						(F.N.)
2. S. Jayaraman			•		•	31-10-83 (F.N.)
3. M. Sriramulu-II	٠		•	•	•	31-10-83 (F.N.)
4. C. Sasisekhar	•	•	•		•	31-10-83 (F.N.)

The promotions ordered are without projudice to the claims of their seniors if any and are also subject to the result of the writ petitions pending in the A. P. High Court/Supreme Court.

Smt. RAMA MURALI Sr. Dy. Accountant General (Administration)

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 31st October 1983

No. A.N./I/1173/II.—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 2000-125/2-2250) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

Sl. No.	Name				Date
1 Shri Su	rinder Singh .				6-8-82
	N. Chattopadhyay				11-1-82
	niya Kumar Ghosh				28-3-83
		•	•	•	25-7-83
4. Shri Ha				•	26-7-83
5. Shrl B.	S. Bhalerao .	•		•	20+7-03

The 31st October 1983

No. AN/I/1954/5/I.—The President is pleased to accept the resignation of Smt. SABINA (VALSON) PILLAI, a probationary officer of the Indian Defence Accounts Service, with effect from 1st June, 1983.

No. A.N./I/1173/1/II.—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade Officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against his name) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 2000-125/2/-2250) of that Sorvice, with

effect from the date shown against his name, until further orders under 'Next Below Rule':—

Shri V. Radhakrishnan 25-7-1983

Chief Administrative and Accounts Officer, Madras Atomic Power Project, Kalpakkam (Department of Atomic Energy).

V. S. JAFA Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD DGOF HQRS. CIVIL SERVICE Calcutta, the 26th October 1983

No. 16/83/A/E-1 (N.G.).—The DGOF is Pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on Seniority, in grades and on dates shown against each :—

Ųμ	semonity, in grades and on dates shown again	1121 0	acn :-	-				
1	. Shri N.C. Sen, A.S.O. (Ad-hoc)		•	-	•	Offg. Asstt. Staff Officer	From 12-10-83 until further orders.	
2	. Shri J. L. Bhatnagar, A.S.O. (Ad-hoc)					Do.	Do.	
3	. Shri B. P. Saha, A.S.O. (Ad-hoc)					Do.	Do.	
4	. Shri B. Kujur, A.S.O. (Ad-hoc)		,			Do.	Do.	
	. Shri R. L. Chowdhury, A S.O. (Ad-hoc)					Do.	Do.	
6	. Shri M. G. Kundu, A.S.O. (Ad-hoc)				-	Do.	Do.	
7.	Shri A. K. Das, A.S.O. (Ad-hoc)					Do.	Do.	
8.	Shri P. L. Ghosh Dastidar, A S.O. (Ad-hoc)					· Do.	Do.	
	Shrl P. C. Sengupta, A.S.O. (Ad-hoc)					Do.	Do.	
10	Shri D. D. Bhattacharyya, A.S.O. (Ad-hoc)					Do,	Do.	
11.	Shri A. K. Sinha, A.S.O. (Ad-hoc)					Do.	Do.	
12	Shri A. K. Bhattacharyya, Offg. Assistant					Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)	Do.	
13	Shri C. R. Bhattacharyya Offg. Assistant					$\mathbf{D_0}$.	Do.	
14.	Smt. Renuka Mitra, Offg. Assistant .					Do.	Do.	
15.	Shri J. Chowdhury, Offg. Assistant			:		Do.	Do.	

- 2. The above promotions shall abide by the results of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. The Officers at Sl. Nos. 1 to 11 vide para 1 above will be on probation for two years from the date of promotion.
- 4. The individuals at Sl. Nos. 12 to 15 of para 1 above assumed the higher duties as A.S.O. with effect from 12-10-1983.

D. R. IYER
DDGOF Personnel
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 25th October 1983

No. 44/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Addl. DGOF with effect from the date shown against him:—

(1) Shrl J. C. Marwaha

C.M. (in SAG-Lev I) . . 8th Aug., 1983

No. 45/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers a Offg Jt. GM-Director with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri E. S. Krishnamurthy, D.G.M. . 8th Sept., 1983
- (2) Shri G. Gopakumar, Jt. Director . 8th Sept., 1983
- (3) Shri V. M. Nagarajan, D.G.M. . 8th Sept., 1983

No. 46/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Dy. G.M. with effect from the date shown against him:—

(1) Shri S. Chengalvarayan, W.M. . 15th July, 1983.

No. 47/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. W.M./Dy. Director with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri U. K. Mishra, AWM (P) . . . 26th July, 1982
- (2) Shri S. K. Rath, AWM (P) . 30th July, 1983.
- (3) Shri R. B. Mathur, AWM . . 10th June, 1983,

No. 48/ G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. AWM/Asstt. Director with effect from the date shown against them:—

OH me date anoun demine mon.	
(1) Shri A. L. Dorairaj, Pt. F/M	10th June, 1983
(2) Shri O. R. Landers, AWM (Ad-hoc)	23rd May, 1983
(3) Shri Pyara Singh, Padan, AWM	
(Ad-hoc)	23rd May, 1983.
(4) Shri V. N. Sinha, A.W.M. (Ad-hoc)	23rd May, 1983.
Shri C. K. Banerjee, A.W.M.	
(Ad-hoc) · · · · ·	23rd May, 1983
(6) Shri H. C. Mishra, AWM (Ad-hoc)	23rd May, 1983
(7) Shri A. K. Mojumdar, AWM	
(dd-hoc)	23rd May, 1983
(8) Shri Dayal Singh Phattar, Pt. F/M	23rd May, 1983
(9) Shri Santi Swarup, AWM (Ad-hoc)	23rd May, 1983
(10) Shri H. N. Paul, F/M	24th Aug., 1983
(11) Shri A. Krishnamurthy, F/M	5th Sept., 1983
(12) Shri V. Raghavan, F/M	5th Sept., 1983
	V. K. MEHTA
	Director.

MINISTRY OF COMMIRCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 31st October 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1431/83-Admn.(G) /7725.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gehrotra, IAS (MH: 69) as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from the forenoon of 15th September, 1983, until further orders.

P. C. JAIN
Chief Controller of Imports & Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 24th October 1983

No. A-33023/3/78-Admn.II(A).—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri Prabin Das Gupta. Assistant Director Grade-I (Designs) in the Weavers Service Centre under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the afternoon of 31st July. 1982

M. P. PINTO
Additional Development Commissioner
for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 27th October 1983

No. A-1/1 (1209).—The President is pleased to appoint the following candidates nominated by the Union Public Service Commission on the results of the Engineering Services Examination, 1981, on probation for a period of two years in Grade III of Indian Supply Service, Group 'A' with effect from the dates mentioned against their names as under:

(1)	Shri Swapan Moitra .			1-8-83
				(F.N.)
(2)	Shri C. P. Nimje			27-8-83
				(F.N.)
(3)	Shri Harish Kumar Sharma	ŧ,	•	1-9-83
				(F.N.)
(4)	Shri Rajender Kumar .			3-10-83
				(F.N.)

2. The above officers assumed charge of the post of Asstt. Director (Grade I) (Trainee) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the dates mentioned against their names.

The 29th October 1983

No. A-1/1(526).—The President is pleased to accept under Rule 48 of CCS (Pension) Rules, 1972 the notice dated 4-10-83 of voluntary retirement given by Shri C. B. L. Bhatnagar, permanent Junior Field Officer (Progress) and officiating Assistant Director of Supplies (Grade I) and permit him to retire from Government Service with effect from the afternoon of 31-10-1983.

The 31st October 1983

No. A-1/1(671).—The President is pleased to accept under P.R.56(k) the notice dated 5-10-83 of voluntary retirement given by Shri P. S. Sindhoo, permanent Examiner of Stores and officiating Assistant Director of Supplies (Grade II) and permit him to retire from Government Service with effect from the afternoon of 31-10-1983.

S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Admn)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 29th October 1983

No. 8862B A-19012(OS)/81/19B,—Shri D. Roy Chowdhury, S.T.A. (Survey), Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General GSI as Officer Surveyor in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19-9-83 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st October 1983
No .A-19012(179)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. D. Ahuja, permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines, has been promoted to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 16th August, 1983.

B. C. MISHRA
Head of Office Indian Bureau of Mines
for Controller General

Nagpur, the 31st October 1983

No. A-19011(336)/83-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri S. M. Dandekar, Asstt. Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th October, 1983.

Sr. Administrative Officer Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 8th November 1983

No. E1-6012/698-Map Curator.—Shri P. K. Bhattacharji, Office Superintendent (Senior Scale), C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Map Curator (G.C.S. Group 'B') on transfer on deputation in Eastern Circle, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900, with effect from the forenoon of 13th October, 1983, till further orders, vice Shri A. B. Nag promoted as Establishment & Accounts Officer, Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta.

No. E1-6013/698-Map Curator.—Shri A. B. Nag, Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Map Curator (G.C.S. Group 'B') on transfer on deputation in Eastern Circle office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 550-25-750-7B-30-900, with effect from the forenoon of 23rd September. 1983, till further orders, vice Shri A. B. Sarker appointed as Establishment & Accounts Officer, Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 1st November 1983

No. A-12034/20/83-Estt.—The Principal Information Offlcer is pleased to appoint Shrl C. R. I ekhra, a permanent Assistant of the CSS Cadre of the Ministry of Information and Broadcasting, as Administrative Officer for the work relating to the publicity of CHOGM-1983. Press Information Bureau. New Delhi, with effect from 1-10-1983 to 31-12-1983, on ad-hoc basis in the ray scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200.

No. A-12034/20/83-Estt.—The Principal Information Officer is pleased to appoint Shri H. C. Gulash, working on adhoc basis as Section Officer in the CSS Cadre of the Ministry of Information & Brodeasting, as Administrative Officer for the work relating to the publicity of CHOGM-1983, Press Information Bureau, New Delhi, with effect from 6-10-1983 to 31-12-1983, on deputation basis.

T. S. SUNDARESWARAN Asstt. Principal Information Officer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st October 1983

No. A-12023/5/79-CGHS.I.—On transfer from Central Govt. Health Scheme, Delhi to Central Govt. Health Scheme, Hyderabad, Hakim Mohd. Ilyas Khan, Unani Physician, relinquished charge of the post of Unani Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the 30th September, 1983 (A.N.) and assumed charge of the post of Unani Physician under Central Govt. Health Scheme, Hyderabad with effect from the 10th October, 1983 (F.N.).

T. S. RAO Deputy Director Amdn. (CGHS. I.)

NORTHERN REGION FARM MACHINERY TRAINING & TESTING INSTITUTE

Hissar-125001, the 5th October 1983

No. 2-2/83-PF.—Sh. B. P. Verma a regular Superintendent of Central Ground Water Board, Faridabad is appointed on deputation to the post Administrative Officer, Northern Region Farm Machinery Training & Testing Institute, Hissar (Haryana) w.e.f. 15-10-83 (F.N.) until further orders.

V. A. PATIL Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 7th November 1983

No. 05012/R4/284.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri S. Raman, Assistant Accounts Officer, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Pay & Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on adhoc basis from the forengon of May 9, 1983 to June 18, 1983 (FN) vice Shri K. K. Gopalakrishnan, P & AO, granted leave.

K. MUTHUSWAMY Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 1st November 1983

No. A-38019/II/83-E.I.—Shri A. Thiruvengadathan, Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, India Meteorological Department retired from Government service with effect from 31-7-1983 on attaining the age of superannuation.

The 2nd November 1983

No. A. 38019/II/83-E. I.—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers of India Meteorological Department have retired from the Government service on the dates mentioned against their names:—

S. No	o. Name	Designation	Date on which officers retired
1	2	3	4
1.	Shrl H. R. Ganesan	. Assistant Meteorologist	31-5-1983

1	2			3	4
2. Shri S	. Venkatarama	ın	Assistant	Meteorological	31-5-1983
3. Shri N	Mirza Nawab			Do.	31-5-1983
4. Shti I	K. N. Majumd	ar	•	Do.	31-5-1983
5. Shri F	R. S. Sharma			Do.	31-7-1983
6. Shri N	1. P. Singh			Do.	31-7-1983
7. Shri F	. E. Cheriyan			Do.	31-8-1983
8. Shri C	C. K. Mani		•	Do.	31-8-1983
9. Shri I	R. D. Lamba		•	Do.	31-8-1983

No. A-38019/II/83-E.I.—Shri S. D. Williams, Meteorologist Grade I, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from Government service with effect from 31-7-1983 on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd November 1983

No .16/176/69-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, has permitted Dr. R. M. Berl, Research Officer, F.R.I. & Colleges, to retire from Govt, service with effect from the afternoon of 31-10-1983,

G. S. GROVER
Dy. Registrar
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 31st October 1983

C. No. II (7) 2-ET/82/10272.—The following confirmed Superintendents, Group 'B' of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each :—

SI. Name of officer No.	Designation	Date of superannu- ation
S/Shrì		
1. C.D.N. Guptesh .	Superintendent,	30-6-83
<u>-</u>	Group 'B'	(A.N.)
2. Maheshwar Prasad, No. 2	Do.	30-6-1983
	1	(A.N.)
3. Anwar Ahmad .	Do.	30-6-83
}		(A.N.)
4. Ram Adhar Singh .	Do.	31-7 - 83
		(Å.N.)
5, C. P. Mishra	Do.	30-9-83
		(A.N.)

B. N. DAS
Deputy Collector (P&E)
for Collector, Central Excise, Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 31st October 1983

No. A-19012/947/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Dhrup Nath Singh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the

post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 10-9-1981.

S. MAHADEVA AYYAR Under Secretary Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhl, the 31st October 1983

No. 27-E/L(21)/81-ECII.—Shri M. S. Larola, Executive Engineer (Civil), P.W.D. Division No. XXVII, (Delhi Administration), New Delhi, on attaining the age of superannuation (58 years), retired from Government service with effect from 31-8-83 (A.N.) in this Department.

NEENA GARG Dy. Director of Admn. For Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND
COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and Mithila Woollen Mills Limited

Patna, the 2nd November 1983

No. 1206/4738.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mithila Woollen Mills Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and In the matter of Bihar Electricals and Electronics Limited

Patna, the 3rd November 1983

No. (1011)560/4772.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 56 of the Companies Act, 1956, the name of Bihar Electricals and Electronics Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and The Matter of Bihar Chitralok Private Limited

Patna, the 3rd November 1983

No. (990) 560/4773.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Bihar Chitralok Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar

Ernakulam, the 24th October 1983

No. 1608/Liq./560(4)/R5871/83.—WHEREAS Pattambi Saw Mills Limited having its registered office at Pattambi is being wound up.

AND whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of account (Returns) required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months:

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of M/s. Pattambi Saw Mills Limited will unless cause is shown to the contrary, be struck off the Register and the company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala FORM TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1983

Ref. No .LDH/23/83-84.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 150-R, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurbachan Lal S/o Sh. Piara Lal r/o 05/448, Hiran Maran Mohalla Mata Wali Gali Saharan pur.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Rajesh Kumar, Sanjiv Kumar ss/o Shrl Rajinder Pal r/o 46-B, Shastri Nagar, Ludhiana. (Transferee)
- (3) Sh. Harbhajan Singh Sandhu r/o 150-R, Model Town, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made ni writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 150-R, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered deed No. 2274 of May, 83 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1983.

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1983

Ref. No. LDH/18/83-84.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1share of H. No. 150-R, Model Town, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate procedeings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sh. Gurbachan Lal s/o Sh. Piara Lal r/o 150-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Sh. Rajesh Kumar, Sanjiv Kumar ss/o Shri Rajinder Pal r/o 46,-B, Shastri Nagar, Ludhlana.

(Transferce)

(3) Sh. Harbhajan Singh Sandhu r/o 150-R, Model Town, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 150-R, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the Registration deed No. 1908 of May, 83 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1983.

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th October 1983

Ref. No. CHD/226/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 3213, Sector 19-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chendigarh in February, 1983

at Chandigarh in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid property and the property as a foresaid property and the property as a foresaid prop said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sh. Krishan Lal Puri S/o Sh. Bhuja Ram through Smt. Bimla Rani W/o Sh. Krishan Lal Puri r/o NE-123, Adda Hoshiarpur Jalandhar City. (Transferor)
- (2) Sh. Palvinder Singh S/o Sh. Kabul Singh r/o H. No. 3213, Sector 19-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3213, situated in Sector 19-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed 1530 of February 83, of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-10-1983.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1983

Ref. No. CHD/234/82-83,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 587/18-B situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Col. Charan Singh S/o Late Surain Singh r/o 77, Indira Nagar Colony, Dehradun (U.P.) (Transferor)
- (2) Lt. Col. B. R. Singh S/o Late Harbachan Singh, Smt. Surjit Kaur W/o Lt. Col. B. R. Singh Sh. Tejbir Singh Sh. Harbir Singh Sh. Tejeshwar Singh Ss/o Lt. Col. B. R. Singh r/o 270, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 587, Sector 18-B, Chandigarh. (The property as mentioned in Registered decd No. 1594 of February, 83 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1983.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1983

Ref. No. LDH/7/83-84.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF No. 21, Bhadour House, situated at Ludhiana (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have feason to believe that the fair market velue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough a be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Tejinder Kaur W/o Sh. Devinder Singh r/o 71-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(2) Sh. Sanjiv Bagga and Rajiv Bagga Ss/o Shri Sohan Singh r/o 1422, Gali No. 5, Deepak Cinema, Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 21. Situated at Bhadour House, Ludhlana. (The property as mentioned in the registered deed No. 1125 of April, 1983 of the Registering Authority, Ludhlana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1983.

Seal;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(1) Smt. Tejinder Kaur W/o Sh. Devinder Singh r/o 71,-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sohan Singh S/o Shri Bishan Singh r/o 1422, Gali, No. 5, Deepak Cinema Road, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ludhiana, the 15th October 1983

Ref. No. LDH/318/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

SCF No. 21, Bhadour House, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1983

for an apparent consideration

21286

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

SCF No. 21, situated at Bhadour House, Ludhiana, (The property as mentioned in the Registered deed 17025 of March, 83 of the Registering Authority, Ludhiana.)

THE SCHEDULE

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 15-10-1983.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq III/SR.II/2.83 '8532,—Whereas I. B. K. Gupta.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural land situated at Village Raza Pur Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

in the office of the Registering Officer at Delhi on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 27—346 GI/83

(1) Sh. Ishar Singh, Attar Singh sons of Sh. Munshi Ram and Sh. Boljit Singh S/o Shri Sukh Dev All R/o Hastsal Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar Mittal Shri Devinder Kumar Mittal sons of Shri Kuldip Rai Mittal both r/o B-10/16 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 11 biswas out of 113 bighas situated in the area of village Raza Pur Khurd, Delhi,

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-10-1983.

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR.II/2-83/8533,--Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land situated at Village Raza Pur Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely(1)Shri Gordhan S/o Shri Hazari R/o Hastsal, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar Mittal, Shri Davinder Kumar Mittal sons of Shri Kuldip Rai Mittal Both R/o B-10, 16, Rajori Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 11 biswas out of 113 bighas situated in village Raza Pur Khurd, Delhi.

> B. K. (GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III New Delhi

Date: 13-10-1983.

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/2-83/8535:—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. G/143 situated at Hari Nagar Village Tihar,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

- Shri Ujagar Singh Nanda S/o Shri Gulab Singh as General Attorney of S. Bhagat Singh S/o Shri Gokal Singh R/o WZ-217, Shiv Nagar, New Delhi.
- (2) Shri Chiman Lal Chaudhary S/o Shri Harkishan Dass R/o WS/88, Maya Puri, Delhi.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G/143, Measuring 200 Sq. yds. at 'B' Block, Hari Nagar, New Delhi-Village Tihar.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
New Delhi

Date: 13-10-1983.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ke1. No. IAC/Acq.III/SR.II/2-83/8539.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. C-93, Village Madipur, situated at Deihi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurbachan Lal & Shri Dalip Kumar sons of Shri Ram Kishan R/o C-20/2-A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Kumati W/o. Shri Ved Parkash R/o. 11, Nirander Crecant Siough Berks, U.K. at present 222, Model House, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-93, Mg. 562.4 sq. yds. situated at Shivaji Park area of Village Madipur Delhi State, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III.
New Delhi

Date: 13-10-1983.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Sardool Singh S/o Shri Sujan Singh R/o B-26, Village Tihai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pishori Lal Gupta S/o Shri Anant Ram Gupta R/o A/180, Ganesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE,

ROOM NO. 412, CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-I1/2-83/8546.—Wheeras, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 /2 and beging

Rs. 25,000/- and bearing
No. Qi. No. 8/3, Tilak Nagar, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a périod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government Built Quarter No. 8/3, Tilak Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1983.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Bishan Chand S/o Shri Jhutar Mal R/o 764, Suiwalan, Delhi.

umar Mittal (Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar Mittal S/o Shri Shiv Narain Mittal R/o B-2/149, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III
412, 4TH FLLOOR, CR BUILDING,
1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2-83/8548.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. D-21 situated at Bhagwan Dass Nagar, New Delhi (and more fully described in the schelule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21, in Block D, mg. 200 sq. yds. Bhagwan Dass Nagar, New Delhi.

B. K. GUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1983

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 41H FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2-83|8549---Whereas, I, B, K, GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H/11, situated at Shivaji Park, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Shila Wanti W/of S. Hakim Singh r/o H/11, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arvind Kumar S/o Sh. Rajinder Nath 1/o 32/2049, Naiwala Katol Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built property No. H/11, Shivají Park, New Delhi mg. 279 sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 10-10-1983

Seal;

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412, 4TH FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2-83, 8586.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. R/Shop 4, situated at Inderpuri. New Delhi. (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908)

of 1908)
in the office of the Registering Officer
at New Delhi on Feb. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Mohinder Singh Jehal and Sh. Kuldip Singh Jehal ss. o Sh. Ajit Srngh Jehal r/o Bari Patti, Jandiala, Distt. Jullundur.
- (Transferor) (Tiansteror)
 (2) Sh. Jagdish Lal Sirpal S/o Sh. Ram Rakha Sirpal and Smt. Bhajni Sirpal w/o Shri Jagdish Lal Sirpal r/o Vill. & P.O. Pasla,
 The Philaur, Distt. Jullundur (Pb.) through Sh. Dharam Paul s/o Sh. Hukam Chand r/o house No. WZ-256-K Inderpuri, New Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. R/Shop 4 mg. 200 sq. yds. out of Kh. No. 1608 (1608), Vill. Naraina in the abadi of Inderputi, New Delhi-12

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

Date: 10-10-1983

FORM ITNS---

 Sh. Harpal Singh Taqdir Sigh ss/o Nafe Singh, & Smt. Prem Bala
 Sushila ds/o Nafe Sigh and Smt. Subhadra d/o Nafe Singh, Phool Wati w/o Nafe Singh Mohmadpur Majra Delhi. (Transferor)

(2) Amritsar Construction Co. at W-110 Greater Kailash-I, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 4TH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-Π/8615.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No. Agri. land situated at Mohmadpur Majra, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

28-346 GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 9 bighas 12 biswas K. No. 35/6(4-16), 35/15(4-16) of Mohmadpur Majra, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Dato: 13-10-1983.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412, 4TH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. 1AC/Acq.111/SR-I11/2-83/8635.—Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Alipur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer, at New Delhi in Fcb. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Kishan Lal s/o John r/o Village Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Bhatia s/o J. C. Bhatia Smt. Renu Bhatia w/o Sh. Rajeev Bhatia r/o K-20, Model Town, Delhi-9.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra Nos. 1173 min (2 bigba 10 biswas) 1192 min (2-C), 1196 (4-16), 1197 (4-16), 1198 (4-16), 1261 min (D-C), 1262 min (0-3), 1263 min (0-17), and 1264/2/1 min (0-15), total area 21 bighas 9 biswas situated at village Allpur, Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 4TH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2-83/8636.—Whereas, J, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Alipur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kishan Lal S/o Johri r/o Village Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sat Pal Bhatia S/o Sh. Hari Chand Bhatia Ravinder Bhatia s/o Sh. Sat Pal Bhatia r/o D-2/12, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra Nos. 1173 min (3 bighas 4 biswas) 1192 min (1-10), 1193/1 min (4-11), 1194 (0-5), 1195/1 min (3-8), 1261 min (1-1), 1262 min (0-8), 1263 min (2-8), 1264/2/1 min (2-8), 1265/1 (2-7), total area 21 bighas 10 biswas situated at village Alipur, Delhi.

B. K. GUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 10-10-1983

FORM I.T.N.S.-

- (1) Shri Vasdev S/o Sh. Khem Chand R/o 52/5 Rajınder Nagar, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Maya W/o Sh. Daulat Ram R/o A-80 Inder Puri New Delhi,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412, 4TH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II.2.83/8660.-Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value excee Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-1/136 situated at Inder Puri Naraina, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of Plot No. A-1/136 measuring 250 sq. yds. at Inder Puri in the area of Naraina, Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

Date: 13-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Vijay Shankar Bajoria S/o Badri Prashad Bajoria r/o M-117, Greater Kailash, New Delhi, through general attorney Shri Gopal Khemka s/o Shyam Sunder Lal Khemka r/o N-256, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Fateh Singh S/o Natinder Singh, r/o Casalim Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 4TH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/Feb/83/5.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl, land M. No. 54 Killa No. 9 Village Mehrouli situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas, M. No. 54, Killa No. 9, Village Mohrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date 10-10-1983 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412, 41'H FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.Range-III/6.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fall market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land M. No. 54, Killa No. 10, situated at Mehrauli Tehsil, Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in res pect of any income arising from the transfer; and/ 31
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Si., Vijay Shankar Bajoria S/o Badri Prashad Bajo ia 1/o M-117, Greater Kailash, New Delhi, through Attorney Shri Gopal Khemka s/o Shyam Sunder Lal Khemka //o N 256, Greater Kailash-I, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Fatch Singh S/o Narinder Singh, 1/o Caselini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (n) by sury other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the numeration of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

ig icultural land measuring 4 bighas, M. No. 54, Killa No. 10, Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Data: 10-10-1983

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 4TH FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/Acqn/III/SRIII/2-83 7.-- Whereas, J. R. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) there in the referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land M. 45 Killa No. 25(4-16) situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, Now Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said \(\chi\ct\), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shashi Prabha Bajoria W/o Sh. Vijay Shanker Bajoria r/o M-117 Greater Kailash. New Delhi through attorney Sh. Gopal Khemka S/o Shyam Sunder Lal Khemka r/o No. 256 Greater Kailash, I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Bir Singh S/o Narinder Singh R/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas bearing Mustatil No. 45 Killa No. 25(4-16) Villago Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 11-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 4TH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/AcqnIII/SRIII/2-83/8.—Whereas, I B. K. GUPTA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. 55 Killa No. 4/1(4-0) 3/3(0-5) situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt, Savitri Devi W/o Late Badri Paishad Bajoria R/o M. 117 Greater Kailash Part I, New Delhi through attorney Sh. Gopal Khemka s/o Shyam Sunder Lal Khemka 1/o N-256, Greater Kailash Part-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Navinder Singh 5/0 Late S. Gurbachan Singh x/0 Casalini Fstate, Anandpur Soghi, Simla Hills. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas 5 biswas Mustatil No. 55 Killa No. 41 (4-0) 3,3(0-5) Village Mehrauli, Teh. Mehrauli New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-83

Seal .

(1) Smt. Shashi Prabha Bajoria, W/o Sh. Vijay Shankar Bajoria S/o Badri Parshad Bajoria R/o M-117, Greater Kailash, New Delhi, through attorney Gopal Khemka S/o Shyam Sunder Lal Khemka, N-256, G. K. I. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 4TH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.Range-III/9.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No.
Agricultural Land M. No. 55 Killa No. 5/1 (2-13) 5/2(2-3) situated at Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

registering officer in the Office of the

registering officer at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 29—346 GI/83

(2) Sh. Bir Singh, S/o Natinder Singh, r/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas bearing Mustatil No. 55 Killa No. 5/12(2-13) 5/2(2-3) situated in Village Mchrauli, Tohsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 10-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412. 4TH FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. 1AC/Acq.III/SR.1fI/2.83/10.—Whereas, f. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land M. No. 54, Killa No. 1 situated at Village Mehrauli Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Vijay Shanker Bajoria S/o Badri Parshad Bajoria r/o M-117, Greater Kailash, New Delhi. through attorney Shri Gopal Khemka s/o Shyam Sunder I al Khemka r/o N. 256, Graeter Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bir Singh S/o Sh. Narinder Singh, R/o Casalini Estate, Anandpur Soghi Simla Hills. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas bearing Mustatil No. 54 Killa No. 1, Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

B. K. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Dellm/New Delhi.

Date: 12-10-1983

FORM I.T.N.S.-

 Smt. Shashi Prabha Bajoria w/o Shri Vijay Shanker Bajoria r/o M-117 Greater Kailash-I, New Delhi. through Gopal Khemaka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narinder Singh s/o Late S. Gurbachan Singh r/o Casclini Estate Anandpur Soghi Simla Hills.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.III/2.83/11.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

M. No. 55 Killa No. 4/2(0-16) situated at
Village Mehrauli, Tchsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE 'CYLDULE

Agricultural land M. No. 45, Killa No. 24/2(1-0) M. No. 55 Killa No. 4/2(0-16), Village Mehrauli Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/2-83/12.--Whereas, 1, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land M. No. 54 Killa No. 10 min North (0-16), Killa No. 9 min, North (0,16), Killa No. 2/1 (1-05) situated at Village Mehrauli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Vijay Shankar Bajoria s/o Shri Badri Prashad Bajoria r/o M. 117 Greater Kallash, Part I, New Delhi, through attorney Shri Gopal Khemka s/o Shri Shyam Sunder Lal Khemka r/o N-256, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bir Singh s/o Shri Narinder Singh r/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 2 bighas and 17 biswas bearing Mustatil No. 54 Killa No. 10 min, North (0-16) Killa No. 9 min. North (0.16), Killa No. 2/1(1-05) Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2-83/13.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural Land M. 55 Killa No. 3/2 situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kumari Renu Bajoria d/o Shri Badri Parshad Bajoria r/o M. 117, Greater Kailash, Part I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrì Narinder Singh s/o Late S. Gurbachan Singh r/o Casalini Estate Anandpur Soghi Simla Hills.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 4 bighas 4 biswas bearing Mustatil No. 55, Killa No. 3/2 Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Kumari Renu Bajoria d/o Shri Badrı Parshad Bajoria r/o M. 117, Greater Kailash, Part I, New E 'hi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh s/o Late S. Gurbachan Singh r/o Casilini Estate Anandpur Soghir, Simla Hills.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELFII

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2.83/14.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,008/-and bearing No.

Agricultural Land M. 45 Killa No. 23/2 situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 4 bighas and 1 biswas bearing Mustatil No. 45, Killa No. 23/2 Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1983

FORM ITNS----

 Shri Rama Shankar Khemka s/o Shri Shyam Sunder Lal Khemka r/o N-256 Greater Kailash Part I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Perminder Kaur w/o Shri Narinder Singh r/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2.83/15.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

M. No. 55 Killa No. 7/1 (0-16), 6/1 (2-3)
situated at Village Mehrauli and Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 bighas and 19 biswas bearing Mustatil No. 55 Killa No. 7/1 (0-16) 6/1 (2-3) Village Mehrauli Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date · 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Perminder Kaur w/o Shri Narinder Singh

(1) Shri Rama Shankar Khemka

New Delhi.

(Transferor)

r/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simia Hills.

s/o Shri Shyam Sunder Lal Khemka r/o N-256 Greater Kailash Part I,

(Transferee)

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2.83/16.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land M. 55, Killa No. 6/2 (2-13), 15/2 (2-3) situated at Village Mehrauli and Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notive under subsection (1) of Section 269D of the said Ar to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas M. No. 55, Killa No. 6/2 (2-13), 15/2 (2-3), Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. 1AC/Acq.III/SR-III/2.83/17.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. No. 55 Killa No. 14/2 (0-16), 15/1 (2-13)

situated at Village Mehrauli and Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—346 GI/83

Shri Rama Shankar Khemka
 s/o Shri Shyam Sunder Lal Khemka
 r/o N-256 Greater Kailash Part I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Perminder Kaur w/o Shri Narinder Singh r/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning or given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas and 9 bsiwas M. No. 55, Killa No. 14/2 (0-16), 15/1 (2-13) Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2.83/18.--Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Agr. Land M. No. 55, Killa No. 13/2(4-2) situated at Village Mehrauli and Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ashok Kumar Khemka
 s/o Shri Shyam Sunder Lal Khemka
 r/o N-256 Greater Kailash Part I,
 New Delbi.

(Transferor)

(2) Smt. Perminder Kaur w/o Shri Narinder Singh r/o Casalini Estate, Anandpur Soghl, Simla Hills.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 55 Killa No. 13/2(4-2) Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. LAC/Acq.III/SR-III/2.83/19.—Whereas, 1, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agri. Land M. No. 55 Killa No. 8/2(4-4) situated at Village Mehrauli and Tehsil Mchrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act to the fall said. section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ashok Kumar Khemka s/o Shri Shyam Sunder Lal Khemka r/o N-256 Greater Kailash Part I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Perminder Kaur w/o Shri Narinder Singh r/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 55, Killa No. 8/2(4-4), Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2.83/20.—Whereas, 1, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinester referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.
M. No. 55, Killa No. 7/2(4-0), 8/1(0-5) situated at Village Mehrauli and Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Vijay Kumar Khemka s/o Shri Shyam Sunder Lal Khemka r/o N-256 Greater Kailash Part I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Perminder Kaur w/o Shri Narinder Singh r/o Casalini Estate, Anandpur Soghi, Simla Hills,

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 55 Killa No. 7/2(4-0) 8/1(0-5), Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli,

> - B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. EISTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/2.83/SR-III.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fall market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land Khasra No. 1132/1(1-6), 1132/2(4-0), 1134 min-(1-3), village Chatttarpur Tehsil Mchrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ganga Saran, Har Saran, Raj Hans, Subhash Chander, Ss/o Shri Ranjit Singh (1/2) S/Shri Tej Pal, Radhey Shyam Ss/o Shri Sarjit Singh (1/2) r/o Chhatarpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Nighoon, w/o Dr. Suraj Parkash Nighoon r/o 25/56, Punjabi Bagh, New Delhi (1/3) and Shri Garish Oberoi, s/o N-204A, Greater Kailash-I, New Delhi (2/3rd).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 6 bighas and 9 biswas, Khasra No. 1132/1(1-6), 1132/2(4-0), 1134 min. (1-3), Village Chhattarpur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-10-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. ETSTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/2.83/30/SR-III.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land Khasra No. 1131/2(3-7), 1133 min. (2-7) situated at village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Ganga Saran, Har Saran, Raj Hans, Subhash Chander, Ss/o Shri Ranjit Singh (1/2)
 S/Shri Tej Pal, Radhey Shyam Ss/o Shri Sarjit Singh (1/2)
 r/o Chhatarpur, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Nighoon, w/o
Dr. Suraj Parkash Nighoon r/o
25/56, Punjabi Bagh,
New Delhi (1/3) and
Shri Garish Oberoi, s/o
Som Nath Oberoi r/o
N-204A, Greater Kailash-I,
New Delhi (2/3rd).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 1131/2 (3-7), 1133 min. (2-7), Village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi. Chliattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
ROOM NO. 412, CR BUILDING, I P. ETSTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/2-83/31/SR-III.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agri. land Khasra No. 1135 mm. (4-0), 1138 min. (3-12), situated at village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S/Shri Ganga Saran, Har Saran, Raj Hans, Subhash Chander, Ss/O Shri Ranjit Singh (1/2)

(Transferor)

S/Shri Tej Pal, Radhey Shyam Ss/o Shri Sarjit Singh and Smt. Khazan Dei, w/o Sarjit Singh, r/o Village Chhatarpur, New Delhi.

(2) Mrs. Phool Bindra w/o Shri Nand Kishore Bindra, r/o L-34, Kirti Nagar, New Delhi (2/3) and Shashi Nighoon w/o Dr. Sulaj Parkash Nighoon r/o 26/56, Punjabi Bagh, New Delhi (1/3).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas and 12 biswas Khasra No. 1135 min.(4-0), 1138 min(3-12) village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-10-1983

Seal;

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. ETSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC,/Acq. III/2-83/32/SR-III.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land khasra No. 1138 min(2-1), 1133 min. situated at (2-9) village Chattarpur, New Delhi

(and morefully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ganga Saran, Har Saran, Raj Hans, Subhash Chander, Ss/o Shri Ranjit Singh (1 shate)

(Transferor)

S/Shri Tej Pal, Radhey Shyam Ss/o Shri Sarjit Singh (1/2) Village Chhatarpur, New Delhi.

(2) Smt. Phool Bindra w/o Nand Kishore Bindra, r/o L-34 Kirit Nagar, New Delhi (2/3 share), Shashi Nighoon w/o Dr. Suraj Parkash Nighoon r/o 26/56 Punjabi Bagh, New Delhi (1/3rd share).

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 10 biswas, Khasra No. 1134 min. (2-1), 1133 min. (2-9), village Chhattarpur, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/2-83/33/SR III.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Agricultural Land Khasra No. 1163 min. (1-0), 1164 (4-16), 1135 min. (1-12), 1138 min. (1-4), village Chhattarpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---31--346 GI/83

(1) Shri Ganga Saran, Har Saran, Raj Hans Subhash Chander sons of Sh. Ranjit Sngh (1/2) Tej Pal, Radhey Shyam sons of Sh. Sarjit Singh and Smt. Khazan Dei, wd/o Sarjit Singh, r/o Village Chha tarpur, New Delhi.

(2) M/s. Surya Enterprises Pvt. Ltd.,
1, Kaushalya Park, New Delhi-16 through its
Managing Director Shri Nand Kishore Bindra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bighas and 12 biswas Khasra No. 1163 min. (1-0), 1164 (4-16), 1136 min. (1-12), 1138 min. (1-4) with tube-well village Chattarpur, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 11-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. JAC/Acq. III/2-83/34/SR 1II.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land Kh. No. 1160 (4-16), 1163 min (3-16), situated at Village Chhattaipur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ganga Saran, Har Saran, Raj Hans Subhash Chander sons of Sh. Ranjit Sngh (1/2) Tej Pal, Radhey Shyam sons of Sh. Sarjit Singh and Smt. Khazan Dei wd/o Sarjit Singh, r/o Village Chhattarpur, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Surya Enterprises Pvt. Ltd.,
 Kaushalya Park, New Delhi-16 through its Managing Director Shri Nand Kishore Bindra. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 8 bighas and 12 biswas khasra No. 1160 (4-16), 1163 min (3-16), Village Chhattarvur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi,

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1983

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHL

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/2-83/40/SR III.—Whereas I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing
House No. T-316 & T-317 Ward No. XVI, Plot No. 137 & 138 Kh. No. 625/451 Block 'AC' Khewat No. 1, Khatoni No. 50, si, uated at K. Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeead exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Krishnawati w/o Late Kirpa Ram

Hardwari Lal
 Satya Pal Bhardwaj

4. Parshotam Bhardwaj all s/o Kirpa Ram &

 Smt. Om Sharma d/o Kirpa Ram, members of HUF & its Karta Purshotam s/o Dr. Hem Raj Jain, r/oH. No. 847, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi. Bhardwaj through attorney Dr. Gian Chand Jain

(Transferor)

21321

(2) Shri Abhinandan Kumar Jain son of Shri Kala Ram Jain & Smt. Ramesh Kanta Jain w/o Abhinandan Kumar Jain both r/o 3690-92, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. T-316 & T-317 Ward No. XVI, Plot No. 137 & 138, Kh. No. 625/451, Block 'AC' Khewat No. 1, Khatoni No. 50, measuring 171 sq. yds. situated at Khajur Road, Karol Bagr, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1983

- (1) Addl. Dy. Comm'ssioner (RPC) Town Hall Chandni Chowk, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Mohinder Singh Chander Mohan, E-11, Kirti Nagar, New Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/ Λ cq. III/2-83/41/SR III.—Whereas I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Basement shops at G.F. Mazinine Floor Office 1st, 2nd & 3rd floor, Desh Bandhu Gupta Road, situated at near Pahar Ganj

Dispensary, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Multistoreyed at Desh Bandhu Gupta Road, near Pahar Ganj Dispensary, Basement of shops at G.P. Mazinine Floor Office unit at 1st, 2nd & 3rd floor.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rarige III
Delhi/New Delhi

Date: 11-10-1983

 Shri Navinchandra B. Shah, son of Shri Bhaichand T. Shah, r/o 98, Rabindra Nagar, New Delhl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopal Datt Sharma son of Shri Har Narain, r/o B-95, Gulmohar Park, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. 1II/2-83/42/SR-III.—Whereas I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. B-95, situated at Gulmohar Park, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-95 measuring 300 sq. yds. situated at Gulmohar Park, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN F OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 30th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/2-83/44.—Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 13/34, situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. J. N. Kapoor, 12/19, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manoj Khanna, Mukesh Khanna, Manish Khanna, Sandeep Khanna & r/o 2-C/5, New Rohtak Road, New Delhi. . Vanit Khanna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 13/34, WEA, Karol Bagh, New Delhi,

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 30-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Babu Ram, 44 Ratendon Road, New Delhi through Shri P. P. Tharma Registrar of High Court, New Delhi.
- (Transferor) (2) Delhi Auto & General Finance Pvt. Ltd., 3/15A Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/2-83/55A.—Whereas I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Khasra No. 264-265, 267, 266, 331 situated at Village
Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1983

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 51 bighas and 11 biswas Khasra No. 264, 265, 266, 267 and 335 Village Mehrauli and Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1983 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-III, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-IV/2-83/505.—Whereas I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. B-108 situated at Vivek Vihar Shahdara Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Amrit Lal s/o Shri Bishan Lal, R/o 5/57, Piarey Lal Road, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Khanna s/o Late Shri Chander Bhan Khanna R/o 49, Dulex Flate Gur Mandi Delhi-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-108 measuring 125 sq. yds, situated at Jhilmil Tahirpur Residential Scheme, Vivek Vihar, Shahdara Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. IV/2-83/524.—Whereas I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Property No 171-E Khasra No. 1133/370 situated at Krishan

Nagar, Shahdara Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—346 GI/83

 Smt. Savitri Devi w/o Bachh Raj Sonalia R/o 19-A Dilshad Garden Shahdara, Delhi-32.

(Transferor)

(2) Gopi Swarup, B-395, Nirman Vihar, Sakurpur, Delhi.
Brlj Mohan, K-68, Krishna Nagar, Delhi-51.
Santosh Gumbar, B-Jai Puria Bldg. Kamla Nagar, Kolhapur Road, Delhi-7.
Raksha Devi C7/11, Krishna Nagar, Delhi-51.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 171-E measuring 133 sq. yds. part of Khasra No. 1133/370 situated at Village Jhilmila Tahirpur, in the abadi of Krishan Nagar colony, presently known as Friends Colony, Gali No. 8, Illaqa Shahdara, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1983

PORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. IV/2.83/526.—Whereas I, B. K. GUPTA

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. C-7/3 situated at Krishan Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incomb-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 1, Shri Surinder Pal Sharma s/o Shri Narain Dass Sharma r/o C-7/3, Krishan Nagar Delhi-51.
 2. Sh. Vijay Kumar Sharma s/o late Rattan Chand Sharma r/o H-4/1, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

 Shri Som Nath Sachdeva s/o late Shri Lal Chand r/o 17/132, Gita Colony, Delhi-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-7/3 area 80.8/9 sq. yds. with structure at Krishan Nagar, Delhi.

, B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range JH
Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. IV/2.83/528.—Whereas 1, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-7/3 Krishan Nagar situated at Dolhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Miss Shakuntla Devi d/o Shri Narain Dass Sharma r/o C-7/3 Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani wife of Sh. Som Nath Sachdeva r/o 17/132 Gita Colony, Delhi-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-7/3 area 40.4/9 sq. yds. at Krishan Nagar, Delhi-51.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, ROOM NO. 412 CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, he 13th October 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-IV/2-83/532.--Whereas I, B. K. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

bearing
No. 171-E, situated at Friends Colony, Shahdara, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on February 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-jax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Savitra Devi w/o Bachh Raj Sonalia r/o 79-A, Dilahad Garden, Shahdara, Delhi-32. (Transferor)

(2) Shri Gopi Swarup, B-395, Nirman Vihar, Sakurpur, Delhi. Santosh Gumbar, 8-68, Krishna Nagar, Delhi-51. Santosh Gumbar, 8-Jai Puria Bldg., Kamla Nagar, Kolhapur Road, Delhi-7. Raksha Devi, C7/11, Krishna Nagar, Delhi-51.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 171-C, mg. 130 sq. yds. part of Khasra No. 1133/370, situated et village Jhilmila Tahirpur in the abadi Krishan Nagar colony, presently known as Friends Colony, Gali No. 8, Illaga Shahdara, Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1983

FORM LT.N.S.—---

 Smt. Darahan Devi W/o Shri Ved Parkash S/o Shri Vishan Sarup R/o 216/2, Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Super Finishers. Sanauli Road, Panipat through Anil Bhandari S/o Shri Raj Kumar Bhandari, R/o Panipat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th October 1983

Ref. No. PNP/285/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/tand bearing No.

Land measuring 2 kanals 12 marla situated at Ugra Kheri

Panipat)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanals 12 marla situated at Ugra Kheri (Panipat) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6444 dated 21-2-1983 with the S. R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-10-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK. D.L.F. COLONY

Rolitak, the 19th October 1983

Ref. No. PNP/286/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 kanals 1 marla situated at Ugra Kheri (Panipat)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Om Parkash S/o Shri Ganga Sagar S/o Shri Harji Lal R/o H. No. 92-L, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) M/S Super Finishers Sanauli Road, Panipat through Shri Anil Kumar Bhandari and Shri Vijay Kumar S/o Shri Raj Kumar Bhandari S/o Shri Ved Parkash and Bishan Sawrup R/o Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanals 1 marla situated at Ugra Kheri (Panipat) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6537 dated 25-2-1983 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquision Range, Rohtak

Date: 19-10-1983

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th October 1983

Ref. No. PNP/290/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 kanals 1 marla situated at Ugia Kheri

(Panipat)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability ef the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Darshna Devi W/o Shri Ram Kumar S/o Shri Laxmi Chand R/o 92-L, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) M/s Super Finishers Sanauli Road Panipat through Shri Anil Bhandari S/o Raj Kumar Bhandari, Panipat Shri Vijay Kumar S/o Shri Ved Parkash S/o Shri Vishan Sarup R/o Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanals 1 marla situated at Vill. Ugra Kheri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6669 dated 7-3-1983 with the S.R. Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date : 19-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th October 1983

Ref. No. PNP/318/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 2 bigha 18 biswas 10 biswani situated at Taraf Rajputana, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Chander Parkash S/o Shri Tulsi Dass S/o Shri Jaisa Ram R/o Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vijay Kumar S/o Shri Ram Niwas S/o Shri Matu Ram R/o G. T. Road, Panipat

R/O G. 1. ROBU, Famipat 3/4 share 2. Shri Anil Kumar Gupta S/o Shri Khush Hal Chand S/o Shri Sita Ram R/o Geeta Mandir Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighs 18 biswas 10 biswani situated at Taraf Rajputana, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6468 dated 22-2-1983 with the S.R. Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range, Rohtak

Date: 19-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Karam Nerain S/o Shri Tulsi Dass S/o Shri Jaisa Ram R/o Model Town, Panipat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th October 1983

Ref. No. PNP/319/82-83.—Whereas, J.

R. K. BHAYANA, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 2 bigha 15 biswas 10 biswani situated at Taraf Rajputana, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Feb., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(2) Shri Vinod Kumar S/o Shri Ram Niwas S/o Shri Matu Ram R/o G. T. Roar, Panipat. C/o M/S Sarvo Tex, G. T. Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being 2 bigha 15 biswas 10 biswani situated at Taraf Rajputana, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6469 dated 22-2-1983 with the S.R. Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-33-346 GI/83

Date: 19-10-1983

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Yaspal Mittal S/o Shri Babu Rasn Mittal S/o Shri Bishan Sarup R/o Mittal Bhawan, G. T. Road, Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Super Finishers, Sanauli Road, Panipat through Shri Sanjiv Tuli S/o Shri O. P. Tuli

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th October 1983

Ref. No. PNP/320/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2 kanals 12 marla situated at Ugra Kheri

(Panipat) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been Gr which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 k. 12 marla situated at Ugra Kheri Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6257 dated 10-2-1983 with the S.R. Panipat.

> K. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

Date: 19-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43. OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th October 1983

Ref. No. A.P. No. 4821.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing

No: as per schedule situated at V. Sheikhu (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Peja Singh Shri Kulwant Singh Ss/o Thana Singh R/o V. Sheikh, Tehsii Muktsar.

(Tranferor)

(2) Shri Darshan Singh
S/o Bishan Singh and
Shrimati Joginder Kaur
W/o Darhan Singh and
Shri Niranjan Singh
S/o Bishan Singh and
Shrimati Mohinder Kaur
W/o Niranjan Singh and
Shri Mukhtiar Singh
S/o Bishan Singh and
Shrimati Swrinder Kaur
W/o Mukhtiar Singh
R/o V. Karam Patti,
Tehsil Multsar. Dist-Faridkot.

(Transferce)

- (3) A S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kls. situated in Village Sheikhu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2298 of February, 1983 of the Registering Authority, Malout.

J. L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-10-1983

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th October 1983

Ref. No. A.P. No. 4744.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Parkash
S/o Sohan Lal
R/o Parkash Industries,
Tanda Road, Jalandhar
Mukhtiar-ai-Khas of Smt. Ishar Kaur
W/o Shri Karam Singh
R/o Bakkar Cottage,
Rly. Road, Jalandhar.

(Tranferor)

(2) M/S Madan Steel Industries Tanda Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house area 2 Kls. situated near Nagra, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7356 of February, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar...

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Pune-411009, the 6th October 1983

Ref. No. CA-5/37EE/253/83-84.—Whereas, I SHASHI-KANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 6, Bldg. A. Yerawada, situated at Pune-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. 'K' Promotors and Builders, 58/A Kasturba Housing Society, Vishrantwadi Pune-15.

(Transferor)

(2) Mr. Omprakash Sitaram Gupta, Kalas, Alandi Rd., Punc-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perold of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUE

Flat No. 6, Building No. A, Survey No. 116+150+153A Mohanwadi, Yerawada (Alea 790 Sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune—under No. 849 in the month of Feb. 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ANAND BAZAAR, COCHIN-662016 ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",

Cochin-662016, the 19th October 1983

Ref. L. C. 662/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY kef. L. C. 662/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Fort, Cochin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Paristering Office, at

1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 1-2-1983 and 2-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of tre property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. J. THOMAS Pazhampilly House, Vaduthala, Cochin-682 023. (Transferor)

(2) Mallika Pasha & Maha Pasha by Guardian MARIAM PASHA, Bungalow-3, INDU PARK, Andhery, West, Bombay-58. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

60 cents of land with building No. 1/271 in Fort Cochin Village in Sy. No. 18 as per schedule attached to Doc. Nos. 665/83 dt. 1-3-83 and 672/83 dt. 2-3-1983 of S.R.O., Cochin.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-10-1983

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th October 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2128.—Whereas, 1 MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 64-A situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Laduram Dholka, S/o Shri Keshavlalji Ghee-walon Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur. (Transferor)
- (2) Miss Namrata Saxena, D/o Shri Ashok Kumar Saxent, Advocate, throug Gurdian Smt. Kirti Saxena, Pan-ku-Dariba, Jaipur.

 (Trnasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64-A, situated at Priyadarshi Marg, Tilak Nagar Mot Doongri Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 332 dated 21-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2129,—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot N-B-22 situated at Jajour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 21-2-1983

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Bhawani Prasad, S/o Shri Rattanlal Panwar J-51, Krishna Marg, C-Schme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chand, S/o Shri Mandanlal Agarwal, B-22/A, Subhash Nagar, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40% share in plot No. B-22, A situated at Subhash Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered at the S.R. Jaipur vide No. 373 dated 21-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-10-1983

(Transferor)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(y) Shri Ratanlal Purohit, S/o Shri Motilalji Purohit,

POA of Shri Sumer Singh, S/o Shri Gyanishinghji, Vill. Chawathera, Tch. Dausa, Distt. Jaipur.

(2) Shri Languira Ram, S/o Shri Ghaynshyamdasji, Agarwal D-27, Naharika Naka, Jaipur. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2130.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-29 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 8-2-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-29, situated at Naharika Naka, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 245 dt. 8-2-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following -1 persons, namely :-

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2131.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 169B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E-188 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Brij Mohan Saboo, S/o Shri Ramswaroop Maheshwari Plot No. E-188, Amba Bari, Jaipur. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Agarwal, W/o Shri Ramesh Chandra, E-188, Amba Bari Extension Scheme Jaipur.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-188, situated at Amba Barl Extension Scheme Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 273 dated 8-2-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Girdharilal, S/o Shri Phool Chand, Bhilwara.
 (Transferor)
- (2) Shri Prahlad Kumar, S/o Shri Sohanlal Swarankar, Chittorgarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2132.—Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Bhilwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhilwara on 8-2-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of residential plot at Ward No. 5 Talak Road Near Sunaron ka Mandir, Bhilwara, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhilwara vide No. dated.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jainur.

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaiput, the 14th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2133.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot at Ward situated at Bhilwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhilwara on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Girdhardal, S/o Shri Phool Chand, Bhilwara.
 (Transferor)
- (2) Smt. Leela Devi, W/o Shri Laxmankumarji Arya, Swarankar Samber, Distt. Ajmer. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of residential plot at Ward No. 5, Talab Road, Near Sunaron ka Mandir, Bhilwara, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhilwara vide No. dt.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-10-1983

- (1) Shri Girdharilal, S/o Shri Phool Chand, Bhilwara. (Transferor)
- (2) Smt. Kameri Bai, W/o Shri Sohanial Swarankar, Chittor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2134.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

No. Plot at Ward situated at Bhilwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhilwara on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby faithful proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/3rd share of residential plot at Ward No. 5, Talab-Road, Near Sunaron ka Mandir, Bhilwara, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhilwara vide No. dated.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 14th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2135.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. E-188 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Brij Mohan Sahoo, S/o Shri Ramswaroop Maheshwari Plot No. E-188, Abba Bari, Jaipur. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Agarwal, W/o Shri Ramesh Chandra, E-188 Amba Bari Extension Scheme Jaipur. (Transferee)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-188 situated at Amba Bari Extension Scheme Jaipur and morefully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 206 dt. 8-2-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrì Madanlal S/o Sh. Ram Prasad B-22A, Subhash Nagar Jaipur.

(1) Shri Bhawani Prasad, S/o Sh. Rattanlal Panwar,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

J-51, Kirshna Marg, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2136.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Plot No. B-22 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jaipur in 21-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

60% share in plot No. B-22 situated at Subhash Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide No. 372 dated 21-2-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-83

(1) Shri Jamanlal S/o Sh. Phool Chand Goldsmith Bhilwara.

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kumar, S/o Sh. Chuttarmal, Gudipada, Chittorgarh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2137.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. 1/3rd Property situated at Bhilwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhilwara in Feb. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property situated at Junabas, Near Summon-ka-Mandir, Bhilwara and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhilwara during the month of February, 1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

wing Date: 13-10-83 Seal:

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2138.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 1/3rd Property situated at Bhilwara (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhilwara in Feb. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—346GI/83

(1) Shri Jamanlal S/o Sh, Phool Chand Goldsmith Bhilwara.

(Transferor)

(2) Shri Chittaımal S/o Sh. Buxiram, Gudipada, Chittorgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property situated at Junabas, Near Sunaron-Ka-Mandir, Bhilwara and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhilwara during the month of Feb. 1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th October 1983

Ref. No. Rej/(Acq.) 2139.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 1/3rd Property situated at Bhilwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhilawar on Feb. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following tersons, namely:—

(1) Shri Jamnalal S/o Sh. Phoolchand Goldsmith, Bhilwara.

(Transferor)

(2) Shri Gordhanlal S/o Sh. Chittarmal, Gudipada Chittorgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property situated at Junabas, Near Sunaron-Ka-Mandir Bhilwara and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bhilwar during the month of Feb. 1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-10-83

21353

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2140.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. A, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur in 14-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lalit Mohan Bijalani, S/o Mohanlal Bijalani, Bombay.

(Transferor)

(2) Dinesh, S/o Sh. Ramachander and Smt. Janki, W/o Dinesh Agarwal, Rakhi House, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A, situated at Residency Road, Joshpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide No. 456 dated 14-2-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Dated: 15-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2141.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Plot No. C situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jodhpur in 15-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

- Shri Shambu, Premchand, Jaisinghani, S/o Premchand Chandji GPA Lalit Mohan Bijalani, 1/3A, Vikram Vihar Lajpat Nagar, 4, New Delhi,
- (Transferor)
 (2) Shri Janki & Basanti Gupta Sindhi Colony, Jodhpur.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C situated at Residential/Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide No. 486 dated 15-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Dated: 15-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).2142.—Whereas, I, MOHAN SINGH, .

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. B situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
at Jodhpur on 15-2-1983
for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stared in tht said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Lalit Mohan Bijalani
 S/o Sh. Mohan Lalji
 GPA Shambu, Premchandji, R/o 1/3A,
 Bikram Vihar,
 Lajpat Nagar, 4, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Basanti, W/o Sh. J. Gupta
R/o Sindhi Colony, Jodhpur
Sh. Dinesh Agarwal,
S/o Ramchanderji. Rakhi House, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B, situated at Residency Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide No. 485 dated 15-2-83.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1983.

FORM ITNO --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2143.—Whereas, I.

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 276-A situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jodhpur on 1-2-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

- (1) Shrimati Anand Kanwar, W/o Sh. Prabhu Dayal Mathur, Sangram Colony, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Rajendra Dayal, S/o Sh. Devilal Mathur, R/o Sardarpura, 4th-B Road Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 276-A, situated at 4-B Road, Sardarpura, land more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide No. 334 dated 1-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jalpur, the 15th October 1983

Ref. No. Rei/IAC(Acq).2144.--Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 13-A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-2-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Mohan Singh, S/o Sh, Chand Singh, Sawat Singh & Bhopat Singh, GPA Mahesh Chand, S/o Anand Chandji Mehta, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Anand Chand Mehta, S/o Sh. Prahabat Chand Mehta, Mehro ka Chowk, Naya Bass, Jodhpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 13-A, situated at Shastri Nagar Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide No. 663 dated 26-2-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING.
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2145.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 13-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 26-2-83.

far an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahesh Chand, S/o Shri Anand Chand Mehta, R/o Jodhpur GPA of Sh, Mohan Singh and Sanat Singh Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Mehta, S/o Sh. Anand Chand, Mehta, Mehron ka Chowk, Naya Bass, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 13-B, situated at Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide No. 664 dated 26-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2146.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jodhpur on 26-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36--346GI /83

 Shri Ashok Kak, S/o Sh. Pratapnarainji Kak, through GPA Tej Narain, S/o Shyam Narainji, Overseas Project Officer, Associated Cement Company, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Bal Kishan. S/o Sh. Kundan Malji, Borana, Infront of Police Lines, Ratanada, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Chand Pole Chokha, Jodhpur and more fully described in the vale deed registered by the S. R. Jodhpur vide No. 685 dated 26-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-10-1983.

(1) Ashok Kak, S/o Pratap Narainji Kak, through GPA Tej Narain, S/o Shyamnarain, Jodhpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Indermalji, S/o Sh. Kundanlal, Horana, Infront of Police Lines, Ratanada, Jodhpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2147.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Property situated at Jodhpur

bearing No. Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of:
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property situated at Chand Pole Chokha, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide No. 688 dated 26-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ashok Kak, S/o Pratap Narainji Kak, through GPA Sh. Teh Narain S/o Shyamnathji Jodhpur. (Transferor)

(2) Kundanmal, S/o Muthalalji Gorana, Infront of Police Line, Ratanada, Jodhpur.

(Transferse)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2148.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jodhpur on 26-2-83

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Chand Pole Chokha, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide No. 687 dated 26-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tag
Acquisition Range
Acquisition Range
Jaipur

Date: 15-10-83

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2149.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ashok Kak, S/o Pratap Narainji Kak, through GPA Sh. Tej Narain S/o Shyamnathji Jodhpur.

(Transferor)

(2) Joharilal S/o Sh. Kundanmalii Borana. Infront of Police Lines, Ratanada, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Chand Pole Chokha, Jodhpur, and more fully described in sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide No. 686 dated 26-2-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range, Jalpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2150,-Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot E-7 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur in 21-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Jugal Kishore Pareck S/o Sh. Narain Lal Pareck Nahargarh Road, Nimri Ki Police Choki, Purani Basti, Jaipur.

(Transferor)

(2) Ayodhya Prashad Khandelwal, E-7 Shasri Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-7, situated at Shastri Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide No. 328 dated 21-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2151.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/12th share of land situated at Udaipura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 26-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Amarjeet Kaur, W/o of late Sh. Sardar
 Pyare Singh Babra, as natural guardian of her son
 Sh. Prithvi Pal Singh and daughters Miss
 Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra,
 Pamandeep Kaur, Udalpur.
- (Transferor)
 (2) Smt. Usha Saruparia, W/o Sh. Tej Singh Saruparia
 C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital,
 Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide 418 dated 26-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Jaipv

Date: 19-10-1983

Seel:

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2152.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 1/12th share of land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sint. Amarjeet Kaur, Wd/o late Sh. Sardar Pyara Singh Babra, as natural guardian of her son Sh. Prithavi Pal Singh and daughters Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babre, Pamandeep Kaur Udaipur.
- (2) Smt. Usha Saruparia, D/o Sh. Kishan Singh, C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft, situated at panchwati Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. 422 dated 8-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-10-83

Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2153.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 1/12th Share of land situated at
Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Udalpur on 24-2-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Szut. Amarjeet Kaur, Wd/o late Sh. Sardar Pyare Singh Babra natrual guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughter Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babre, Pamandeep Kaur, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Singh Sarupari S/o Shri Khubilaji C/o Udalpur Garrage Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Uaipur vide No. 406 dated 24-2.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 15-10-83

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2154,-Whereas, I,

Ret. No. Rej/IAC(Acq.) 2154.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 25-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-37-346GI/83

(1) Smt. Amarjeet Kaur, Wd/o late Sh. Sardar Pyare Singh Babra as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughters Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra, Pamandeep Kaur, R/o Udaipur,

(Transferor)

(2) Sh. Punit Kumar Saruparia, S/o Sh. Narendra Singh, through guardian Sh. Mahendra Singh, C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Hdainne.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft, situated at Panchwati, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. 419 dated 25-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-10-83

Seal.

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING

STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2155.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Udaipur on 24-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amarjeet Kaur, Wd/o late Sh. Sardar Pyare Singh Babra, as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughters Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra, Pamandeep Kaur, R/o Udaipur.

(2) Manju W/o Sh. Narendra Singh Saruparia, C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. 403 dated 24-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-10-83

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2156.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. measuring situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udainur on 26-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Amarjeet Kaur, widow of late Sh. Sardar Pyare Singh Babia, as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughter Miss Kaur, Amrit Kour Babra, Abhitash Pamandeep Kaur. R /o Udaipur.
- (Transferor) (2) Smt. Manohara, D/o Kishan Singhji Saruparia C/o Udaipur Barrage, Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur, and more fully described in the Sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. 420 dated 26-2-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-10-83

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2157.—Whereas, I,

Ref. No. Rej. Inc. (1864). 211.
MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reserve having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

No. measuring situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Udaipur on 24-2-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Amarjeet Kaur, widow of late Sh. Saidar Pyara Singh Bagra, as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughters Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra, Paman deep Kaur R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Lila D/o Sh. Kishan Singh Saruparia, C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hosptial, Udaipur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwat, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. 405 dated 24-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 19-10-83

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2158.-Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 25-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Amarjeet Kaur, Wd/o late Sh. Sardar Pyare Singh Babra, as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh Kaur and daughter Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra, Pawandeep Kaur R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Kumari Harsha Saruparia, D /o Sh. Tej Singh through guardian Narendra Singh, C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. 407 dated 25-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalpur.

Date: 19-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2159.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. measuring situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Udaipur on 6-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Amarjeet Kaur, Wd/o late Sh. Sardar Pyare Singh Babia, as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughters Miss Abhitash Kaur.

(Transferor)

(2) Smt. Vljay Laxmi W/o Sh. Kishan Singhji Saruparia C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. 405 dated 6-2-83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dale: 19-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2160.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. measuring situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amarjeet Kaur, widow of late Sh. Sardar Pyare Singh Babra, as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughters Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra, Paman deep Kaur, R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Ritu Saruparia, D/o Sh. Tej Singh, through Guardian Sh. Narendra Singh C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur, and more fully described in the sale registered by the S.R. Udaipur vide No. 402 dated 24-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-10-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2162.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-bearing No. measuring situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Udaipur on 8-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Smt. Amarjeet Kaur, Wd/o late Sh. Sardar Pyare Singh Babra, as natural guardian of her son Sh. Prithvi Pal Singh and daughters Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra, Paman deep Kaur, R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Chhatrapati Saruparia S/o Tej Singh through Guardian Sh. Narendra Singh, S/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. dated 8-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-10-83

(1) Smt. Amarjeet Kaur, Widow of late Shri Sardar Pyare Singh Babra, as natural guardian of her son Shri Prithy, Pal Singh and daughter Miss Abhitash Kaur, Amrit Kaur Babra Pamandeep Kaur, R/o Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sushri Asha Saruparia, D/o Shri Kishan Singh C/o Udaipur Garrage, Oppo. General Hospital, Udaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2163.—Whereas, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Land stuated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 8-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—
38—346 GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of land measuring 6658 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide No. dated 8-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-10-1983.

\$eal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BULIDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2164,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
land 1665 sq. ft. situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 9-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sold Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Amarjeet Kaur Babra, Widow of late Sardar Pyare Singhji Babra, R/o Uadaipur.

(Transferor)

- 1. Shi i Narandia Singh Saruparia S/o Shri Kishan Singh Saruparia.
- 2. Smt. Chandra Bai Saruparia,

- Smt. Chandra Bai Sarupatia,
 W/o Shri Kishan Singh Saruparia.
 Smt. Usha Devi Saruparia,
 W/o Shri Tej Singh Saruparia.
 Smt. Lila, D/o Shri Kishan Singhji Saruparia.
 Smt. Manohar d/o Shri Kishan Singhji Saruparia.
 Shri Mahandra Singh S/o Shri Kishan Singhji
- 6. Shri Mahandra Singh S/o Shri Kishan Singhji Saruparia.

- Shri Kishan Singh S/o Shri Khubilalji Saruparia.
 Shri Tej Singh Saruparia,
 S/o Shri Kishan Singh Saruparia.
 Smt. Vijay Laxmi D/o Kishan Singhji Saruparia.
 Smt. Manju W/o Shri Narendra Singhji Saruparia.
- 11. Sushri Usha D/o Shri Kishan Singhji Saruparia.
- Sushri Asha, D/o Shri Kishan Singhji Sarupario
 C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1665 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur vide No. 264, dated 9-2-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BULIDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th October 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2165.--Whereas, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 1665 sq. ft, situated Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Udaipur on 16-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the facility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Jogendra Kaur, Widow of late Sardar Pyare Singhji Babra R/o Udaipur.

(Transferor)

- 1. Shri Narendra Singh Saruparai, S/o Shri Kishan Singh Saruparia.
- 2. Smt. Chanrra Bai Saruparia,

W/o Shri Kishan Singh Saruparia.
3. Smt. Usha Devi Saruparia,
W/o Shri Tej Singh Saruparia.
4. Smt. Lila D/o Shri Kishan Singhji Saruparia.

Smt. Manohar d/o

Shri Kishan Singhji Saruparia. 6. Shri Mahendra Singh S/o Shri Kishan Singhji Saruparia. 7. Shri Kishan Singh S/o

Shri Khubilalji Saruparia.

Shri Tej Sinugh Saruparia,
 S/o Shri Kishan Singh Saruparia.
 Smt. Vijay Laxmi D/o

Kishan Singhji Saruparia. Smt Manju W/o Shri Narendra Singhji Saruparia.

 Sushri Usha D/o Shri Kishan Singhji Saruparia.
 Sushri Asha D/o Shri Kishan Singhi Saruparia C/o Udaipur Garrage, Opp. General Hospital, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1665 sq. ft. situated at Panchwati, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Uaidpur vide No. 265 dated 16-2-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 20-10-1983 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jainur, the 19th October 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2166.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

sing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 28-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jan Mohd. S/o Shri Fazal Mohd. Musalman, Udaipur.

(Transferor)

- (2) (1) Sh. Laxmilal S/o Chandrasenji, 85. Rituvilas. Udaipur.
 - (2) Sh. Hukmi Chand Jain S/o Sh. Heeralal, 103, Toran Bawari Road, Udaipur,
 - (3) Sh. Vijay Singh Chaplot S/o Sunderlal Chaplot, Chordia Bhawan, Udaipur.
 - (4) Sh. Kailash Kumar Agarwal S/o Sh. Ramlal Agarwal, Norakhara, Udaipur of M/s Gem Marble (India) Pvt, Ltd. Sukher, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bigha 15 biswa situated at Sukher, Teh. Girwa Distt. Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur vide No. 439 dated 28-2-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION. RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th October 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2168.—Whereas, I, MOHAN SINGH, $+\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{n}} dt dt dt$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 7 situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 18-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

Shri Moolchand
 S/o Shri Daulal Jisoni,.
 Rawaton Ka Bass,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Swantontra, Laxmi Kothari W/o Shri Jug Raj Kothari, Near Tur Ji ka Jhalara, Man Chowk, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 7 soni Bhawan, situated near Sathin Houes, puota Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide: No. 515 dated 18-2-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-10-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Moolchand
 S/o Shri Daulal Jisoni,
 Rawaton Ka Bass,
 Jodhpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th October 1983

(2) Shrimati Kamla Kothari W/o Shri Nag Raj, Near Tur Ji ka Jhalara, Manak Chowk, Jodhpur.

(Transferee)

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2169.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 7 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property on plot No. 7 soni Bhawan, situated near Sathin Houes, raota Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide No. 513 dated 18-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-10-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL BEVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th October 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2170.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Moolchand
 S/o Shri Daulal Jisoni,
 Rawaton Ka Bass,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Sudha Kothari W/o Shri Champalal, Near Tur Ji ka Jhalara, Manak Chowk, Jodhour.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 7 soni Bhawan, situated near Sathin Houes, paota Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide No. 515 dated 18-2-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 21th October 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2178.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-98 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aimer on 5-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sacquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. C. Pathak S/o S. L. Pathak, E-104, Shastri Nagar, Ajmer POAH of Major Ravindra Kumar S/o Deshraj, GZASD, C/o 56 A.P.O.

(Transferor)

(2) Shri Commander K. R. Shrivastva S/o Tejiram Shrivastva, E-98, Shastri Nagar, Aimer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-98, Shastri Nagar, Aimer, situated at Aimer, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Aimer vide No. 639 dated 5-2-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-10-1983

Subramaniam,
 S/o Ramaswamy Iyea,
 Advocate Nagarajan St,
 Udumalpet

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narayanammal, Ranganathan, Narayanaswamy, Balakrishnan, Srinivasa Naicken Garden Road,

Udumalpet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12744.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No 171, situated at Kanakkampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc 616/83) on March 1983 for Exapparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid moments and I have a forestid moments and I have a forestid

for Exapparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 171, Kanakkampalam. (Doc No. 616/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—
39—346 GI/83

Date: 6-10-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th October 1983

Ref. No. 18180.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 373, situated at Pantheon Road, Madras 8

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. Madras South (Doc. 446/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-estion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 S. Solaiappan,
 Naruyanan Naicken St., Pudupet, Madras-1.

(2) R. Lakshmi, 15 St. Cathedral Road, Madras-86. (Transferor)

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 31, Pantheon Road, Madras-8. (Doc. 446/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th October 1983

Ref. No. 18542.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said-Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 17 situated at Thana St., Madras 7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 130/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) E. M. Mohamed Rafiq, E. M. Zafermulk 79, Thana St., Madras-7.

(Transferor)

(2) R. Kuppuswamy, Deiverigameni, 17, Thana St., Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17, Thana St., Madras-17. (Doc. 130/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12722.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. TS No. 10/1069/1, 1069/2 situated at Krishnaraya-puram, Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Coimbatore (Doc. 1436/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 P. R. Sinnakuppan Chettiar, S/o Periakaruppan Chettiar, Kulipirai, Pudukottai.

(Transferor)

(2) K. B. Sajan S/o K. G. Balan, Amman Kulam Road, PN Palayam, Colmbatore.

(Triansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS No. 10/1069/1, 1069/2, Krishnarayapuram. Coimbatore.

(Doc. 1436/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12737.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Thalakkaiai situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement has been registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office Pollachi (Doc. 707/83) in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Chenniappa Gr., Rathinavel. Palaniswamy. Kadirvel, Thangavelammal, Akilandapuram, Pollachi.

(Transferor)

(2) Alagappa Gr., Thirumurthy Gr. S/o Mayaswamy Gr. Suneswaranpatti. Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Thalakkarai, Pollachi. (Doc. 707/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tag Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OR THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Dorothy Barton Wright, Rep. Robert Barton Wright, Cochin Estate. Kuttanalloor, Trichur, Kerala. (Transferor)

(2) Mrs. Elsamma Thomas W/o P. C. Thomas, Good Shepherd Public School, Fern Hill (post) Ooty.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12748.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 3063/1A1A situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nilgiris (Doc. 234/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made witting: to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within: 45: days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 3063/1A1A, Ooty. (Doc. 234/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-10-1983

(1) T. G. Lingappa, 3, Siveraman St., Madras-28,

(Transferor)

F. Susairaju,
 Lazarus Church Road,
 Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

Ref. No. 18152.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS 4436/189 situated at Mandavalipakkam, Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta Mylanore (Doc. 318/83) in March 1983

1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta Mylapore (Doc. 318/83) in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 4436/189, Mandavalipakkam, Madras-28. (Doc. 318/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1983

Mrs. Vasanthi Subramanian, 146, Luz Church Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) D. Muthumani, 42, Venkatakrishna Road, Madras-28.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18631.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Flat at XI, MG Road, Madras 20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 678/83) in March 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at XI, MG Road, Madras-20. (Doc. 678/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th October 1983

Ref. No. 18186.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Thanikachalam Chetty Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at T. Nagar (Doc. 226/83) in Match 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

V. Ashok,
 Thanikachalam Chetty Road,
 Madras-17.

(Transferor)

 Kay Bee Constructions,
 Kesavaperumal Koil South Ward St., Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motion in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Thanikachalam Chetty Road, Madras-17. (Doc. 226/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 13-10-1983

Seal:

40-346GI/83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th October 1983

Ref. .. No. 18254.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 58, Balakrishna Chetty St., situated at Mdaras-33 (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 572/83) on March 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

(1) Krishnan, Vandikaran St., Saidapet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Jhansi Rani, 24, Sivaji St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 58, Balakrishna Chetty St., Madras-33 (Doc. 572/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-10-83

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th October 1983

Ref. No. 18261.—Whereas, 1 R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 21, Arcot Road, Madras-24

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of at Kodambakkam (Doc. 824/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Madhavi Narayanan, Sudhargana Karapuzha, Kottayam, Kerala.

(Transferor)

(2) S. V. Kalvikkarasi

S V Ramakrishnan,

S. V. S. Manivannan, 21, Arcot Road, Madras 24. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, Arcot Road, Madras-24. (Doc. 824/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Rajalakshmi Varadachari
 Ramaswamy St., Radhanagar, Chromepet, Madras-44.

(Transferor)

(2) D. Madan, 3, Narasimhan St., Polur, North Arcot Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th October 1983

Ref. No. 18347.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Ramaswamy St., Radhanagar situated at Chromepet (and more fully described in the Schedule annexed nereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred tinuer the Registration Act, 1906 (1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. 1243/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 437/36, Radhanagar, Chromepet Pallavaram, Madras (Doc. 1243/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following Lorsons, namely:—

Date: 13-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrar-600 006, the 13th October 1983

Ref. 18414.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No 8A, Adyar situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 558/83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Madras-600 006, the 13th October 1983
 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—

(1) M. A. Chidambaram Charities 36/40, Armenian St. Madras-1.

(Transferor)

(2) Farouk M. Irani
Mrs. Sherna Farouk Irani
Farah Farouk Irani,
Lia Farouk Irani 10, Adyar, Kotturpuram
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 8A, Adyar, Madras (Doc. 558/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-10-83

21396

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12606.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. land

Nalluttipalayam, Kinathukadavu situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kinahukadvu (Doc. 272/83) on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manmuthammal, M. Balasubramanian, Nallattipalayam, Pollachi,

(Transferor)

(2) Rajendran, 175/1, Adis St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nallattipalayam, Kinathukadavu (Doc. 272/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-10-1983

(1) S. Jayalakshmi 6, Kamalabai St., Madras 17.

(Transferor)

21397

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Enfield India Ltd. 29, Eldams Road, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1983

Ref. No. 18548.—Whereas, I R. P. PILLAí being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6, Kamalabai St., Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 251/83) on March, 1983

at T. Nagar (Doc. 251/83) on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

TH ESCHEDULE

Land and building at 6, Kamalabai St., Madras-17 (Doc. 251/83),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-10-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

 M/s. Sugesan Mercantile Enterprises, 16, I Main Road, Madras-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Gyanbai, K. Sampathraj, K. Ashok Kumar, Nirmala Bai, A. Snehlata, 12, Gopalakrishna Iyer St. Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 18547.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 28, Rajabathar St., Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 235/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejct of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28, Rajabathar St., Madras-17 (Doc. 235/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Damodaran, Saravanan, 154, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) R. Baggiam, 2, Poes Road III St., Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 18200.—Whereas, I R.P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 154, Mowbrays Road, Madras-18 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 296/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

TH ESCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 154, Mowbrays Road, Madras-18 (Doc. 296/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—41—346GI/83

Date: 6-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sethurama Iyer S/o M. S. Venkatarama Iyer, Agrabaram, Kuthalam, Mayuram.

(1) Balasubramaniam, Ramalingam,

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1983

Ref. No. 10262.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 15, Rajapuram Agraharam,

situated at Kuatalam, Mayuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuhurai (Doc 373/83) on April, 1983

on April 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Chokkalingam, Venkatesan, Viswanathan, Swaminathan S/o Somasundaram Pilled Suralur, Thiruvidaimarudur, Tanjore.

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Rajapuram Agraharam, Kuthalam, Mailaduthural (Doc 373/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date; 3-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1983

Re. No. 18262.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 54/2, Kodambakkam situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 830/83) on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) M. Kalyanasundaram, MIG 88, Dr. P. T. Rajan Road, Madras-78.

(Transferor)

(2) P. Gopinath, H. 8, Foreshore Estate, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH ESCHEDULE

Land and building at TS 54/2, Kodambakkam (Doc. 830/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-10-83

Seei :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

Ref. No. 18419.—Whereas, I. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

S. No. 278/4A, 278/6, 278/10A situated at Kottivakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 484/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. Amaladas, 37, Dhanalakshmi Avenue, Madras-20.

(Transferor)

(2) A. Selvaraj, 59, Kamaraj Avenue Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 278/4A, 278/6, 278/10A, Kottivekkam. (Doc. 484/83)

R. P. PILLAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Date: 1-10-83

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

Ref. No. 17756.—Whereas, 1 R. P. PILLAI being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
S. No. 6/2B/3. Kathivedu, situated at Saidapet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Ambattur (Doc. 3465/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Saraswathi, Balasubramaniam, Rep. K. Jayachandran, 62/1, Reddi St. Puzhal, Saidapet.

(Transferor)

(2) B. Kannaimmal, R. Devikkarani, Susila, Vasuki, 9, Gandhi St., Madras-33

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 6/2B/3, Kathivedu Saidapet. (Doc. 3465/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-10-83

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Hyderabad, the 6th October 1983

Ref. No. 10317.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

30, Thiagu Mudaliar St., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 574/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ariting from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Kalivaradan, Keelandai St., Saram Pondicherry.

(Transferor)

(2) Shavakath Ali, Mohammed Ali, Hasen Mohideen, S/o Babjee Sahib Senjee Village, Tamilnadu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 30, Thiagu Mudaliar St., Pondicherry. (Doc. 574/83)

> R. P. PILLAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 6:-10-83

21405

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 3rd October 1983

Ref. No. 18226.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Haddows Road I St., situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 399/83) in April, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

W. K. Sarojini,
 Hindu Prachara Sabha Road,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) H. Anraj, Sushila Devi, 135, Triplicane High Road, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Haddows Road I St. Madras-34. (Doc. 399/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-83

(1) B. V. Santhalakahmi. 4, 19th St. Nanganallur, Madras-61.

(Transferor)

(2) A. Chakrapani, 65, Alwarpet St Madras-18.

(Transferee)

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Madras, the 3rd October 1983

Ref. No. 18255.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. C 339, Ashok Nagar Scheme situated at Kodam-bakkam Madras

bakkam, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc 553/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937). Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at C 339, Ashok Negar, Scheme. Kodambakkam, Madras. (Doc. 553/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date . 3-10-83 Scal ;

TORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART [II -- SEC. 1]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 4th October 1983

Ref. No. 18176.—Whereas, I. R. P. PILLAI.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
54, South Boag Road, Madras-17 situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
Madras South Doc. 686/83) on March 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Koka Sivaprasad Koka Sathyanathan 54, South Boag Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Kochuri Venkataravcendra,
 Rep. K. Venkata Krishna Rao Naidu,
 4. III St., Kumaran Colony, Madras-26.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 54, South Boag Road, Madras-17. (Doc. 686/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangé-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—346GI/83

Date: 4-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4, Khader Nawazkhan Road, Madras-6. (Transferor) (2) AARSREE Apartment (P.) Ltd.,

(2) AARSREE Apartment (P.) Ltd. 25, Ganehh Chandra Avenue, Calcutta-700 913.

(1) Rosy Tower,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias, the 4th October 1983

Ref. No 18197.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights (Doc. 232/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7. Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 232/83)

R. P. PILLAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Dat: 4-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS*600 006

Madras, the 3rd October 1983

Ref. No. 18155.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 47, 1II Main Road, situated at Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 360/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. Namperumal Chetti, 47, III Main Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Dhanalakshmi, R. Vijayabalan, 10, Vadampokki Agraharam, Thuraiyur, Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 47, III Main Road, Madras-28. (Doc. 360/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 3-10-83

والمراجع والم

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Karpagam Venkatraman, 34, Venkatesan St. Madras-17.

(Transferor)

Mohana Anantaraman,
 Venkatesan St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madius, the 4th October 1983

Ref. No. 18188.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34, Venkateshan St. s.tuated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 780/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and building at 34, Venkatesan St., Madras-17. (Doc 780/83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 4-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) V. R. Srinivasan, 26, Gangai Amman Koil St., Madras-94.

(Transferor) (2) S. M. Baba Naidu, 2, Bajanai Koil St. Madras-94.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCAME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras, the 3rd October 1983

Ref. No. 18245.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Impartment of the Income tax and I movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS. No. 139, situated at Puliyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 637/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tenters with the chieft of of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 139, Puliyur. (Doc. 637/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-37—346 GI/83

Date: 3-10-83 **Scal**:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 3rd October 1983

Rcf. No. 18243.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 48, situated at Kodambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 601/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Cicely Francis, 5, Ritherdon Road, Madras-7.

(2) Kanthammal, 39, Mookathal St. Madras-7. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ase defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot 48, Kodambakkam. (Doc. 601/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras, the 3rd October 1983

Ref. No. 18242 —Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 7/11, situated at Puliyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 596/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Jagannathan For Mukund, 54, E Block, Besantnagar IX Cross, Madras-90.

(Transferor)

(2) A. Gowri, 70, Bajanai Koil St., Madas-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land at TS. No. 7/11, Puliyur. (Doc. 596/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 3-10-83

FORM ITNS----

(1) Indira C. Anumolu, 3, 8th Cross St., Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Chittibabu, 133, Palaniappa Nagar, Madras-87.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras, the 6th October 1983

Ref. No. 18177.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Madras

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras South Doc. 659/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Madras (Doc.fl 659/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th October 1983

Ref. No. 18171.—Whereas, I, R. P. PLLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, Kamaraj Road situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1906 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 516/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 Mrs. P. S. R. Arulmani Papa, K. Poomani Ammal, 134, Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) C. Ramachandra Reddy, G. K. Naidu, P Konda Reddy, Y Venkatachalam, M/s. Ramachandra Reddy & Co., 27, Muthu Krishna Mudali St. Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 6, Kamaraj Road, Madras-28. (Doc. 516/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under substitution (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

'43—346GI/83

Date: 6-10-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras, the 5th October 1983

Ref. No. 18146.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/43, Naidu St., Ramapuram situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alandur (Doc. 1077/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Gunabushanammal, 1/43, Naidu St. Ramapuram, Ganga, Naidu St., Ramapuram. Chellakannu Ammal, Manavalanagar, Periyakuppam.

(Transferor)

(2) K. Kandan, 5/9, Indian Airlines Colony, Madras-27.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1/43, Naidu St., Ramapuram. (Doc. 1077/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subramani, 14, Chetty St.,

(1) Densil Vincent Dimamali.

21, Medawakkam Tank Road, Madras-12. (Transferor)

Korattur, Saidapet Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 17757.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 559/1, 2, situated at Ambattur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ambattur (Doc. 2715/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 559/1, 2, Ambattur. (Doc. 2715/83).

> R. P. PJLLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 1-10-1983 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S. S. Ramesh, M-31/H Besant Nagar, Madias-90.

(Transferor)

(2) Defence Auto Centre, 107, General Patters Road, Madras-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600'006

Madras, the 5th October 1983

Ref. No. 18406.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Madras

T.S. No. 17, Besantnagar, Madras situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Advar (Doc. 638/83 in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TS. No. 17, Besant Nagar, Madras. (Doc. 638/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18536.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 28, Millers Road situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Purasawalkam (Doc. 80/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri S. Velu, 30, Millers Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. S. Thilakavathy, 11, Sachidhanandam St., Kosapet, Madras-12.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be under in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28, Millers Road, Madras. (Doc. 80/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 1-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18537.—Whereas, I, R. P. PILLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 28, Millers Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 82/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Valliammal, 30, Millers Road, Madras-10.

(Transferor)

Shri V. Shanmugham,
 Sachidhanandam St.,
 Kosapet, Madras-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 28, Millers Road, Madras. (Doc. 82/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 1-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18540.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, Medavakkam Tank Road, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 114/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. V. Mohanasundaram, 85, Saravana Perumal Mudali St., Madras-84.

(Transferor)

(2) Mohan Minan Chandy, 79, Medavakkam Tank Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 79, Medavakkam Tank Road, Madrs-10.
(Doc. 114/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 1-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri V. K. Srikumar, 3. Valmiki St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Nirmala Narayanaswamy, R. Champalakshmi, 15, Arulammal St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18546.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 8363/1, T. Nagar situated at

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at T. Nagar (Doc. 233/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.S. 8363/1, T. Nagar. (Doc. 233/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias, the 1st October 1983

Ref. No. 18409.—Whereas, I, R. P. PII J.AI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heteinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 4, Shastri Nagar, Urur situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Adyar (Doc. 632/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri S. Gopal, Rep. Valli Seshan, 36, IV Main Road, Madras-28-(Transferor)

(2) Shri D. Mukeshkumar, 52, Chamiers Road, Madras-28

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot 4, Shastri Nagar, Urur, Madras. (Doc. 632/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mnaely:—
44—346GI/83.

Date: 1-10-1983

Seal;

FORM ITNS ---

(1) Shri A. N. Paraweswaran, 17. Demonte St., Madras-4.

(Transferor)

(2) Tricumsee Hanaraj, 2. Crescent II Park Road, Madras-20,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18144.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 20, Dhandayudhapani Nagar, situated at Adyar,

Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Adyar (Doc. 354/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficent and control of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 20, Dhandayudhapani Nagar, Adyar, Madras-20. (Doc. 354/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '---

Date: 1-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sant. Saraswathi Ammal, 87, Amman Koil St., Madias-26.

(Transferor)

(2) Shri N. S. Ganesan, 87, Amman Koil St., Madias-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18260.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

Rs. 25,000/- and beating
No. 87, Amman Koil St., Madras-26 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kodambakkam (Doc. 823/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 87, Ammankoil St. Madras-26, (Doc. 823/83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri S. Mahadevan, Soundararajan St., Madias-17.

(Transferor)

(2) Shri S. Gurunathan, 25, Sarojini St., Madras-17.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18189.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

T.S. No. 5760 T. Nagar situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar (Doc. 181/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.S. 5760 T. Nagar, (Doc. 181/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date · 1-10-1983

Shri V. B. Jaganathan,
 Telepost Colony,
 Main Road, Madras-33.

(Transferor)

(2) Dr. K. Padmanabhan, 16, 4th Main Road, Telepost Colony, Madras-33.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18256.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 34, Kodambakkam

'and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kodambakkam (Doc. 543/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 34, Kodambakkam, (Doc. 543/83),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 12802.—Whereas, 1, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/695, IA to D, Sukravarpet situated at Colmbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Colmbatore (Doc. 2096/83) in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) H. Beeji Beevi, 26, T. Valayalkarar St., Thiruthuraipundi, Tanjore.

(Transferor)

(2) A. Nijam Basha, 2, Shanmugham, Chettiar Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16/695, IA to D, Sukravarpet, Ooimbatore. (Doc. 2096/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-1983

Deluxe Builders,
 Leith Castle South St,
 Madi as-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sumitia Srinivasan,Rep. Vijayalakshmi,6, Karpagumbal Nagar, Madras-4.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18156.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20-A, Leith Castle South St., situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 367/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 20-A, Leith Castle South St., Madras-4. (Doc. 367/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

Date: 1-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

79. 8th St., Sector-II, Madras-78.

Shri A. G. Vedasundararai.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. A. Jamal Mohammed, 6, 6th St., Madras-78.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No 18373.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

79, 8th St., Sector-II situated at Madras-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1146/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 79, 8th St., Sector-II, Madras-78, (Doc. 1146/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-1983

(1) Shri K, B. Krishnabai, 5, Muthiah Mudali II St., Madras-14. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st October 1983

Ref. No. 18202.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 3798/5 situated at Periyar Road, Madras-18 market S. No. 3798/5 situated at Periyar Road, Madras-18 (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 276/83) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

-346GI/83

ing persons, namely:-44—336GI/83

(2) S. Vijayalakshmi, 5, Muthiah Mudali II St., Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 3798/5, Perlyar Road, Madras-18. (Doc. 276/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-1983

(1) Jeet Lal, Om Prakash, CIA/40A, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Industrial Abrasives, 3, Dooming St., Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 18405.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. S. No. 278/4A, 278/6, 278/10 situated at Kottivakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 644/83) in March 1983

Adyar (Doc. 644/3) in March 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 278/4A, 278/6, 278/10, Kottivakkam. (Doc. 644/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1983, Seal ;

(1) Kasturi Estate, Kasturi House, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) VGP Housing (P) Ltd. VGP Square, Madras-15.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

Ref. No. 18375.--Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

and bearing

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Kilambakkam situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras North (Doc. 1107/83) on March 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land at Kilambakkam (Doc. 1107/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-10-1983, Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

Ref. No. 18149.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, Thiruvalluvar Nagar, situated at Secretariat Colony, Madras-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Alandur (Doc. 827/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 K. N. Rathina Velu,
 Thiruvalluvar Nagar, Secretariat Colony, Madras-16.

(Transferor)

S. Ramachandran,
 139, Sadras, East DAE Township, Kalpakkam,
 Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, Thiruvalluvar Nagar, Secretariat Colony, Madras-16. (Doc. 827/83).

R. P. PILAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IT
Madras-600 006

Date: 1-10-1: Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M. Chinnappa 5, Sami Gr. St., Sanganur, Coimbatore-27.

(Transferor)

(2) A.I. Mathai, Komulli Padmanabhan C/o. Kunhi Kannan, Pushpa Villa, (near overbridge) Tellicherry, Kerala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12590.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. GS No. 70/2AC situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 1081/83) in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at GS No. 70/2AC, Sanganur. (Doc. 1081/83).

R, P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 6-10-1983.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12605.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

No. RS 1044/2A, situated at Coonoor
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coonor (Doc. 301/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) John Zacharlah, 'Orange', Quail Hill, Cooncor-1.

 P. S. Narayanan, Janaki Narayanan Quail Hill, Coonoor-1. (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS No. 1044/2A, Coonoor (Doc. 301/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I¹
Madras-600 006

Date: 6-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 10316.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 and 4A, Rangapillai St, situated at Pondy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pondy (Doc. 626/83) in Merch 1983

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Meillere Samy, Rita Meillere Lila Meillere, 10, Savarirayalu St., Pondy.
- (Transferor) (2) Trustees of Srl Aurobindo Ashram Trust, Pounty-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by sary other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezatte.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, 4A, Ranga Pillal St. Pondy. (Doc. 626/83).

> R. P. PILLAE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 6-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 10320.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10A, Cross Door No. B2(s) situated at Thillalnagar, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Woraiyur (Doc. 720/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Ananthanarayanan, 26, Padmanabha Chetty St. Madras-17.

(Transferor)

 Mrs. Balasaraswathi Thangavel, W/o. K. Thangavel, Pathanampatty, Turaiyur, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10A Cross Door No. B2(s) Thillainagar, Trichy. (Doc. 720/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 6-10-1983,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 10257—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 52, Pothamaraikulam South St., situated at Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. 666/83) in March 1983

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sivaraj Chettiar, Sankaranarayanan, 53, Vijayendtaswamy Mutt St., Kumbakonam. (Transferot)

(2) P. A. Umma Kulthum, 3/40A, Salamath St., Boothamangalam,

(Transferce)

Objections, if easy, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid purcess within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Casesses.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 52, Pothamaraikulam South St., Kumbakonam. (Doc. 666/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—346GI/83

Date: 6-10-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ravi S/o. Ranganatha Naicker, Modakkupatti, Udumalpet.

(Transferor)

(2) Sarswathi W/o. Ranganatha Naicker, Modakkupatti, Udumalpet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12743.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

not bearing
No. S. No. 7/1, 2 Modakkupatti situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Udumalpet (Doc. 638/83) in March 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Gazette.

PXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 7/1, 7/2, Modakkupatti. (Doc. 638/83).

R. P. PILIAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IL
Madras-600 006

Date: 6-10-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 369D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12833.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 297, 298, 299, situated at Gudalur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 637/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitatingt he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Saraswathy, W/o. Ganesan Udayampalayam, Chinnavedampatti, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Srinivasalu Naidu S/o. Rangaswamy Naidu, Maniakarampalayam, Ganapathy Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 297, 298, 299, Gudalur (Doc. 637/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 6-10-1983.

Meenakshi Achi, 30, West Road, West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferor)

(2) M. Bhupathy, 23, Thiruvalluvar Koil St., Madras-4.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

Ref. No. 18175.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No. 122/3, situated at Kottur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Madras South (Doc. 701/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 122/3, Kottur (Doc. 701/83).

R. P. PILLAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-1983.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12739.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable prperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 182/2, 182/3, 181/5C/182/5 situated at Sulakkal, Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer

at Pollachi (Doc. 684/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Seethalakshmi, Selvaraj, Parimalam, Udayachandra, Muthulakshmi, Nallagoundanpalayam, Devarayapuram, Pollachi (Transferor)
- (2) V. P. Chandrasekaran, 56, N. V. N. Street, Pollachi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 182/2, 182/3, 181/5C/182/5, Sulakkal, Pollachi (Doc. 684/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-10-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. Karuppswamy, 57, Pinjala Subramanian Street, Madras-17.

(Transferor)

R. Ganesan,
 G. Rathinam, Karuppannan,
 105, Peelamedu Main Road, Sowripalayam,
 Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12723.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 2922/2 situated at Ramanathapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1473/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at TS. No. 2922/2, Ramanathapuram (Doc. 1473/83).

THE SCHEDULE

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12581.—Whereas, I, R. P. PILLAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1129, 1127, Aravakurichi S. No. 1048, 1049, 1044, 1046, 1054, 1062B, situated at Chinnarpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aravakurichi (Doc. 222/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Khader Basha,
Shamshad Begam, Baseer Ahmed,
Dilsad Begam, Nazeer Ahamed, Kurshida Begam,
Syed Ibrahim, Shermila Banu,
Bavaiali Street, Pallapatti.

(Transferor)

(2) Azad Ali S/o Abdul Azeez Rowther, Kummannan Street, Pallapatti.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1129, 1127, Aravakurichi and at S. No. 1048, 1049, 1044, 1046, 1054, 1062B, Chinnarpalayam (Doc. 222/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Khader Basha, Ismail Beciam Bivi, Pallapatti, Karur Tk,

(Transferor)

(2) Anwar Ali S/o Abdul Azcez Rowther, Pallapatti, Karur Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Rcf. No. 12581.—Whereas, I, R. P. PJLLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 157, 241, 154, situated at Velambadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aravakurichi (Doc. 221/83) on March 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 157, 241, 154, Velambadi (Doc. 221/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1983.

FORM ITNS ------

(1) Radha Raghavan, Hermitage, Orms Road, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harita Cheema (P) Ltd., Harita Venu (P) Ltd., 106, IVth Street, Abiramapuram, Madras-18. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18616.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing RS No. 210/2A1A 14 situated at Thiruvanmiyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registering Act, 1906 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 971, 972/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

cransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 210/2A1A 14, Thiruvanmiyur (Doc. 971, 972/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--47-346GI/83

Date: 12-10-1983.

FORM ITNS----

(1) K. M. Kantappan, 11, Dr. Natesan Street, Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ilac Bhatt, Itu Bhatt, 11, Mungen Street, Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18412.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Adyar situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Adyar (Doc. 611, 612/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Adyar (Doc. 611, 612/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1983.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Modras-600 006, the 12th October 1983

Ref No. 18183.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beairng No. 703, Anna Salai situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 780/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Madras Investments & Construction Corporation, 192, Lloyds Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) A. Mohammed Sheriff, Mrs. Habib Nachiar, Master Zakafar Raffik, 22, Swaminatha Shastri Road, Thillainagar, Trichy-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 703, Anna Salai, Madras-6 (Doc. 780/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons. namely:—

Date: 12-10-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) P. R. Narasimhan, 58/1, Muthalamman Koil Street, Madras-83. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. N. Vaidyonathan, 9, Thirumurthy Street, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18172.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 58/1, Muthalamman Koil Street, situated at Nallan-

kuppam, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras South (Doc. 503/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference the apparent consideration interefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land and building at 58/1, Muthalamman Koil Street, Madras-83 (Doc. 503/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18615.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 248, Virugambakkam, situated at K. K. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Madras South (Doc. 960/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Lakshmi Devi, Latha Pillai, Bindu Pıllai, Ajai Pillai, Jothi Pillai, Ranjit Pillai, 924, II Sector 70th Street, K. K. Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) Rathnamala. C 78, 80th Street, Ashok Nagar, Madras-83. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 248, K. K. Nagar Virugambakkam (Doc. 960/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-10-1983.

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Rama Sugars & Industries Ltd., 781, Mount Road, Madras-2.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) La Chatelaine Educational Society, 1, Arcot Road, Madras-87.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA ·

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18612.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS 147/2, situated at Valasarawalkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam (Doc. 772/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 147/2, Valasarawalkam (Doc. 772/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Modras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18166—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25, Kaianeswaiar Pagoda Street, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 293/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Kanron, 25, Kaineswarai Pagoda Sticet, Madias-4. (Transferor)
- (2) Kamakshi Mahadevan, Geetha Sampath Kumar, 5, MIG Housing Unit RS Puram, Coimbatore-1. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have ****** *** me meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 25, Karaneswatar Pagoda Street, Madras-4 (Doc. 293/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12577.--Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. TS/1016/2B3, 4, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 977, 978/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

(1) V. Rajendran, R. Narenkumar, R. Arunkumar, Sirey Town, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Doraiswamy Gr. Hamsa, Latha Dr. Nanjappa Road, Coimbatore. V. Kannan, R. Govindaraj, P. R. Ramadoss, 15, Kasturi Naid Street, Pappanaickenpulayam, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1016/2B3, 4, Krishnarayapuram (Doc. 977, 978,83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-10-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 18374.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 3/5 to 6, Whannels Road situated at Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1112, 1113/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) L. M. Habeeb Rahman, Royapettai Street, Pallapatti, Trichy.

(Transferor)

 N. N. Mohammed Haniff, 1, Manikeswari Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein on are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 3/5 to 6, Whannels Road, Madras-8 (Doc. 1112, 1113/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-U, Madras-600 006

Date: 6-10-1983,

(1) Rockfort Publishers (P) Ltd., 1, Meeran Sahib Street, Madras-2.

Avrool Thiruvalla, Kerula.

(Transferor)

(2) Mrs. Hithayathullah Junaida Begam, Manakkanniah Street, Adaiyakkamangalam, Tanjore District. Mrs. Prasanna Kumari Pillal, Thekkadathu House, Kottathoor (PO),

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 18185.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 23, situated at Meeran Sahib Street, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 274, 248/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at 23, Meeran Sahib Street, Madras-2 (Doc. 247, 248/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1983.

 P. V. Krishnaswamy & Others, 4, Sardar Patel St., Madras-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Radhakrishnan. 17, Raja St., Madras-17.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1983

Ref. No. 18193.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

bearing No.

R. P. PILLAI,
No. 4. 4A, situated at Sardar Patel St., Madras-33
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registraing Officer at
T. Nagar (Doc. 199, 200/83) on March 1983
for an apparent consideration which is less than the fair

1. Nagar (Doc. 199, 200/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, 4A, Sardar Patel St., Madras-33. (Doc. 199, 200/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1983

Ref. No. 18203.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova the property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18, 19, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 263, 264, 265/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 17, 1957 (27 of 1957); Kalpatharu Enterprises 19, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) S. Sailaja, 16, Venka Venkatanarayana Road, Madras-17 Nagarajamma, Venkatanarayana Road, Madras-17. M/s. Meco Tronics, Mount Road, Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

J.and at 18, 19, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 263, 264, 265/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 00%

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 1-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref No. 10186 -- Whereas, I.

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. TS, 411, 412, 415, 358, 422 situated at Sekkelaikottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 117, 118, 119/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Anandapadmanabhan, S/o Adalkappa Chettiar, Pallathur, Karaikudi.

(Transferor)

 Sarada Mehta, Parak Mehta, Rep. by Nirmal Kumar Mehta,
 TVK Swamy St.. Sekkalal Road, Karaikudi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 411, 412, 415, 358, 422, Sekkalaikottai, (Doc. 117, 118, 119/83).

R. P. PILLAT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. Raghupathy, Kurippankulam, Nazarath Trichendur Tk Tirunelvėli Dt. (Transferor)

(2) Bazreen Jamal, Ayesha Jamal. Najima Sheikh Oli, Amir Jamal, Hameeda Amir, 13B, Cross St., Maharaja Nagar, Tirunelveli, P. Ramalingam, 7, Drowthiamman Koil St., Madras-42.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th October 1983

Ref. No. 18627.—Wheeras, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No S. No. 233/1A, situated at Kottivakkam, Saidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 373 to 378/83) on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 233/1A, Kottivakkam, (Doc. 373 to 378/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 12-10-1983

Sea1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1983

Ref. No. 12576.—Wheeras, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29/6 to 8, situated at VOC Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 972, 973, 982, 987, 1017/83) on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatlh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Meenakshi Ammal,
 R. Venkitasubramaniam,
 29/6 to 8, VOC Road,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) P. S. Ramachandra Rao, 46 C. West Sambandam Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29/6 to 8, VOC Road, Colmbatore.
(Doc. 972, 973, 982, 987, 1017/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-10-1983

• •		